इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, परिवार का महत्व और बदलता स्वरूप व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी विक्रम संवत 2081

अमृत विचार

वर्ष -2, अंक -261, पृष्ठ -14+4, मूल्यः -5 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

आज का मौसम | 39.0° अधिकतम तापमान | 27.0° न्यूनतम तापमान | आसमान साफ रहेगा, धूप खिली रहेगी। | सूर्योदय 05 : 23 सूर्यास्त 18 : 47

कानपुर, रविवार, 12 मई 2024

सरफरोश के सीक्वल में काम करना चाहते हैं आमिर...-2

दूल्हे सहित चार बाराती जिंदा जले

कार्यालय संवाददाता, जालौन

हादसे के बाद धू-धू कर जलती कार।

- झांसी-कानपुर हाईवे पर बड़ागांव क्षेत्र के पारीछा ओवरब्रिज पर हुआ हादसा
- एरच थाना क्षेत्र के बिलाटी गांव से बड़ागांव क्षेत्र के छापर जा रही थी बारात

अमृत विचार : झांसी-कानपुर हाईवे पर शुक्रवार देर रात डीसीएम और कार की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इससे कार सवार दूल्हे समेत चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। बारात एरच थाना क्षेत्र के बिलाटी गांव से बड़ागांव थाना क्षेत्र के छापर जा रही थी। पुलिस और दमकल टीम ने कार से दो घायलों को निकालकर झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। हादसे के बाद वर-कन्या पक्ष में मातम पसर गया।

एरच थाना क्षेत्र के बिलाटी गांव से आकाश (23) बारात लेकर बड़ागांव थाना क्षेत्र के छापर गांव जा रहा था। उसके साथ कार में भतीजा ईशु (7) और आशीष (20) समेत अन्य परिजन सवार थे। शुक्रवार रात करीब 12 बजे कार जैसे ही परीछा ओवरब्रिज के पास पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार आए डीसीएम ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार में आग लग गई। सभी बाराती कार के अंदर फंस गए। कोई भी बाहर नहीं निकल पाया।

दूल्हे की कार के पीछे परिवार के लोग दूसरी गाड़ी से चल रहे थे। जब तक वे लोग पहुंचे, तब तक कार आग की लपटों से घिर गई। परिजनों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। पुलिस के साथ पहुंची दमकल टीम ने किसी तरह आग बुझाकर कार के अंदर से लोगों को निकाला। तब तक आकाश, ईशू, आशीष समेत कार ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

मणिशंकर अय्यर के परमाणु बम वाले बयान पर प्रधानमंत्री ने कसा तंज

पाकिस्तान बम बेचने के लिए तलाश रहा खरीददार : मोदी

ओडिशा, एजेंसी

- ओडिशा में बोले प्रधानमंत्री-50 सीट भी नहीं जीत पाएगी कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 50 सीट भी नहीं जीत पाएगी और चुनाव के बाद उसे विपक्षी दल का दर्जा भी नहीं मिलेगा। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के पाकिस्तान के पास परमाणु बम संबंधी बयान पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा कि इन डरे हुए लोगों (कांग्रेस) ने देश की जनता के उत्साह को खत्म कर दिया है। आज पाकिस्तान ऐसी स्थिति में है कि वह अपने पास मौजूद बम को संभाल नहीं पा रहा है। वे अब अपने बम बेचने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल रहे हैं क्योंकि लोगों को पता है कि उनके बम खराब गुणवत्ता के हैं।

कंधमाल, बोलंगीर और बारगढ़ लोकसभा सीट पर चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि ओडिशा की 'अस्मिता' खतरे में है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार बनेगी और ओडिशा में भाजपा सरकार का मुख्यमंत्री वही बेटी या बेटा बनेगा जो उड़िया भाषा और उड़िया संस्कृति को समझता हो। मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस को लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल बनने के लिए 10 प्रतिशत सीट नहीं मिल पाएंगी। राहुल गांधी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे 2014 के चुनाव के बाद से वही स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं...।

मोदी के चुनावी भाषण में होती हैं खोखली बातें: प्रियंका

नंदूरबार। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने चुनावी भाषणों में खोखली बातें करते हैं, उनकी बातों में कोई विजन नहीं होता है। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी के साहस और दृढ़ संकल्प जैसे गुणों को अपनाने चाहिए। वह नंदूरबार से कांग्रेस प्रत्याशी गोवाल पाडवी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं।

मोदी की डोर टेंपो वाले अरबपतियों के हाथ : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्हें टेंपो वाले अरबपतियों का एक कठपुतली राजा बताया। कांग्रेस को अडाणी और अंबानी से टेंपो में नकदी मिलने की टिप्पणी को लेकर मोदी पर हमलावर हुए गांधी ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया जिसमें शुक्रवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में उनके भाषण के कुछ अंश शामिल हैं।

तीन बच्चों, मां-पत्नी की हत्या कर खुद को भी गोली मारकर दी जान

साले का आरोप- जमीन के विवाद में पूरे परिवार को सुलाया गया मौत की नींद

संवाददाता, सीतापुर

अनुराग अपनी पत्नी प्रियंका और तीन बच्चों के साथ (फाइल फोटो)।

मौत का तांडव

- वर्ष 2023 में पिता की मौत के बाद अनुराग और उसके भाई अजीत के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहा था विवाद

> अनुराग द्वारा मां, पत्नी व तीन बच्चों की हत्या करने के बाद स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर लेने की बात सामने आ रही है। घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त असलहा व हथौड़ा बरामद किया गया है। सामूहिक हत्या प्रत्येक पहलू की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।
> –चक्रेश मिश्रा, एसपी सीतापुर

अमृत विचारः रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के मां, पत्नी और तीन बच्चों की हत्या करने के बाद अधेड़ ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पत्नी को हथौड़े से, मां को गोली मारकर और बच्चों को छत से फेंककर हत्या की गई। पांच हत्याओं व आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुटी हुई है। इस प्रकरण पर ग्रामीणों का कहना है कि हत्या करने वाला युवक नशे का आदी था। जबकि मृतका प्रियंका का भाई भूमि विवाद के चलते हत्या का दावा कर रहा है।

क्षेत्र के ग्राम पाल्हापुर निवासी अनुराग सिंह (45) पुत्र स्व. वीरेंद्र सिंह ने शनिवार तड़के तीन बजे घर में सो रही मां सावित्री (65) व पत्नी प्रियंका (39) को पहले गोली मारी। यही नहीं, पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार किया, ताकि वो जिंदा न बचे। इसके बाद अनुराग ने बेटी आर्ना (12), आरवी (8) और पुत्र आद्विक (5) को छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पांचों की हत्या करने के बाद अनुराग ने स्वयं को गोली मार आत्महत्या कर ली। अनुराग के भाई अजीत की सूचना पर पहुंची पुलिस व एफएसएल टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मौके से खून से सना हथौड़ा भी बरामद किया। अजीत ने बताया कि शुक्रवार देर शाम अनुराग की पत्नी और उसके बच्चे लखनऊ से आए थे। देर शाम दोनों के बीच शुरू हुआ विवाद देर रात तक चलता रहा। इस दौरान वह जाकर कमरे में सो गया। मां, भाभी व तीनों बच्चों की मौत के बारे में उसे कोई जानकारी नहीं है। छह मौतों के बाद भाई अजीत की यह बात किसी के गले नहीं उतर रही है।

पुलिस के मुताबिक अनुराग की पत्नी प्रियंका लखनऊ स्थित जानकीपुरम में निजी फ्लैट में अपने तीन बच्चों के साथ रहकर एक निजी इंश्योरेंस कंपनी में सेवा देती थी। परिजनों ने बताया कि प्रियंका अपने तीनों बच्चों को लखनऊ स्थित सीएमएस अलीगंज में पढ़ा रही थी। गुरुवार को स्कूल बंद होने के बाद अगले दिन पत्नी बच्चों को लेकर गांव पहुंच गई थी। अनुराग और प्रियंका की शादी करीब 14 साल पहले हुई थी। अनुराग ने सिविल सेवा के लिए तैयारी भी की थी। सफलता न मिलने पर अनुराग गांव जाकर खेती करने लगा, अपने पिता का हाथ बंटाने लगा था। वहीं, प्रियंका के भाई आदित्य का कहना है कि वर्ष 2023 में पिता की मौत के बाद अनुराग व उसके भाई अजीत के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। आदित्य ने दावा किया कि सभी छह लोगों की हत्या की गई है।

शाह बनेंगे प्रधानमंत्री, हटा दिए जाएंगे योगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केजरीवाल का दावा

- भाजपा लोकसभा चुनाव जीतती है तो जेल में होंगे विपक्षी नेता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अगले साल रिटायर हो जाएंगे। वह (मोदी) अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। यह भी कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो पार्टी दो महीने के भीतर उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बदल देगी। दावा किया कि यदि भाजपा लोकसभा चुनाव जीतती है तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव समेत सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया जाएगा।

केजरीवाल ने यहां आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा सत्ता में वापस नहीं आएगी और चार जून को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी केंद्र में सरकार का हिस्सा बनेगी।

केजरीवाल ने कहा कि ये लोग इंडिया गठबंधन से उनके चेहरे के बारे में पूछते हैं। मैं भाजपा से पूछता हूं कि उनका प्रधानमंत्री कौन होगा? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। उन्होंने नियम बनाया था कि 75 साल की उम्र वालों को 'रिटायर' कर दिया जाएगा। उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन को रिटायर (सेवानिवृत्त) कर दिया। उन्होंने कहा कि मोदी भी अगले साल रिटायर हो जाएंगे।

शाह का जवाब-मोदी ही करते रहेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के दावे पर गृहमंत्री अमित शाह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि नरेंद्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बने रहेंगे। शाह ने कहा पूर्व हो, पश्चिम हो, उत्तर हो या दक्षिण होइस देश की जनता हर कोने में प्रधानमंत्री मोदी के प्रचंड समर्थन में खड़ी है। इंडिया गठबंधन के नेताओं को पता है कि भाजपा 400 पार करने जा रही है और मोदी तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। इसलिए, केजरीवाल इस प्रकार की अफवाह फैला रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी ही 2029 तक नेतृत्व करेंगे और मोदी ही आने वाले चुनाव का नेतृत्व करेंगे।

प्रख्यात पंजाबी कवि और लेखक सुरजीत पातर का निधन

लुधियाना। प्रख्यात पंजाबी कवि एवं लेखक सुरजीत सिंह पातर (79) का शनिवार की सुबह निधन हो गया। परिजनों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे उनकी पत्नी भूपिंदर कौर ने उन्हें जगाने की कोशिश की लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, जिसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पातर के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं जिनमें से एक ऑस्ट्रेलिया में रहता है। पातर के करीबी सहयोगी गुरभजन गिल ने कहा कि सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया जा सकता है।

दिल्ली में तूफान से दो की मौत, 23 घायल

नई दिल्ली, एजेंसी

- तेज हवाओं से उखड़े पेड़ और बिजली के खंभे

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तूफान से संबंधित घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। कई स्थानों पर तेज हवाओं के कारण पेड़, बिजली के खंभे उखड़ गए और दीवारों के कुछ हिस्से गिर गए। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार देर रात आई धूल भरी आंधी के कारण कई इलाकों में बिजली की आपूर्ति भी बाधित हो गई। पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में जनकपुरी फ्लाईओवर के पास एक पेड़ की शाखा गिरने से दोपहिया वाहन सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना में एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन उसमें सवार लोग सुरक्षित हैं। रात करीब 11 बजे केएन काटजू मार्ग पर आईबी ब्लॉक के पास एक पेड़ के नीचे दबने एक मजदूर की मौत हो गई।

वहीं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शुक्रवार रात आई तेज आंधी के चलते नोएडा के सेक्टर 62 स्थित एलआईसी भवन के पास स्थित एक इमारत में लोहे की शटरिंग गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई है और तीन अन्य की हालत नाजुक बताई जाती है। ये मजदूर शटरिंग गिरने से लोहे के पाइप के नीचे दब गए थे।

चौथे चरण की सीटों पर चुनाव प्रचार थमा

- मतदान के लिए आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

लखनऊ। प्रदेश में चौथे चरण की 13 लोकसभा सीटों व एक विधानसभा सीट पर चुनाव के लिए शनिवार की शाम प्रचार थम गया। मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां 12 मई को रवाना होंगी। इन सीटों पर 13 मई को मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस चरण के सभी लोकसभा सीटों के लिए 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जबकि शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा उपचुनाव के लिए 10 प्रत्याशी हैं।

सीएम आवास पर होता था दंगाइयों का महिमामंडन

संवाददाता, कन्नौज/कानपुर/उन्नाव

- इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो फिर से लौट आएगा आतंकवाद का दौर
- मुख्यमंत्री ने कन्नौज, कानपुर व उन्नाव में पार्टी प्रत्याशियों के लिए जनसभा की

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा शासन में मुख्यमंत्री आवास पर दंगाइयों का महिमामंडन होता था। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो फिर से आतंकवाद का दौर लौट आएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को कन्नौज, कानपुर व उन्नाव में भाजपा प्रत्याशियों के लिए आयोजित जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे।

तीसरे चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री ने तीनों सीट पर क्रमशः सुब्रत पाठक, रमेश अवस्थी, साक्षी महाराज व अकबरपुर से देवेंद्र सिंह 'भोले' को विजय दिलाने की अपील की। उन्होंने कन्नौज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन को यहां प्रत्याशी नहीं मिल रहा था, इसलिए वह चुनाव लड़ रहे हैं। पहले किसी को टिकट दिया, फिर उसका टिकट काट दिया। दूसरे को दिया तो वह मैदान छोड़कर भाग गया। तीसरे की घोषणा की तो उसने मना कर दिया। जब कोई नहीं मिला तो सपा अध्यक्ष कह रहे हैं कि वह सेवा करना चाहते हैं। इनके पास जब मौका था, तब कन्नौज के इत्र में बदबू फैलाने का काम कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने आम लोगों से आह्वान किया कि वह घर-घर जाएं और कहें कि उन्हें रामभक्त चाहिए, रामद्रोही नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कहा था कि 'रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे।' तब सपा के लोग रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे। इनके समय में अयोध्या में आतंकी हमला हुआ था। यह लोग आतंकियों के मुकदमे वापस लेते थे। कांग्रेस ने देश और सपा ने यूपी की जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया।

आज का मुकाबला

चेन्नई सुपरकिंग्स
बनाम
राजस्थान रॉयल्स
दोपहर 3:30 बजे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
हर्षल पटेल (पंजाब)	12	20
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	12	18
वरुण चक्रवर्ती (केकेआर)	11	16

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	12	634
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	11	541
ट्रेविस हेड (हैदराबाद)	11	533

रॉयल्स को हराकर सीएसके मजबूत करना चाहेगी दावा

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल के प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सुपर किंग्स की टीम अभी 12 मैच में 12 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुक्रवार को हार के कारण उस पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है और उसे अब बाकी बचे दोनों मैच में जीत दर्ज करने की जरूरत है।

दूसरी तरफ रॉयल्स के 16 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है लेकिन पिछले दो मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के कारण उसका मनोबल गिरा है। रॉयल्स की टीम पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा नहीं मंडरा रहा है लेकिन संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम नॉकआउट

चरण से पहले जीत की राह पर लौट के लिए बेताब होगी। सुपर किंग्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सबसे बड़ी निराशा शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों अजिंक्य रहाणे, रचिन रविंद्र और कप्तान रुतुराज गायकवाड से मिली। यह तीनों बल्लेबाज रॉयल्स के खिलाफ उसकी भरपाई करना चाहेंगे। डेरिल मिचेल और मोईन अली का अच्छा प्रदर्शन सुपर किंग्स के लिए इस मैच में सकारात्मक पहलू रहा। विश्व कप टीम में चुने गए शिवम दुबे गुजरात के खिलाफ 13 गेंद पर 21 रन ही बना पाए थे।

अब भी प्लेआफ में जा सकती है गुजरात, चमत्कार होते हैं : गिल

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल को उम्मीद है कि उनकी टीम आईपीएल के प्लेआफ में जगह बनायेगी हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हराने के बावजूद उसके लिए राह आसान नहीं है।

गुजरात 12 मैचों में 10 अंक लेकर आठवें और चेन्नई 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। गिल ने कहा हमारी क्वालीफाई करने की संभावना 0.1 या 1 प्रतिशत है। हम सभी को लगता है कि हम अभी भी प्लेआफ में जगह बना सकते हैं। क्योंकि मैंने देखा है कि इस टीम ने चमत्कार किए हैं और हम फिर कर सकते हैं। चेन्नई के खिलाफ शतक जमाकर टीम को तीन विकेट पर 231 रन तक पहुंचाने वाले गिल का मानना है कि उनकी टीम कुछ रन पीछे रह गई। 15 ओवर में बिना किसी नुकसान के स्कोर 195 रन था और 250 तक पहुंचना चाहिए था।

धीमी ओवरगति के लिए गिल पर लगा जुर्माना

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिए 24 लाख रूपये जुर्माना लगाया है। यह टीम का इस सत्र में धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था। इसके लिए हर खिलाड़ी पर छह लाख रूपये या मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया है।

आरसीबी के लिए दिल्ली से करो या मरो का मुकाबला

बेंगलुरू, एजेंसी

लगातार चार मैच जीतकर प्लेआफ की दौड़ में बनी हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को अपना दावा बनाए रखने के लिए आज दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में हराना होगा। आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को दो बार हराने के अलावा पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया है। गुजरात और पंजाब से आरसीबी को कोई चुनौती नहीं मिली और सनराइजर्स को उसने करीबी मुकाबले में हराया। दूसरी ओर दिल्ली के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम ने 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस पर दस रन से मिली जीत में चार विकेट पर 257 रन बनाये थे तो 29 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी।

आरसीबी 12 मैचों में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर है और अब हारने से उसके लिये रास्ते बंद हो जाएंगे। कोहली के अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसी, रजत पाटीदार, कैमरन ग्रीन और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छा पारियां खेली हैं। वहीं, दिल्ली के जैक फ्रेसर मैकगुर्क के सामने होगी जो 235.87 के स्ट्राइक रेट से सात मैचों में 309 रन बना चुके हैं। सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने भी 157 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं पर प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी।

खेल डायरी

स्ट्राइक रेट बेहतर करने की जरूरत : यूनिस खान

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान ने बाबर आजम, फखर जमां और मोहम्मद रिजवान जैसे अन्य अनुभवी खिलाड़ियों को आधुनिक क्रिकेट की आवश्यकताओं के अनुरूप स्ट्राइक रेट बढ़ाने की सलाह दी है। यूनिस ने कहा कि खिलाड़ियों को टी 20 प्रारूप में किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसी तरह गेंदबाजों को दबाव की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए। पाकिस्तान को 2009 में टी20 विश्व कप खिताब दिलाने वाले यूनिस ने कहा मुझे लगता है कि बाबर, रिजवान, फखर जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को स्ट्राइक रेट पर काम करना शुरू करना होगा।

विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के दूसरे दौर में रमित

नई दिल्ली। भारत के रमित टंडन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के फराज खान को हराकर काहिरा में चल रही विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 36वें नंबर के खिलाड़ी और इस टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश पाने वाले टंडन ने विश्व में 57वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को केवल 13 मिनट में 11-1, 11-3, 11-3 से करारी शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी टंडन का अगला मुकाबला रविवार को इंग्लैंड के सातवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद अल शोरबागी से होगा।

नडाल इटैलियन ओपन में हुर्काज से हारे

रोम। राफेल नडाल डेढ़ साल में पहली बार शीर्ष 10 के खिलाड़ी के सामने थे लेकिन उन्हें इटैलियन ओपन के तीसरे दौर में नौवीं रैंकिंग के हुबर्ट हुर्काज से हार का सामना करना पड़ा। नडाल अपने पसंदीदा क्ले कोर्ट पर हुर्काज से 1-6, 3-6 से हार गए। अब हुर्काजा का सामना टॉमस एचेवेरी से होगा जिन्होंने थियागो सेबोथ को 6-3, 7-5 से मात दी। अगर नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम बार प्रतिस्पर्धी होना चाहते हैं तो उन्हें 26 मई से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट से पहले कड़ा अभ्यास करना होगा। नडाल पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यह टूर पर उनका अंतिम सत्र होगा।

धीमी ओवर गति के कारण हुआ पंत का निलंबन

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत आरसीबी के खिलाफ आज के अहम मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस मैच के आखिरी ओवर में तय समय से 10 मिनट पीछे थी। ऋषभ पंत पर सात मई 2024 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया है और उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है।

वेस्टइंडीज ने जारी किया वार्षिक कार्यक्रम

मुंबई। वेस्टइंडीज की टीम 23 मई से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 शृंखला खेलेगी। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने इस साल के अपने घरेलू अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की है जिसके अनुसार टीम मई से दिसंबर के बीच दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के तुरंत बाद टी20 विश्व कप की शुरुआत होगी, जिसकी सह मेजबानी अमेरिका के साथ वेस्टइंडीज कर रहा है। विश्व कप के बाद जुलाई में टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज, इंग्लैंड की मेजबानी करेगा। अगस्त में साउथ अफ्रीकी टीम फिर से वेस्टइंडीज पहुंचेगी, जहां उन्हें दो टेस्ट और तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलना है। टेस्ट सीरीज से पहले दोनों टीमों के बीच टारौबा में चार दिनों का एक अभ्यास मैच भी होगा। नवंबर में फिर से इंग्लैंड की टीम तीन वनडे और पांच टी20 मैचों के लिए कैरेबियन द्वीप का दौरा करेगी।

तीन साल बाद घरेलू दर्शकों के सामने नीरज फेकेंगे भाला

ओलंपिक की तैयारी में जुटे चोपड़ा ने पिछले फेडरेशन कप में जीता था स्वर्ण

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा रविवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे लेकिन कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण चार दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता की चमक थोड़ी काम हो गई है।

26 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल बाद पहली बार किसी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। इससे पहले चोपड़ा ने फेडरेशन कप में ही 21 मार्च 2021 को भाग लिया था और तब उन्होंने 87.80 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2022 में डायमंड लीग और 2023 में विश्व चैंपियन बने। उन्होंने चीन में एशियाई खेलों में अपने खिताब का भी बचाव किया था। चोपड़ा ने इस बीच डायमंड लीग के तीन व्यक्तिगत चरण भी जीते और 2022 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। यह भारतीय खिलाड़ी हालांकि अभी तक 90 मीटर की दूरी को छूने में नाकाम रहा है। उनका सर्वश्रेष्ठ

व्यक्तिगत प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

यह स्टार खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुटा है और उन्हें उम्मीद है कि वह ओलंपिक खेलों में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। उन्होंने इस सत्र की शुरुआत दोहा में डायमंड लीग से की जिसमें वह दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने लंबे समय बाद भारत में खेलने के संबंध में कहा मेरे लिए मेरा खेल सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अगर मैं भारत में खेलता हूं तो यह मेरे प्रोफाइल के लिए अच्छा होगा। तोक्यो ओलंपिक से पहले मैं भारत में ही अभ्यास करता था लेकिन अभी मैं केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहता हूं। मैं बाद में भारत में अभ्यास करूंगा। गोला फेंक के एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर जैसे कुछ खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के यह क्वालीफाई करने या रैंकिंग अंक हासिल करने की कोशिश करेंगे। दोहा डायमंड लीग में नौवें स्थान पर रहे किशोर जेना भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। ऐसे में सभी की निगाहें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पर टिकी रहेंगी।

भाला फेंक में क्वालीफाइंग राउंड 14 मई को और फाइनल 15 मई को होगा। एशियाई खेलों के पदक विजेता अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़), ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक) और हरमिलन बैंस (महिलाओं की 800 मीटर और 1500 मीटर) उन शीर्ष एथलीटों में शामिल हैं जो विदेशों में अभ्यास करने के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। फर्राटा धावक मणिकांत होबलीधर (100 मीटर) और अमलान बोरगोहेन (200 मीटर) भी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं।

16 ओवर का हुआ केकेआर-मुंबई का मैच

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 60वां मुकाबला बारिश की वजह से विलंब से शुरु होने की संभावना है। ईडन गार्डन मैदान पर खेले जाने वाले मैच का टॉस बारिश के कारण नहीं हो सका था। बारिश फिलहाल रुक गई है और गीली आउटफील्ड को सुखाने के लिए ग्राउंड स्टाफ कड़ी मशक्कत कर रहा है। मैदानी अंपायर मैदान का निरीक्षण करने के बाद खेल के शुरु कर दिया है और यह मुकाबला 16-16 ओवरों का हुआ। केकेआर के लिहाज से यह मैच बेहद महत्वपूर्ण है। अगर यह मैच मेजबान टीम जीतती है तो वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन जाएगी वहीं नौवें स्थान पर काबिज और खिताबी दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी मुंबई इस मैच को जीतकर अपना मनोबल बनाए रखने की पुरजोर कोशिश करेगी। मुंबई ने टॉस जीत कर कोलकाता को पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया है।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
कोलकाता	11	8	3	16	+1.453
राजस्थान	11	8	3	16	+0.476
हैदराबाद	12	7	5	14	+0.406
चेन्नई	12	6	6	12	+0.491
दिल्ली	12	6	6	12	-0.316
लखनऊ	12	6	6	12	-0.769
बेंगलुरु	12	5	7	10	+0.217
गुजरात	12	5	7	10	-1.063
मुंबई (बा)	12	4	8	8	-0.212
पंजाब (बा)	12	4	8	8	-0.423

एंडरसन वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद लेंगे संन्यास

लंदन, एजेंसी

महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने शनिवार को घोषणा की कि इस सत्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू शृंखला का पहला टेस्ट उनके अर्राजाष्ट्रीय करिअर का आखिरी मैच होगा। एंडरसन ने अपने 20 साल के करिअर में 700 टेस्ट विकेट लिए है। 2003 में पदार्पण करने वाले एंडरसन सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज के साथ इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली सूची में मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वार्न (708) के बाद तीसरे स्थान पर है।

एंडरसन ने अपने इंस्टाग्राम पर

लिखा, सभी को नमस्कार। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि आगामी घरेलू सत्र में लॉर्डस मैदान पर खेला जाने वाला पहला टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। जिस खेल को मैं बचपन से पसंद करता था उसमें अपने देश का 20 साल तक प्रतिनिधित्व करना अविश्वसनीय रहा है। इंग्लैंड के लिए खेलने की कमी मुझे बहुत खलेगी।

भारत को ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलेंगे : किम

नई दिल्ली, एजेंसी

मशहूर तीरंदाजी कोच और मेंटोर किम ह्युंग ताक का मानना है कि हाल ही में विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने वाले भारतीय तीरंदाजों को मजबूत तकनीकी अभ्यास का फायदा ओलंपिक में मिलेगा जहां वे स्वर्ण पदक जीत सकते हैं। अभी तक तीरंदाजी में भारत के लिये एकमात्र ओलंपिक कोटा धीरज बोम्मादेवरा ने जीता है। किम ने सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कोचों के सेमिनार के बाद कहा भारतीय रिकर्व टीम ने काफी दमदार तकनीकी अभ्यास किया है । इससे उन्हें ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलने में मदद मिलेगी। अभ्यास और तैयारियों में निरंतरता बनाये रखने से पेरिस में पदक जीतना संभव है।

भारतीय रिकर्व तीरंदाज तुर्की के अंताल्या में 14 से 17 जून तक होने वाले आखिरी

क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में टीम कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। बोम्मादेवरा, तरूणदीप राय और प्रवीण जाधव ने 28 अप्रैल को शंघाई में ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को हराकर 14 साल बाद विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। किम ने कहा कि भारत के सीनियर तीरंदाज युवाओं की मदद करने को तत्पर रहते हैं। दीपिका और तरूणदीप जैसे सीनियर उन्हें मार्गदर्शन देते हैं। इससे टीम बनाने में मदद मिलती है।

मनु और अनीश ओलंपिक चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान पर

भोपाल। ओलंपियन निशानेबाज मनु भाकर और अनीश भानवाला शनिवार को राइफल और पिस्टल के लिए ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) में अपनी स्पर्धाओं के क्वालीफिकेशन राउंड में मजबूत स्कोर से शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। अनीश ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 587 अंक के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि मनु महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 585 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल आज होगा जिसमें क्वालीफाई करने वाले पांच निशानेबाजों महत्वपूर्ण पोडियम अंक जुटाने होंगे। महिलाओं की पिस्टल स्पर्धा में रिदम सांगवान 586 अंक से शीर्ष पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ 585 अंक के साथ मनु को पछाड़कर दूसरे स्थान पर रहीं। ईशा सिंह चौथे और अभिदन्या अशोक पाटिल पांचवें स्थान पर रहीं।

ब्राजील की टीम से बाहर हुए नेमार

रियो डी जनेरियो। घुटने की गंभीर चोट से उबर रहे नेमार को कोपा अमेरिका अभियान के लिए ब्राजील की टीम से बाहर कर दिया गया है।अक्टूबर में बाएं घुटने के क्रूसिएट लिगामेंट के टूटने के बाद से नेमार ने नहीं खेला है और 32 वर्षीय खिलाड़ी के अमेरिका में 20 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए फिट होने की बहुत कम संभावना जताई गई थी।मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर कासेमिरो और टोटेनहम हॉटस्पर के फॉरवर्ड रिचर्डसन भी टीम में जगह बनाने से चूक गए। दोना अपने-अपने क्लबों में खराब फॉर्म और चोटों से जूझ रहे हैं। मैनेजर डोरिवल जूनियर ने 23 सदस्यीय टीम में पाल्मेरास के किशोर एंड्रिक को नामित किया है। फारवर्ड जुलाई में 18 साल का होते ही रियल मैड्रिड में शामिल हो जाएगा, उन्होने वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड पर 1-0 की जीत में और मार्च में सैंटियागो बर्नब्यू में स्पेन के खिलाफ 2-2 से ड्रा में ब्राजील के लिए गोल किया था। ब्राजील अपने कोपा अमेरिका अभियान की शुरुआत 24 जून को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ करेगा और ग्रुप चरण में परागवे और कोलंबिया से भी भिड़ेगा।

बॉलीवुड हलचल

सरफरोश के सीक्वल में काम करना चाहते हैं आमिर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी सुपरहिट फिल्म सरफरोश के सीक्वल में काम करना चाहते हैं। वर्ष 1999 में प्रदर्शित फिल्म सरफरोश में आमिर खान, सोनाली बेन्द्रे और नसीरउद्दीन साह ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इस फिल्म में आमिर खान ने एक आईएएस ऑफिसर की भूमिका अदा की थी।फिल्म सरफरोश को रिलीज हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म के 25 साल पूरे होने पर आमिर खान और सरफरोश की टीम ने एक शानदार पार्टी रखी थी और जूहू के पीवीआर में स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। आमिर खान ने खुलासा किया कि वह इस फिल्म के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। सरफरोश 2 को लेकर आमिर खान ने कहा, मैं एक बात के बारे में कमिटेड हो सकता हूं, कि हम निश्चित रूप से इसके लिए सही स्क्रिप्ट और सही तरह की फिल्म के साथ आने के लिए वाकई में सीरियस होकर काम करेंगे।

जापान में धूम मचा रही टाइगर 3

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की फिल्म टाइगर 3, जापान में धूम मचा रही है। यशराज बैनर तले बनी मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म टाइगर 3 पिछले साल प्रदर्शित हुई थी। टाइगर 3 में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म टाइगर 3 जापान में रिलीज की गई है। जापान में इंडियन फिल्मों का बहुत क्रेज है। जापान में फिल्म टाइगर 3 के रिलीज के एक सप्ताह पूरे हो गए हैं। जापान में फिल्म की रिलीज से पहले सलमान खान ने जापानी फैंस के

लिए एक मैसेज भी छोड़ा था। सलमान खान इस वीडियो में कहते दिख रहे थे कि वह फिल्म टाइगर 3 के जापान में रिलीज होने पर बेहद एक्साइटेड हैं और फिल्म की रिलीज के मौके पर जापान में होना चाहते थे। टाइगर 3 ने जापान में सात दिनों में करीब 15 मिलियन की कमाई कर ली है।

निर्देशन की दुनिया में आए बोमन ईरानी

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी ने द मेहता बॉयज के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। बोमन ईरानी एक दशक से अधिक समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। वह अब एक फिल्म निर्माता के रूप में, अपनी बहुप्रतीक्षित निर्देशित पहली फिल्म द मेहता बॉयज के साथ चर्चा में हैं। अपने निर्देशन की पहली फिल्म द मेहता बॉयजमें बोमन ईरानी ने अविनाश तिवारी और श्रेया चौधरी के साथ अभिनय किया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मुख्यालय में अतिक्रमण का हाल, कहीं सड़क तक सामान रखा तो कहीं फुटपाथ पर कब्जा। अमृत विचार

शहर की सुंदरता पर बदनुमा दाग है अतिक्रमण

संजय साहू, चित्रकूट

● कई बार चले अभियान पर कुछ दिन ही दिखा असर

अमृत विचार। जिला प्रशासन के अतिक्रमण को लेकर चलाए जाने वाले अभियानों का तब तक असर नहीं होगा, जब तक लोगों में जागरुकता नहीं आएगी। जगह जगह सड़कों तक पसरी दुकानें और फुटपाथों पर कब्जे शहर की सुंदरता पर बदनुमा दाग के मानिंद हैं।

ऐसा नहीं है कि अतिक्रमण हटाने के लिए कोई प्रयास नहीं हुए। पालिका प्रशासन ने कई बार कमर कसी लेकिन इसका कोई खास असर नहीं हुआ। मुनादी हुई तो कुछ दिनों के लिए अतिक्रमण हटा तो फिर कुछ दिनों बाद वैसे ही हालात हो गए।

सबसे बुरी हालत रेलवे स्टेशन के पास

अतिक्रमण का सबसे बड़ा उदाहरण देखना हो तो रेलवे स्टेशन के पास पहुंचिए। इस रोड पर तो मानो अतिक्रमण न हटाने की कसम खा रखी हो। इसके अलावा ई-रिक्शा, टेंपो आदि ने रही सही कसर पूरी कर दी है। आए दिन विवाद भी होता रहता है। कई ऑटो चालकों ने नाम न लिखने का अनुरोध करते हुए बताया कि कोई तय जगह न होने से दिक्कत होती है। दुकानदार गाली गलौज करते हैं। अब तो इसकी आदत जैसी हो गई है और पेट पालने की मजबूरी भी।

चुनाव बाद फिर चलेगा अभियान:ईओ

अधिशासी अधिकारी लालजी ने बताया कि पालिका समय समय पर अतिक्रमणरोधी अभियान चलाती है। पालिका के वाहन भी लोगों को आगाह करते हैं। चुनाव के बाद फिर से अभियान चलाया जाएगा।

हाईवे पर भी हैं कब्जे

नगर की अधिकांश बाजार राष्ट्रीय राजमार्ग-76 झांसी मीरजापुर और 25 कर्वी-राजापुर के किनारे हैं। इन दोनों हाईवे पर रात दिन जबरदस्त ट्रैफिक रहता है लेकिन दुकानदारों के अतिक्रमण के कारण संकरे चुके हाईवे में अक्सर जाम लगता है। दुर्घटनाएं भी होती हैं। पार्किंग के लिए जगह चिह्नित न होने से भी परेशानी हो रही है।

कड़े हैं अतिक्रमण संबंधी कायदे -कानून

जानकारी के मुताबिक, नगर पालिका अधिनियम के तहत अतिक्रमण हटाने में व्यय राशि अतिक्रमणकारी से प्राप्त किए जाने के प्रावधान हैं। इसके साथ सार्वजनिक भूमि, मार्ग, फुटपाथ और सार्वजनिक पार्क पर अतिक्रमण की जिम्मेदारी संबंधित इलाके की पुलिस की होगी। अतिक्रमण को अपराध माना गया है और कानून के तहत दोषी पाए जाने पर जुर्माना और जेल दोनों हो सकती है।

नाले के ऊपर तक है अतिक्रमण

राष्ट्रीय राजमार्ग पर खोया मंडी के पास नगर पालिका अंतर्गत आने वाले नाले के ऊपर भी अतिक्रमण है। पालिका की हिदायत कि अतिक्रमण करने पर जुर्माना भरना पड़ेगा, को भी नजरंदाज किया जा रहा है। एक तरह नाले के बाहर फुटपाथ पर दुकानें सज गईं तो दूसरी ओर सड़कों पर सब्जी की दुकानें। इस वजह से दुर्घटनाएं भी होती हैं। यहां पर पिछले साल बाइकसवार नौजवान पवन पांडेय की ट्रक से एक्सीडेंट में जान चली गई।

जेई के आरोपों की जांच करेगी दो सदस्यीय समिति

संवाददाता, रामनगर/राजापुर

जेई पर लगाये अनियमितता के आरोप
'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार।

● एक सप्ताह के अंदर सौंपेगी उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट

अमृत विचार। तिरहार अंतर्गत भदेहदू पावर हाउस के उपभोक्ताओं और संविदाकर्मियों द्वारा अवर अभियंता पर लगाए गए आरोपों की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

गौरतलब है कि ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि फीडर में जेई और संविदाकर्मियों के बीच सामंजस्य न होने से बिजली गुल रहती है। ग्रामीणों ने धौरहरा बालू घाट से ट्रांसफार्मर देवारी पुल के पास एक उपभोक्ता की वेल्डिंग मशीन के लिए शिफ्ट किए जाने, बक्टाखुर्द में बिना इस्टीमेट कुछ लोगों को लाभ दिए जाने के लिए ट्रांसफार्मर लगा देने, देवारी बांग के पुल से 200 मीटर की दूरी पर ट्रांसफार्मर, खंभा और तार मिलीभगत से लगाने, चांदी गांव का ट्रांसफार्मर अन्यंत्र लगाने आदि के गंभीर आरोप जेई करन सिंह पर लगाए थे। उधर, संविदाकर्मियों ने भी जेई पर मनमाने ढंग से काम करने का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा था। हालांकि तब जेई ने आरोपों को गलत बताया था। 'अमृत विचार' ने चार मई के अंक में खबर भी प्रकाशित की थी। अब विभाग ने जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित की है।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मुकेश कुमार अधिशाषी अभियंता राजापुर की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया है। एक्सईए मीटर कर्वी रामचंद्र सिंह पटेल टीम के सदस्य होंगे। टीम एक सप्ताह में जांच कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजेगी।

सुनिश्चित करें, स्टाफ का कोई भी सदस्य अंदर न ले जाए मोबाइल

जिलाधिकारी ने मुआयने के दौरान सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों को दिए जरूरी निर्देश

चित्रकूट कार्यालय

मुआयना कर निर्देश देते जिलाधिकारी अभिषेक आनंद। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने शनिवार को चित्रकूट इंटर कॉलेज में हो रही ईवीएम/वीवीपैट के रखरखाव और चुनावकार्मिकों के प्रशिक्षण का जायजा लिया। उन्होंने सहायक रिटर्निंग आफिसरों को निर्देशित किया कि स्टाफ का कोई व्यक्ति मोबाइल अंदर न ले जाने पाए।

डीएम ने कहा कि सभी के मोबाइल एक बॉक्स में सुरक्षित जमा कराएं। उन्होंने कहा कि ईवीएम की टेस्टिंग कराएं। कमीशिनंग में किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए लागबुक बनाएं और उसमें संबंधित अधिकारी का हस्ताक्षर कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ईडीसी के फार्म रिसीव करते रहें। उन्होंने कहा कि दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं करें, जिससे कोई भी सामान इधर से उधर न जाने पाए।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी चुनावकार्मिक अपना आईकार्ड लगाए रहें। डीएम ने इस दौरान सीसीटीवी कैमरा रूम को भी देखा और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निर्देश दिए कि कैमरा सतत् संचालित रहना चाहिए। जिलाधिकारी ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों के ईडीसी (इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट फॉर्म 13 ख) को भी देखा। ईडीसी ऐसे मतदाताओं के लिए हैं, जो इस जिले की निवासी हैं और इस लोकसभा सीट में मतदाता है। ऐसे मतदाता फॉर्म 12 क ईपिक, फोटो कॉपी तथा इलेक्शन ड्यूटी की फोटो कॉपी लगाकर जमा कर ईडीसी फॉर्म 13 ख प्राप्त कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कमिश्निंग प्रभारी व चुनाव ड्यूटी में लगे प्रभारी को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रशिक्षण मनोयोग से करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, नमामि गंगे वंदिता श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी कर्वी सौरभ यादव, मऊ राकेश कुमार पाठक, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, जिला विकास अधिकारी राजकुमार त्रिपाठी, डीसी एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सजग रहें विद्यार्थी

चित्रकूट कार्यालय

● जेएम सिंह बालिका इंटर कालेज में जागरुकता पाठशाला

अमृत विचार। जेएम सिंह बालिका इंटर कालेज में शनिवार को जागरुकता पाठशाला लगी। इसमें पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को बढ़ते साइबर क्राइम के खिलाफ सचेत किया। क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल ने समझाया कि सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सतर्क और सजग रहें।

पाठशाला में विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि अपराधी आयेदिन ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। इसलिये सोशल मीडिया या इंटनेट बैंकिग का प्रयोग करते समय सतर्क रहें।

साइबर सेल में नियुक्त आरक्षी प्रशांत कुमार ने साइबर अपराध से बचने और हेल्पलाइन नंबरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि मोबाइल का प्रयोग करते समय भी हमेशा सावधान रहना चाहिए। इसके अलावा अपनी गोपनीय जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करनी चाहिए। अगर कहीं किसी के बहकावे में आ भी जाते हैं तो पुलिस को और साइबर सेल को जल्द से जल्द इसकी जानकारी देनी चाहिए।

विद्यार्थियों को साइबर क्राइम से बचाव की जानकारी देते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

सार-संक्षेप

जनसभा को संबोधित करते भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या।

चुनाव राष्ट्रवादियों व परिवार वादियों के मध्य : तेजस्वी सूर्या

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे के स्टेशन मार्ग में युवा सम्मेलन को संबोधित करने आए भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। कहा एक तरफ राष्ट्रवादी राजनीति है। दूसरी तरफ परिवारवादी राजनीति है। कांग्रेस मुस्लिम परस्त पार्टी है। इसने अपने घोषणा पत्र में मुस्लिम का शरीयत कानून लागू करने का वादा किया है। पिछले 10 वर्षों में बुंदेलखंड का जिस तेजी के साथ विकास हुआ है यह भाजपा सरकार की ही देन है। इसके पूर्व कांग्रेस, सपा, बसपा ने बुंदेलखंड की खनिज सम्पदा को लूटने का कार्य किया है। कर्नाटक के नेहा कांड को जोरदार ढंग से उठाया जबकि रेवन्ना कांड पर एक शब्द नहीं बोले। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित युवा सम्मेलन में युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस, सपा पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि दोनों दल परिवार वाद को बढ़ा रहे हैं जबकि भाजपा राष्ट्र को आगे ले जा रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड को कांग्रेस, सपा, बसपा ने पिछले 70 वर्षों में लूटा है जबकि भाजपा ने 10 वर्षों में विकास की गंगा बहाकर बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, डिफेंस कारीडोर, केन बेतवा लिंक परियोजना निर्माण कार्य कराकर विकास का की गंगा बहाई है। उन्होंने कहा की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से देश के युवाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कर्नाटक के नेहा हत्याकांड को उठाकर कांग्रेस पर ठीकरा फोड़ा जबकि रेवन्ना सेक्स स्कैडल कांड पर एक शब्द नहीं बोले। सम्मेलन को भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, सदर विधायक डॉ मनोज कुमार प्रजापति, नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेन्द्र शिवहरे, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आकाश त्रिपाठी ने संबोधित किया।

गैरहाजिर मिले दो चुनाव कार्मिक, दर्ज होगी रिपोर्ट

चित्रकूट। प्रशिक्षण के दौरान दो चुनावकार्मिकों के अनुपस्थित मिलने पर इनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। प्रभारी अधिकारी कार्मिक, लोकसभा सामान्य निर्वाचन अमृतपाल कौर ने बताया कि चित्रकूट इंटर कॉलेज में प्रशिक्षण के दौरान वीरेंद्र कुमार खंडीय लेखाधिकारी लोक निर्माण विभाग, और मतदान अधिकारी प्रथम नरेंद्र सिंह ग्राम विकास अधिकारी मऊ शनिवार को प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनंद के आदेशों के क्रम में अनुपस्थित पीठासीन अधिकारी वीरेंद्र कुमार के विरुद्ध कार्य में लापरवाही और उदासीनता बरतने के संबंध में नियमानुसार सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। प्रथम मतदान अधिकारी नरेंद्र सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

जंगल में मिला गुमशुदा अधेड़ का शव

चित्रकूट। भरतकूप थानांतर्गत हरिहरपुर गांव में एक जंगल से ग्रामीण का शव बरामद किया गया। अधेड़ सात मई से घर से गायब था। जानकारी के मुताबिक, हरिहरपुर निवासी जगदीश प्रसाद विश्वकर्मा (45) सात मई को घर से कहीं चला गया था। पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों ने बताया कि जब वह नहीं लौटा तो पत्नी और बच्चों ने सोचा कि वह किसी रिश्तेदारी में चला गया होगा, क्योंकि पहले भी वह एकाध बार ऐसे हुआ था। बीते दिन उसका शव घर से लगभग दो किमी दूर जंगल में पड़ा मिला। परिजनों ने बताया कि वह कुछ दिनों से मानसिक रूप से बीमार था।

दो आरोपियों से 34 लीटर कच्ची शराब बरामद

चित्रकूट। पुलिस ने दो आरोपियों से 34 लीटर कच्ची शराब बरामद की। बहिलपुरवा थाने के एसआई अनुभव वर्मा ने मिथलेश पटेल पुत्र छोटेलाल निवासी मड़ैयन को 14 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। उधर, एसआई राजापुर कन्हैया बक्श सिंह ने रामबाबू निषाद निवासी रायपुर को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ा।

धुंधकारी व गोकर्ण की कथा सुन भक्त हुए मंत्रमुग्ध

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के बस स्टॉप में कथावाचक आचार्य अम्बिका प्रसाद तिवारी ने श्रीमद् भागवत कथा में गोकर्ण और धुंधकारी की कथा का प्रसंग सुनाया। जिसे सुनकर श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। कथावाचक ने बताया कि तुंगभद्रा नदी के तट पर एक नगर में आत्मदेव नामक एक व्यक्ति रहता था। जो सभी वेदों में परंपरागत था। उसकी पत्नी का नाम धुंधली था बहुत ही सुंदर व लेकिन क्रूर व झगड़ालू थी। उसके पति आत्मदेव ने दुखी मन से अपने प्राण त्यागने के लिए वन चला गया। तभी उनकी भेंट एक संत से हुई। संत ने उनकी बातें सुनकर उनकी ललाट रेखाओं को देखकर कहा कि कर्म की गति बढ़ी प्रबल है। तब उन्होंने आत्मदेव को अपनी झोली से एक फल दिया कहा कि तुम यह फल अपनी पत्नी को खिला देना, उसके एक पुत्र होगा वह अपनी पत्नी को फल लाकर देता है, लेकिन उसकी पत्नी फल नहीं खाती है और बहन के कहने पर फल को गाय को खिला देती है। कुछ समय बीतने पर उसकी बहन ने धुंधी को एक बच्चा लाकर दे दिया। जिसका नाम धुंधकारी रखा।

जुआ खेलने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

चित्रकूट। रैपुरा थाने के एसआई दिनेशचंद्र पांडेय ने कलवारा पुरवा मजरा भौरी से रामदीन निवासी गायत्रीनगर (बांदा), शुभम निवासी पुरानी बाजार कर्वी, मुकेश निवासी सोनारन का पुरवा शिवरामपुर, चंद्रिका निवासी रामनगर को जुआ खेलने के आरोप में पकड़ा। पुलिस को मालफड़ से 10,500 व जामा तलाशी से 6500 रुपये और बाइक बरामद हुई। इनके खिलाफ जुआ अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई।

कोई शराब बांटेगा तो कोई पैसा, गंभीरता से रखें नजर

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

जांच टीमों के साथ बैठक में निर्देश देते जिलाधिकारी। अमृत विचार

● अब तक कोई जब्ती न होने पर डीएम ने जताई नाराजगी

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनंद ने लोकसभा चुनाव के लिए गठित उड़नदस्ते, स्थैतिक जांच दल की टीमों के साथ शनिवार को बैठक की। डीएम ने अधिकारियों को जांच में सघनता और गंभीरता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव के नौ दिन बचे हैं। आशंका है कि कोई शराब बांटेगा तो कोई पैसा। इस पर विशेष नजर रखें।

डीएम ने सबंधित मजिस्ट्रेटों से कहा कि सभी संसाधन दिए जाने के बाद भी कोई जब्ती नहीं की गई और न कुछ सीज किया गया। पड़ोसी जिले बांदा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां लगभग तीन करोड़ की धनराशि सीज की गई है। उन्होंने कहा कि केवल ग्रुप में फोटो डाल देते हैं पर मौके पर कोई वाहन नहीं मिलता। यह स्थिति ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि यहां खनन का क्षेत्र है, इसमें मेहनत करें केवल ड्यूटी न करें। बैरियर से हटकर भी चेकिंग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग का सख्त निर्देश है कि कोई नकदी, सोना या शराब आदि लेकर जा रहा है तो उसको सीज किया जाए। उन्होंने वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह को निर्देशित किया कि रोज कितने वाहनों को चेक किया जा रहा है, इसकी रिपोर्ट लें। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी जगह लगी है तो कैसे कोई नहीं मिल रहा है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने भी इस बात पर रोष जताया कि पर्याप्त मैनपावर होने के बाद भी परिणाम शून्य है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से ईमानदारी से ड्यूटी करने को कहा। बताया कि शिफ्ट में महिला पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगेगी। इस अवसर पर एडीएम उमेश चंद्र निगम, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

आयोजन | गुरुकुल संकुल में गांवों के बच्चों के लिए लगाए गए व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन

बच्चों ने जानीं जीवन जीने की जरूरी बातें, सीखे संस्कार

संवाददाता, सीतापुर (चित्रकूट)

शिविर में प्रस्तुतियां देते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार। दीनदयाल शोध संस्थान की ओर से गुरुकुल संकुल में लगाए गए गांवों के बच्चों के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर का शनिवार को समापन हो गया। 30 अप्रैल से लगे शिविर में बालक-बालिकाओं ने जीने के लिए जरूरी बातें और संस्कार सीखे।

विवेकानन्द सभागार में लगे शिविर में बच्चों के अलग-अलग समूहों ने शारीरिक प्रशिक्षक राधेश्याम बाघमारे के नेतृत्व से लेजिम, योगासन, डंबल, पिरामिड आदि सीखा और आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। गीत की धुन पर योगचाप का प्रदर्शन, विद्या, आयु, प्रज्ञा, बल वृद्धि के लिये सामूहिक सूर्य नमस्कार आकर्षक रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। देशभक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत किए गए। शिविरार्थी बच्चों ने प्रदर्शनी भी लगाई। शिविराधिकारी देवदत्त तिवारी ने बताया कि शिविर में जीवन में अनुशासन के लिए घोष वादन के प्रशिक्षण के साथ-साथ कंप्यूटर भी सिखाया गया। बौद्धिक प्रमुख कालिका प्रसाद श्रीवास्तव ने बताया कि बौद्धिक सत्र के दौरान बच्चों को गौरवशाली अतीत, समाज एवं संस्कार, पर्यावरण का जीवन में महत्व एवं इसका संरक्षण, देश की महान विभूतियों व वीरांगनाओं के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी दी गई। डीआरआई प्रबंध समिति के सदस्य डॉ. ओमशंकर त्रिपाठी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक सभी प्रकार की शक्तियों का विकास करना है। कार्यक्रम का संचालन रीना मालवीय एवं प्रकाश प्रजापति ने किया। शिविर में डॉ. दादूराम, मोहित, अवधेश, रीना मालवीय, डॉ. अशोक पांडेय, राजेंद्र सिंह, हरीराम सोनी, मदन तिवारी, डॉ. रामप्रकाश शर्मा आदि ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, उमाशंकर पांडेय, डॉ. भरत मिश्रा, डॉ. एसपी शुक्ला, नरेंद्र गोयल, डॉ. रामनारायण त्रिपाठी, महंत सीताशरण दास आदि मौजूद रहे।

बच्चे करें क्षमताओं का आकलन : महाजन

समापन अवसर पर डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन ने बच्चों को अपने अंदर की क्षमताओं का आकलन करने और आत्मविश्वास जागृत करने की सीख दी। बच्चों से कहा कि वे नेतृत्व की क्षमता का विकास करें। बताया कि यहां जो भी सीखा है, क्षेत्रों में जाकर उसका लाभ दूसरों को दें।

नानाजी देशमुख ने कराई थी शुरुआत

शिविर संयोजक डॉ. संतोष मिश्रा ने बताया कि व्यक्तित्व विकास शिविर की शुरुआत नानाजी देशमुख के मार्गदर्शन में वर्ष 2001 से हुई थी। तब से चित्रकूट में सभी शैक्षणिक प्रकल्पों के साथ मिलकर प्रतिवर्ष 10 से 20 दिनों का व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन हो रहा है। इस साल दोनों प्रदेशों के छह जिलों की 112 ग्राम आबादियों से 250 ग्रामीण बच्चों ने भाग लिया।

तीन आरोपियों पर लगाया गया मिनी गुंडा एक्ट

चित्रकूट। सरधुआ एसओ आशुतोष तिवारी ने देवशरण पुत्र रामखेलावन निवासी दरसेड़ा और. विपुल मिश्रा पुत्र सुदामा निवासी अरछा बरेठी व थानाध्यक्ष बहिलपुरवा रामसिंह ने विपिन कुमार पुत्र बृजेश नामदेव निवासी सेमरदहा के विरुद्ध धारा 110जी सीआरपीसी की कार्रवाई की।

अब घर बैठे आपके ज़ीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

गुलामी के दिनों के साक्षी रहे 19,856 वयोवृद्ध मतदाता

कार्यालय संवाददाता,बांदा

नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक आजाद भारत के हर चुनाव के रहे हैं साक्षी

सेहत ने साथ दिया तो वयोवृद्ध मतदाता युवाओं के लिए बनेंगे प्रेरणास्रोत

मतदान के बाद स्याही दिखाते बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता। अमृत विचार

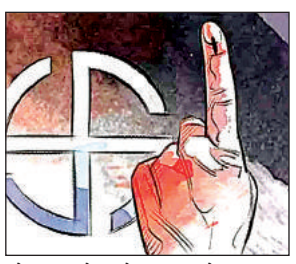

अमृत विचार। पांचवें चरण में संसदीय क्षेत्र में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में प्रशासन जुटा हुआ है। सियासी दलों में भी प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार परवान चढ़ता जा रहा है। देश को आजादी मिले सात दशक से ज्यादा का समय बीत चुका है। 1947 में आजादी मिलने के बाद साल 1952 में देश में पहला लोकसभा चुनाव हुआ था। जिले में कई ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने पहले आम चुनाव में वोट दिया था और अब साल 2024 में भी मतदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। जिले के चारो विधान सभा क्षेत्रों में 19,856 वयोवृद्ध मतदाता हैं, जिनकी उम्र 80 से 120 साल पूरे कर चुके हैं। सेहत ने साथ दिया तो परतंत्रता के साक्षी रहे वयोवृद्ध मतदाता लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी करने को तैयार हैं। यह वयोवृद्ध वोटर्स युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र में शामिल जनपद की चार विधान सभा क्षेत्रों बांदा सदर, नरैनी (सुरक्षित), बबेरू और तिंदवारी में मतदाताओं की संख्या 13,28,339 हैं। जिले में पांचवें चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग को जिले के निर्वाचन विभाग की ओर से भेजी गई मतदाता सूची के मुताबिक चारों विधान सभा क्षेत्रों में कुल 19,856 वयोवृद्ध ऐसे मतदाता हैं, जिनकी उम्र 80 से 100 साल के पार है। यह मतदाता नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक के हर चुनाव में साक्षी रहे हैं। अब साल 2024 में जिले के वयोवृद्ध मतदाता भी लोकतंत्र का उत्सव मना रहे हैं। वह वोट की चोट करके लोकतंत्र को मजबूत बनाएंगे। कोई घर पर पोस्टल बैलेट से मतदान करेगा तो कोई मतदान केंद्र तक पहुंच कर अपनी पसंद का सांसद चुनेगा। इन मतदाताओं का इंतजार प्रशासन भी कर रहा है। बुजुर्गों को मतदान में किसी तरह की दिक्कत न होने देने की सख्त हिदायत भी चुनाव पार्टियों को दी गई है। अगर वयोवृद्ध मतदाताओं की सेहत साथ देगी तो यह मतदाता न केवल लोकतंत्र के उत्सव में हिस्सा लेंगे बल्कि अन्य वोटरों के लिए प्रेरणा बनेंगे। जिले में कुल 15 सुपर सीनियर मतदाता हैं। इनमें बांदा सदर विधान सभा क्षेत्र में 120 वर्ष से अधिक उम्र के एक और नरैनी (सुरक्षित) में 14 वयोवृद्ध मतदाता शामिल हैं।

जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में बुजुर्ग मतदाताओं का ब्योरा

विधान सभा	80-89	90-99	100-109	110-119	120 प्लस
तिंदवारी	4229	602	48	2	-
बबेरू	4989	767	13	-	-
नरैनी	4487	717	39	1	14
बांदा	3441	488	18	-	1
योग	17,146	2574	118	3	15

बुजुर्गों के लिए खास इंतजाम

बता दें कि चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के दौरान बुजुर्गों के लिए खास इंतजाम किए हैं। आयोग के मुताबिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता अपने घर से ही मतदान कर सकेंगे। इसके लिए एक ऐप का उपयोग किया जाएगा। आज प्रशासन की तरफ से कुछ बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं से उनके घर पहुंचकर मतदान करवाने की शुरुआत की गई । सभी मतदान केंद्रो पर पीने के पानी, टॉयलेट, दिव्यांगों के लिए वीलचेयर, रैंप, सहायता केंद्र, वोटर फैसिलिटेशन सेंटर, पर्याप्त बिजली और शेड की व्यवस्था की जाएगी। भारतीय चुनाव आयोग ने इस बार जो सुविधा बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए की है, वह बेहद अलग है। दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराए जाने की बात की गई है।

चुनाव ड्यूटी में वाहन न देने पर दर्ज होगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। संसदीय क्षेत्र में पांचवें चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा। मतदान की तैयारियों में प्रशासन युद्धस्तर पर जुट गया है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने वाहन स्वामियों को अधिग्रहण आदेश प्राप्त करने के बाद समय से निर्वाचन कार्य में चालक के साथ वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी कि अधिग्रहण आदेश के बाद चालक समेत वाहन उपलब्ध न कराने वाले वाहन स्वामियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ ही वाहन का पंजीयन रद्द कर दिया जाएगा।

शंकर सिंह।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी शंकरजी सिंह ने बताया कि कि बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र में पांचवे चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा। निर्वाचन कार्य व्यवस्था के अंतर्गत जनपद के वाहन स्वामियों को चुनाव कार्य कराने के लिए मंडी समिति व कालू कुआं और पुलिस लाइन में चालक मय वाहन उपलब्ध कराने का अधिग्रहण आदेश भेजे गए हैं। सभी वाहन मालिकों से अधिग्रहण आदेश में अवस्थित स्थान पर वाहन भेजने के साथ ही लॉगबुक बनवाने को कहा। चेतावनी दी कि निर्वाचन कार्य में वाहन उपलब्ध न कराने पर वाहन स्वामी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ वाहन पंजीयन रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक वाहन को उप निर्वाचन कार्यालय से चुनाव समाप्ति के बाद प्रत्येक दिन का निर्धारित किराया तथा ईंधन भी प्राप्त होगी। शिथिलता पर वाहन स्वामियों को जेल हो सकती है।

कूड़े में आग से पांच गुमटियां जलीं

अग्निकांड में 10 लाख रुपये की क्षति का अनुमान,ग्रामीणों ने आग पर पाया काबू

संवाददाता, कमासिन

आग से जला सामान। अमृत विचार

अमृत विचार। गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही जिले में आग लगने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। ऐसी ही एक घटना में कूड़े के ढेर में आग लगने से चपेट में आकर पांच गुमटियां राख हो गईं। आसपास के दुकानदारों ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक सभी गुमटियां खाक हो चुकी थीं। अग्निकांड में लगभग 10 लाख रुपये की क्षति का अनुमान है।

लू के थपेड़ों व प्रचंड गर्मी के चलते लोग अपने घरों में दुबके थे। शनिवार को दोपहर कस्बा स्थित सब्जी मंडी में रखीं गुमटियों में पीछे लगे कूड़े के ढेर में लगी आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पलक छपकते ही आग ने एक के बाद एक पांच गुमटियों को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के दुकानदारों में धुआं व लपटें देखकर एकजुट होकर आग बुझने लगे। आसपास घरों में लगे सबमर्सिबल पंप चलाकर किसी तरह आग पर काबू पाया। अग्निकांड में पांच गुमटियां धू-धूकर खाक हो गईं। भीषण अग्निकांड में गुमटियों में रखा किराना का सामान खाक हो गया।

- सूचना देने के एक घंटा बाद पहुंची दमकल

अग्निकांड पीड़ित व्यापारी बबेरू निवासी गंगा प्रसाद पुत्र बैजनाथ, अरविंद पुत्र राम विशाल, दीनदयाल पुत्र राम सजीवन व कस्बा निवासी रवि कुमार पुत्र कामता और तिलौसा गांव निवासी राजबहादुर ने बताया है कि हरेक गुमटी में कम से कम दो से ढाई लाख रुपए कीमत का किराने का सामान रखा था। अग्निकांड में लगभग 10 लाख रुपये की क्षति का अनुमान है।

दमकल के देरी से पहुंचने पर व्यापारियों और ग्रामीणों में आक्रोश रहा। ग्रामीणों ने बताया कि सूचना के तत्काल बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना देने के एक घंटा बाद दमकल पहुंची।

लापता किसान का शव ट्रैक पर मिला

बांदा। घर से लापता हुए किसान का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा पाया गया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारा गांव निवासी 51 वर्षीय राजाराम पुत्र दशरथ का शव शनिवार की सुबह बेनीपुरवा और मथना खेड़ के बीच रेलवे लाइन पर पड़ा पाया गया। वहां से गुजर रहे ग्रामीणो ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। उसके पास मिले मोबाइल नबंर पर घरवालो को सूचना दी गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मृतक के भतीजे कृष्ण औतार ने बताया कि राजाराम की शादी नही हुई थी। वह घर से अलग रहता था।

बुंदेलखंड प्रतिभा सम्मान परीक्षा आज

संवाददाता, बांदा

- केसीएनआईटी कर रहा आयोजित, 10वीं, 12वीं व स्नातक के विद्यार्थी होंगे शामिल

अमृत विचार। कालीचरण निगम इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालॉजी (केसीएनआईटी) द्वारा बुंदेलखंड प्रतिभा सम्मान आनलाइन परीक्षा रविवार को आयोजित होगी। परीक्षा में 10वीं व 12वीं के गणित व बायो के विद्यार्थियों के अलावा स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर सकेंगे। विजेता विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए कालेज की ओर से स्कालरशिप प्रदान की जाएगी। संस्थान संस्थापक चेयरमैन का कहना है कि बुंदेलखंड प्रतिभा सम्मान परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षित बुंदेलखंड की सोच विकसित करना है।

परीक्षा संयोजक श्यामजी निगम ने बताया कि बुंदेलखंड के 10 जनपदों के 10वीं, 12वीं एवं स्नातक के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं बुंदेलखंड प्रतिभा सम्मान परीक्षा में प्रतिभाग कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें निर्धारित बेससाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके साथ ही रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर ही लॉगिन आईडी बन जाएगा और इसी आईडी के माध्यम से सभी विद्यार्थी 12 मई दिन रविवार को सुबह 11 बजे से आनलाइन परीक्षा देंगे। यह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगी। जिसकी समय सीमा एक घंटे की होगी। प्रतिभागी विद्यार्थी अपने घर के सुरक्षित वातावरण से डेस्टटॉप, लैपटाप, स्मार्ट फोन एवं इंटरनेट कनेक्शन के साथ परीक्षा दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा का समय तब ही प्रारंभ होगा जब परीक्षार्थी द्वारा स्टार्ट एग्जाम का बटन दबाया जाएगा। परीक्षा की समय सीमा समाप्त होने पर परीक्षा खुद ही खत्म हो जाएगी। यदि कोई परीक्षार्थी समय से पहले परीक्षा से बाहर होना चाहता है तो वह इंड टेस्ट का बटन दबाकर परीक्षा छोड़ सकता है। इस बीच केसीएनआईटी के संस्थापक चेयरमैन अरुण निगम ने बताया कि विजेता विद्यार्थियों को उनके आगे की शिक्षा के लिए स्कालरशिप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विगत 12 वर्षों से आयोजित यह बुंदेलखंड प्रतिभा सम्मान परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षित बुंदेलखंड की सोच विकसित करना है। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप भटनागर ने बताया कि इस परीक्षा में विद्यार्थियों को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित और सामान्य अध्ययन के प्रश्नों का उत्तर देना होगा। यह परीक्षा दो चरणों में होगी। पहले चरण में वस्तुनिष्ठ आधारित प्रश्न होंगे। दूसरे चरण में निर्णायक मंडल द्वारा चयनित प्रतिभागियों का फोन पर साक्षात्कार लिया जाएगा।

पत्नी से विवाद के बाद जहर खाकर दे दी जान

संवाददाता, बबेरू

अमृत विचार। नशे में पत्नी से विवाद होने पर मजदूर ने जहरीला पदार्थ खा कर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के कोरंम गांव निवासी 43 वर्षीय पवन पुत्र श्रीपाल शुक्रवार को मजदूरी करने के लिए बबेरू आया था। शाम को वह नशे की हालत में जहरीला पदार्थ खा कर घर पहुंच गया। हालत बिगड़ने पर घरवालो को पता चला। उसे तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत में सुधार न होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरो ने उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के भतीजे शिवमूरत ने बताया कि पवन शराब पीने का आदी था।

पत्नी नीलू देवी शराब पीने के लिए मना करती थी। इसी बात को लेकर दोनो में अक्सर विवाद होता रहता था। शुक्रवार को पवन जीवित न आने की बात कह कर घर से निकल गया था।

तीन अपराधियों को किया जिला बदर

बांदा। तीन अभियुक्तों को जिला मजिस्ट्रेट ने गुंडा एक्ट के तहत तीन-तीन माह के लिए जिला बदर कर दिया।

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने को लेकर पुलिस द्वारा लगातार अराजक तत्वों पर कार्रवाई की जा रही है। जिला मजिस्ट्रेट ने गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए कालिंजर हाल पता बदौसा थाना क्षेत्र के निजामी नगर निवासी इरफान खान पुत्र रसून को जिला बदर किया। इसी थाना क्षेत्र के दुबरिया गांव निवासी इमरान खान पुत्र इसरार, व निजामी नगर निवासी दानिश खान पुत्र इरफान खान को तीन-तीन माह के लिए जिला बदर घोषित कर दिया।

बच्चों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम

संवाददाता, अतर्रा

कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

- कस्बा स्थित तथागत ज्ञानस्थली में मनाया गया मदर्स-डे

अमृत विचार। मातृ दिवस (12 मई) से एक दिन पूर्व ही कस्बा स्थित तथागत ज्ञान स्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से मातृ दिवस मनाया गया। बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजेता माताओं को कालेज प्रबंधन ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मनुष्य के जीवन में मां की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कस्बा स्थित तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को धूमधाम से मदर्स-डे मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजाबाई कुशवाहा ने किया। उन्होंने कहा कि कहा कि एक एक मां का आंचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। समारोह के दौरान नर्सरी से पहली कक्षा के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। खेलकूद में विजेता माताओं को कालेज प्रबंधन ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य प्रीति ने कहा कि बच्चे की प्रथम शिक्षक मां होती है। बच्चों का भविष्य निर्धारित करने में मां की भूमिका सबसे अहम होती है। कालेज निदेशक किरन कुशवाहा ने भी मां की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अभिभावक व शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

सार-संक्षेप

डांट के डर से युवक ने फांसी लगा जान दी

बांदा। दो दिन पहले पिता के दिए हुए रुपये खर्च हो जाने पर डाट के भय से युवक ने छत के ऊपर लोहे के एंगल में अगौछा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पैलानी थाना क्षेत्र के चौकीपुरवा निवासी 18 वर्षीय सूरजपाल पुत्र बदलू ने शुक्रवार की दोपहर छत के ऊपर लगे लोहे के एंगल पर अगौछा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। काफी देर बाद पड़ोसी महिला अपने छत के ऊपर गई। झांक कर देखा तो सूरजपाल का शव फंदे पर लटक रहा था। महिला ने सूरज पाल के परिजनो को सूचना दी। मौत की खबर मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता ने बताया कि सूरजपाल शादी विवाह में टेंट लगाने का काम करता था। वह काम करने उन्नाव जा रहा था। दो दिन पहले उसे तीन हजार रूपए किराया खर्च दिया गया था। वह रूपया सूरजपाल ने खर्च कर दिया था। सूरजपाल को यह भय सता रहा था कि वह दोबारा खर्चा मागेगा तो उसे डाट मिलेगी। इसी से परेशान होकर उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया।

रामपाल बने मानवाधिकार फोरम के प्रदेश उपाध्यक्ष

बांदा। मानवाधिकार फोरम के तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता संगोष्ठी में 20 मई को शत-प्रतिशत मतदान पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश श्रीवास्तव ने रामपाल प्रजापति को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके प्रजापति, जिलाध्यक्ष अश्वनी ओझा आदि रहे।

बैठक में चर्चा लोकतंत्र की मजबूती के लिए शत-प्रतिशत मतदान का किया आह्वान

मतदाता जागरूकता के लिए भगवा यात्रा निकालेगी विहिप

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ किया विमर्श
- नोटा का बटन दबाएं लेकिन वोट देने जरूर जाएं

मतदाता जागरूकता बैठक करते विहिप कार्यकर्ता। अमृत विचार

मतदान को लेकर संकल्प लेते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार। विश्व हिंदू परिषद की बैठक में क्षेत्र संगठन मंत्री ने स्थानीय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए संगठन कार्यों की समीक्षा की। पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भगवा यात्रा निकालकर मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश दिए। कहा कि मतदाताओं को राष्ट्रहित में शत-प्रतिशत मतदान को प्रेरित करें।

शहर के एक मैरिज हाल में शनिवार को आयोजित बैठक में विश्व हिंदू परिषद क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए संगठन विस्तार और कार्यों पर चर्चा की। साथ ही पदाधिकारियों को जिले में भगवा मतदाता जागरुकता यात्रा निकाल कर मतदाताओं को जागरूक करने को कहा। संगठन मंत्री ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है। हम एक लोकतांत्रिक देश के स्वतंत्र नागरिक हैं। लोकतांत्रिक प्रणाली के तहत जितने अधिकार नागरिकों को मिले हैं। इसमें सबसे बड़ा अधिकार है वोट देने का अधिकार। राष्ट्रहित के लिए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। अगर आपको कोई उम्मीदवार अच्छा समझ में नहीं आता है तो ईवीएम मशीन में सबसे नीचे नोटा का बटन दबाएं लेकिन वोट देने जरूर जाएं। ऐसे प्रत्याशी जो आप सब के सुख- दुख में साथ दे, सबके हित में काम करें ऊंचकृनीच व भेदभाव न रखे, मिलनसार हो ऐसे प्रत्याशी को वोट करें। प्रांत सह धर्म प्रसार प्रमुख पवन सिंह ने कहा कि लालच में आकर कतई वोट न करें। विहिप विभागाध्यक्ष अशोक ओमर ने भी बैठक को संबोधित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चंद्रमोहन बेदी, दीपू दीक्षित समेत पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं ने 85 फीसदी मतदान करने की ली शपथ

बांदा। राजकीय महाविद्यालय पिपरहरी में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरुकता एवं मतदान में सहभागिता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं ने मतदान का महत्व बताते हुए मतदान करने की शपथ ली। राजकीय महाविद्यालय पिपरहरी में शनिवार को आयोजित किए गए मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा बढ़ चढ़कर भागीदारी की गई और लोगों को मतदान के प्रति जागरुक करने का संदेश दिया गया। भाषण कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बताया कि मतदान करना सुनहरे देश का सुनहरा भविष्य है। उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव में कोई भी मतदाता किसी व्यक्तिगत प्रलोभन में न आते हुए किसी ऐसे प्रत्याशी के लिए मतदान करने पर जोर दिया जो समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य और बेरोजगारी को दूर करने के लिए काम करें। इस कार्यक्रम के उपरांत सभी विद्यार्थियों ने शपथ ली कि हम अनिवार्य रूप से मतदान करेंगे। इस दौरान प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार ने सभी जागरुक छात्र-छात्राओं की प्रशंसा की और कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व पर सभी अपने परिवार व आसपास के लोगों के साथ 20 मई को मतदान अवश्य करे। इस दिन को लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाए। कार्यक्रम के दौरान सुशील कुमार यादव, अनिरूद्ध सिंह, सुखेश कुमार, संदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

शहर में पानी का संकट गहराया सिर्फ आधा घंटा हो रही जलापूर्ति

पानी भरने के लिए सुबह से ही लोग डिब्बा-बाल्टी लेकर लगाते नंबर

यह प्यास है...

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। गर्मी के मौसम में शहर में पानी का संकट भी तेजी से बढ़ रहा है। ऊंचाई के इलाकों में पानी की आपूर्ति न होने से यहां के लोग बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। स्थिति यह है कि एक दूसरे के नलों से दो चार बाल्टी पानी भरकर लोग काम चला रहे हैं। कुछ स्थानों पर जल निगम द्वारा लगाए गए स्टैंड पोस्ट में सुबह से ही भारी संख्या में लोग घड़े, डिब्बे और बाल्टी लेकर पानी भरने के लिए पहुंच जाते हैं। नल आने पर पहले पानी भरने के लिए लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा हो जाते हैं। जल निगम से 24 घंटे में मात्र आधा घंटे पानी की आपूर्ति की जा रही है।

गौरतलब है कि शहर में उर्मिल बांध और मदन सागर सरोवर से पानी की आपूर्ति की जाती है। कुछ स्थानों पर ट्यूबवेल से भी पानी की सप्लाई होती है, लेकिन गर्मी के मौसम में जलस्तर नीचे खिसक जाने से ट्यूबबेल फेल हो रहे हैं। तालाबों और बांधों का पानी भी कम हो जाने के कारण जलापूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यही वजह है कि पानी को लेकर मारामारी मचाने लगी है। गर्मी में एक तरफ पानी की खपत अधिक होने और दूसरी तरफ सप्लाई मात्र आधा घंटा किए जाने से लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है जिससे भीषण गर्मी में लोग हैंडपंपों और कुएं से पानी भरने पहुंच रहे हैं। मालूम हो कि जनपद महोबा में पठारी क्षेत्र होने के कारण यहां पर बोरिंग सफल नहीं है।जिससे अधिकांश लोग पेयजल सप्लाई पर ही आश्रित है। आजकल पानी की सप्लाई कम होने के कारण लोग स्टैंड पोस्ट पर पानी भरने के लिए तड़के सुबह 5:00 बजे से ही डिब्बा, बाल्टी रखकर नंबर लगा देते हैं और नल आने पर पानी भरने में जुट जाते है, पहले पानी भरने हैं को लेकर आए दिन लड़ाई झगड़ा हो रहे हैं जिला प्रशासन शहर में पानी की भीषण समस्या का स्थाई निराकरण नहीं कर पा रहा है इससे यहां की वाशिंदों में अधिकारियों के अलावा जन प्रतिनिधियों के प्रति भी खासा गुस्सा है।

पानी के लिए रखे बाल्टी और डिब्बे। अमृत विचार

बाइक चलाते समय मिर्गी आने से दंपति समेत चार घायल

महोबा। चरखारी मार्ग पर ग्राम करहरा कला के पास बाइक चालक को बाइक चलाते समय अचानक मिर्गी का दौरा पड़ने से वह बाइक समेत सड़क पर गिर गया। जिससे बाइक में सवार पति-पत्नी पुत्री और चालक की भाभी समेत चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने चालक को किनारे ले जाकर पानी डालकर ठीक करने का प्रयास किया लेकिन हालत में सुधार होते ना देख उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर चालक और उसकी पुत्री की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने दोनों को मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया है।

शहर कोतवाली के ग्राम चांदो निवासी बालेंद्र 28 अपनी पत्नी विनीता 25 पुत्री शिवानी 05 और भाभी रामदेवी 50 के साथ रिश्तेदारी में कोतवाली चरखारी के ग्राम कुआं गया हुआ था। शनिवार को बाइक से चारों लोग वापस लौट रहे थे तभी ग्राम करहरा कला के पास अचानक बालेंद्र को मिर्गी का दौरा पड़ गया।जिससे बाइक समेत चारों लोग सड़क पर गिर गए। बाइक चालक के सिर पर और उसकी पुत्री शिवानी को गंभीर चोटे आई। भाभी रामादेवी व उसकी पत्नी विनीता जिला अस्पताल में भर्ती हैं।

लक्ष्य के सापेक्ष 35.92 फीसदी गेहूं खरीद

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। जिले में बनाये गये 49 गेहूं क्रय केन्द्रों में ढाई माह में लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 35.92 फीसदी ही गेहूं की खरीद हो सकी। किसानों ने खुले बाजार में अच्छा मूल्य मिलने के कारण क्रय केन्द्रों से किनारे करके बाजार में गेहूं की बिक्री करके अधिक फायदा लिया। हालांकि सरकारी क्रय केन्द्रों में पहुंचकर किसान गेहूं की बिक्री तो कर रहे हैं, लेकिन गल्ला मंडी के व्यापारियों द्वारा सरकारी रेट से 100 रुपये अधिक रेट बढ़ा दिए जाने से किसानों का रुख प्राइवेट व्यापारियों की तरफ बढ़ने लगा है, जिससे सरकारी केन्द्रों में अचानक खरीदारी घट गई है।

मालूम हो कि 1 मार्च से 15 जून तक गेहूं खरीद के लिये जिले में बनाये गये 49 क्रय केन्द्रों में शुरुआत में किसानों ने जमकर बिक्री की। क्रय केन्द्रों का समर्थन मूल्य 2,295 रुपये प्रति कुन्तल कर दिया गया, जबकि बाजार में लगभग 2,200 ये ,2250 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं बिक रहा, जिससे किसानों ने सरकारी क्रय केन्द्रों की तरफ रुख करके बिक्री करना शुरू कर दी है। क्रय केन्द्रों में भारी संख्या में ट्रैक्टर और बैलगाड़ियों से किसानों का माल आने लगा है, जिससे बाजार में व्यापारी हाथ पर हाथ रखकर बैठ गए हैं। तब तक क्रय केन्द्रों संचालकों ने लगभग 13481 मिट्रिक टन खरीद कर डाली है। अब व्यापारियों ने करीब सौ रुपये प्रति क्विंटल की गेहूं की कीमत बढ़ा दी है, जिससे किसान सरकारी क्रय केन्द्रों की तरफ न जाकर गल्ला व्यापारियों के यहां अपना माल बेचने लगा है, जिसके चलते क्रय केन्द्रों में अब सन्नाटा सा छा गया है।

जिले को इस दफा 38 हजार मीट्रिक टन का लक्ष्य दिया गया थाख् जिसके सापेक्ष जिले में बनाये गये 49 क्रय केन्द्रों में शनिवार तक 13,481 मीट्रिक टन ही खरीद हो सकी, जिससे इस साल खाद्य वितरण विभाग लक्ष्य से काफी पीछे नजर आ रहा है। सरकारी केंद्रों में मात्र 35.92 फीसदी गेहूं की खरीद नाकाफी साबित हो रही है।

यही वजह है कि क्रय केन्द्रों में तैनात किये गये कर्मचारी किसानों के न आने से फुर्सत में बैठे हुए हैं, जबकि क्रय केन्द्रों में किसानों के लिये छाया पानी की भी सारी व्यवस्थाएं की गई थी।

गेहूं क्रय केन्द्र में पसरा सन्नाटा।

38 हजार मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य

13,481 मीट्रिक टन ही हो सकी खरीद

गेहूं खरीद के लिए जिले में 49 क्रय केन्द्र बेलाताल, महोबा शहर, कुलपहाड सहित कई स्थानों पर बनाये गये थे। जिले के 2900 किसानों से 13,481 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई। शुरुआत में किसानों की केन्द्रों में भारी भीड़ जुटी, लेकिन बाद में खुले बाजार में क्रय केन्द्रों के सापेक्ष रेट अधिक बढ जाने के कारण किसानों ने बाजार की तरफ रुख कर लिया, जिससे दिये गये लक्ष्य की प्राप्ति करने में क्रयकेंद्र प्रभारियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

-रामकृष्ण पाण्डेय, जिला खाद्य विपणन अधिकारी

मतदाता रैली निकालते स्कूली छात्र। अमृत विचार

छात्रों ने शहर में निकाली मतदाता जागरुकता रैली

कार्यालय संवाददाता महोबा

- रैली में लगाए जा रहे थे मतदान के लिए प्रेरित करने वाले नारे

अमृत विचार। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महोबा से शनिवार को प्रधानाचार्य कमलेश सिंह के नेतृत्व में स्कूली बच्चों की मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। छात्र रैली में मतदाता जागरुकता से संबंधित नारे लगाते हुए चल रहे थे। मतदाता जागरूकता रैली आल्हा चौक, तहसील चौराहा, कोतवाली तिराहा, सराफा चौराहा, उदल चौक डीएवी इंटर कॉलेज तिराहा, सहित मुख्य मार्गो से होते हुए सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पहुंची।

रैली में छात्र हाथ में स्लोगन लिखी तख्तियां घर-घर में समझना है मतदान करों मतदान करो, पहले मतदान फिर करो जलपान, देश का मतदाता है भारत भाग विधाता है लिखी तख्तियां लिए हुए चल रहे थे। रैली में लगभग एक हजार छात्र और सरस्वती विद्या मंदिर के आचार्य शामिल थे। रैली देखने के लिए सड़कों के दोनों तरफ दुकानदार व घरों से निकल कर लोग खड़े हो गए। छात्र स्कूली ड्रेस पहने हुए चल रहे थे। रैली को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक मतदाता को संविधान द्वारा मतदान करने का बहुत बड़ा अधिकार दिया गया है। इस अधिकार का उपयोग करते हुए हम सभी को मतदान प्रत्येक दशा में करना चाहिए। कहा कि मतदाता का नैतिक कर्तव्य मतदान करना है जब आप जागरूक होकर मतदान करेंगे तभी मनपसंद और अच्छी सरकार चुनेंगे।उन्होंने कहा कि अपने-अपने मत अधिकार से माता-पिता से भी आप लोग निवेदन करके मतदान अवश्य कराएं। आपके एक-एक मत का बहुत बड़ा महत्व है। इसलिए कभी भी मतदान से वंचित न रहे। कहा कि मत रूपी ताकत जो आपके पास है उसे प्रत्येक मतदाता को समझना चाहिए।

प्राइवेट बस स्टैंड में छाया-पानी की व्यवस्था नहीं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। तेज धूप और तपिस भरी गर्मी के चलते शहर के प्राइवेट बस स्टैंड में फैली अव्यवस्थाओं के चलते आने जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। प्राइवेट बस स्टैंड में असुविधाओं का बोल बाला है। शिद्दत भरी गर्मी में यात्रियों को पेयजल की उचित व्यवस्था न होने से लोगों को पानी के लिए यहां से वहां भटकने को मजबूर होना पड़ता है। धूप से बचाव के नाम पर प्रतीक्षालय की समुचित व्यवस्था न होने से यात्रियों को बस न मिलने तक गर्मी और तेज धूप में ही खड़ा रहना पड़ता है। प्राइवेट बस स्टैंड में मूलभूत सुविधाएं न होने से यात्रियों में खासी नाराजगी है।

गौरतलब है कि लोगों को जाम के झाम से बचाने के लिए तीन वर्ष पहले शहर से प्राइवेट बस स्टैंड को हटाकर नेशनल हाईवे के पास छतरपुर रोड पर स्थापित कर दिया गया था और तबसे लेकर आज तक यात्रियों को बस स्टैंड में मूलभूत समस्याएं न होने से असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अप्रैल माह के अंत से ही गर्मी ने अपने तेबर दिखाना शुरू कर दिया, जिससे मध्यप्रदेश के रास्ते आने जाने वाले यात्रियों को महोबा के प्राइवेट बस स्टैंड में कोई सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है। नगर पालिका द्वारा यात्रियों को बैठने के लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई। प्रतिक्षालय न बनाए जाने से यात्रियों को तेज धूप में खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता है या फिर आसपास लगे पेड़ों की छाया और झोपड़ीनुमा दुकानों के नीचे बैठने को मजबूर होना पड़ता है। ऐसे में तेज धूप और गर्मी के चलते यात्रियों और बच्चों को खासी दिक्कत उठानी पड़ती है।

अजय, श्याम, रोहित, गिरजा, कैलाश, आशा, रामदुलारी ने बताया कि तेज धूप और गर्मी के चलते थोड़ी थोड़ी देर में प्यास लगने लगती है। घर से लाया गया पानी खत्म हो जाने के बाद पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है। बस स्टैंड में एक भी हैंडपंप न होने के कारण मजबूर होकर महंगे दामों पर पानी की बोतल और पानी के पाउच खरीदना पड़ता है, जो कुछ देर में ही गर्म हो जाती है। बताया कि बस स्टैंड में यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय में बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है और न ही कोई छायादार स्थान है, जहां पर बैठकर बसों का इंतजार कर सके। ईरिक्शा चालक, राजू, हेमराज साहू, मुन्ना बताते हैं कि नगर पालिका स्टैड के नाम पर पैसा लेती है, लेकिन बस स्टैंड में ईरिक्शा खड़ा करने की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

दुकान पर बस का इंतजार करते यात्री।

- यात्री खरीद रहे महंगी पानी की बोतल, धूप में बस का करना पड़ रहा इंतजार

प्रशिक्षण में कसर न उठा रखें मतदान कार्मिक

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी मृदुल चौधरी ने शनिवार को मतदान कार्मिकों के राजकीय पोलिटेक्निक महोबा में चल रहे द्वितीय प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। दोनों पालियों में मतदान संबंधी विस्तृत जानकारी कई कक्षों में जानकारी दी जा रही थी।

निरीक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण को मतदान कार्मिकों को बारीकी से समझने निर्देश दिए। ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी मृदुल चौधरी ने निरीक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों से कहा कि अच्छी तरह से मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दें, जिससे मतदान के दिन उन्हें ईवीएम संबन्धी कोई समस्या न हो। जिलाधिकारी ने मतदान कार्मिकों से कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराने में आप लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, निर्वाचन में मतदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जरूरी है कि सभी लोग संपूर्ण मतदान प्रक्रिया को विशेष कर ईवीएम मशीन के संचालन से संबंधित समस्त तकनीकी जानकारी को प्राप्त कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की कोई शंका हो तो उसका भी समाधान अवश्य कर लें। मास्टर ट्रेनर्स ने मॉक पोल, चेकलिस्ट, मॉडल लेआउट की विस्तृत जानकारी दी।

मंसूरी समाज का विवाह सम्मेलन 9 जून को

संवाददाता, कुलपहाड़-महोबा

- 31 मई तक विवाह के लिए किया जाएगा पंजीकरण

अमृत विचार। आल इंडिया मंसूरी समाज की एक आवश्यक बैठक मंसूरी समाज के जिला अध्यक्ष राका मंसूरी की अध्यक्षता में जैतपुर ग्राम के एक पैलेस में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए मंसूरी समाज के विवाह सम्मेलन के बावत रूप रेखा तैयार की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेकर मंसूरी समाज का शादी सम्मेलन जैतपुर ग्राम में 9 जून को करने की घोषणा की गई। सम्मेलन के अध्यक्ष शकील मंसूरी ठेकेदार द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों से भरपूर सहयोग करने के साथ साथ सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा लोगों से सम्पर्क कर जोड़ों के रजिस्ट्रेशन करने के लिए कुछ समाज के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि 31 मई तक विवाह सम्मेलन के लिए पंजीयन किए जाएंगे।इस अवसर पर शब्बीर मंसूरी, डॉ करीम बख्श, अंसार मंसूरी, यासीन मंसूरी, बसीर अहमद निजामी, अकबर मंसूरी, लाल मोहम्मद आदि रहे।

जिला अस्पताल पहुंच रहे डेढ़ हजार मरीज

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- मरीजों की संख्या में लगातार हो रहा इजाफा

अमृत विचार। दिन में भीषण गर्मी और तड़के सुबह चार बजे से मौसम ठंडा होने के कारण ठंडा गरम के चलते तेजी से मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बुखार, जुखाम, सिर दर्द, उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन एक से डेढ़ हजार के बीच मरीज पहुंच रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते डॉक्टरों को पल भर की फुर्सत नहीं मिल रही है। ओपीडी में डॉक्टरों के कक्ष के सामने लंबी लाइन लग रही है। नंबर आने के इंतजार में खासा समय लग रहा है।

गौरतलब है कि जिला अस्पताल में आज कल मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एक दर्जन से ज्यादा डाक्टरों के अपने अपने कक्षों पर बैठने के बाद भी मरीजों को उपचार कराना पड़ रहा है। कारण, मरीजों की बढ़ती संख्या है। दिन में तेज धूप गर्म हवाओं और देर रात में अचानक मौसम ठंडा हो जाने से लोग इसे झेल नहीं पा रहे हैं। यही वजह है कि गर्मी सर्दी के चलते बुखार जुखाम के अलावा सबसे ज्यादा मरीज उल्टी, दस्त और पेट दर्द के आ रहे हैं। जिला अस्पताल के अलावा प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की भरमार है, जिससे डाक्टरों की खासी बल्ले बल्ले हो रही है।

सुबह नौ बजे से जिला अस्पताल में डाक्टरों के बैठ जाने के बाद उन्हें दो बजे तक सिर उठाने की फुर्सत नहीं मिलती है। जिला मुख्यालय के अलावा ग्रामीण अंचलों के मरीज भी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार न कराकर जिला अस्पताल की तरफ भाग रहे हैं, जिससे जहां एक तरफ सबसे पर्चा बनवाने के लिए लाइन पर लगना पड़ता है, इसके बाद डाक्टरों को दिखाने के लिए लाइन लगानी पड़ती है। फिर अस्पताल के दवा कक्ष से दवा लेने के लिए लाइन पर ही लगना पड़ता है।

डॉक्टर को दिखाने के लिए लाइन में लगे मरीज। अमृत विचार

हमीरपुर-महोबा सीट | इस चुनाव में युवा मतदाताओं में विशेष उत्साह, सबसे कम मतदाता तिंदवारी में

18,31,558 मतदाता 20 मई को चुनेंगे अपना सांसद

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। हमीरपुर महोबा संसदीय क्षेत्र पर 20 मई को होने वाले मतदान को लेकर इस दफा के चुनाव में युवा मतदाताओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। लोकसभा के चुनाव में 1831558 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनावी तैयारियों को अंतिम रुप देना शुरू कर दिया है। मतदान केंद्र और मतदेय स्थल बना दिए गए हैं, इसके अलावा चुनाव कराने वाले कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। चुनाव ड्यूटी में पुरूषों के अलावा महिलाओं को भी भारी संख्या में लगाया गया है। महिला पुरुषों के अलावा चुनाव में 35 थर्ड जेंडर भी अपने मताधिकार प्रयोग करेंगे।

लोकसभा सीट में महोबा, चरखारी, हमीरपुर, राठ और तिंदवारी सहित पांच विधानसभाओं क मतदाता शामिल हैं। इस सीट पर जेंडर मतदताओं की सबसे कम संख्या है। पांचों विधानसभा क्षेत्रों में सबसे कम तिंदवारी में मतदाता हैं। यहां पर 1,75,617 पुरुष, 1,46,749 महिला मतदाता है, जबकि सबसे ज्यादा मतदाता 4,23,226 हमीरपुर विधानसभा में हैं। हमीरपुर विधानसभा में 252 मतदान केंद्र और 455 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। राठ में 256 मतदान केंद्र और 442 मतदेय स्थल बने हैं। महोबा विधानसभा में 193 मतदान केंद्र और 332 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। चरखार विधानसभा में 296 मतदान केंद्र, 400 मतदेय स्थल, तिंदवारी विधानसभा में 224 मतदान केंद्र और 46 मतदेय स्थान बनाए गए हैं, जहां पर मतदाता 20 मई को अपने मतदाधिकार का इस्तेमाल करेंगे। हमीरपुर महोबा संसदीय क्षेत्र की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का कब्जा है। ऐसी स्थिति में संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को लोकसभा चुनाव में इन विधानसभा के विधायकों से भी अच्छी मदद मिलने जा रही है। पार्टी हाईकमान के सख्त निर्देश के चलते पांचो विधायक भी पार्टी प्रत्याशी के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में जुटे हुए हैं। महोबा विधानसभा से भाजपा के राकेश गोस्वामी, चरखारी विधानसभा से ब्रजभूषण राजपूत, राठ विधानसभा से मनीषा अनुरागी, हमीरपुर विधानसभा से डॉ. मनोज प्रजापति और तिंदवारी विधानसभा से रामकेश निषाद विधायक हैं। इन पांचों विधायकों की प्रतिष्ठा पार्टी को जिताने को लेकर दांव पर लगी है।

85 वर्ष से अधिक उम्र के महोबा में मतदाता

संसदीय सीट में 85 साल से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 21,123 है। इनमे सबसे अधिक महोबा जनपद में 1,942, हमीरपुर में 724, तिंदवारी में 1,933, इसी तरह 12,426 विकलांग मतदाता है, जिसमें महोबा जिले में 6234, हमीरपुर जिले में 7,725 और तिंदवारी में 3,477 विकलांग मतदाता हैं। इन मतदाताओं को भी मतदान केंद्रों में ट्राईसाइकिल के अलावा अन्य व्यवस्थाएं की गई है साथ ही इन्हें पोलिंग बूथ तक वाहन से जाने की छूट भी दी गई है।

पहली दफा 34,744 युवा मतदाता करेंगे मतदान

इस दफा के लोकसभा के चुनाव में संसदीय सीट पर 34,744 युवा मतदाता पहली दफा मतदान करेंगे। इन मतदाताओं को पहली दफा वोट डालने का मौका मिलने से उनमें खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। काफी दिनों से मतदान करने की उम्मीद लगाए युवा मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का इस बार मौका मिलेगा, जिससे युवा आपस में एक दूसरे से मिलजुल कर साथ में मतदान की चर्चाएं करने के साथ साथ एक साथ फोटो खिचाने के लिए भी बात कर रहे हैं।

30 युवाओं को मिली नौकरी, चेहरे खिले

संवाददाता, कुलपहाड़-महोबा

अमृत विचार। राजकीय पॉलीटेक्निक कुलपहाड़ में विप्रो हाइड्रोलिक इंडिया जयपुर के तत्वावधान में रोजगार मेला लगाकर विभिन्न पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिसमें 300 अभ्यर्थियों ने इस रोजगार मेले में भाग लिया है। इनमें से 30 लोगों को चयन कर नियुक्ति पत्र दिया गया। पहली बार साक्षात्कार देने आए युवा रोजगार पाकर खुशी से झूम उठे। युवाओं ने यह खुशखबरी मोबाइल के जरिए सबसे पहले अपने माता-पिता को दी।

इस कैम्पस ड्राइव में फतेहपुर, बाँदा, कानपुर, हमीरपुर, राठ, चरखारी, महोबा आदि स्थान के अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया है। जहां पर बेरोजगारों का साक्षात्कार लिया गया, इसके बाद चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। रोजगार मेले में रोजगार पाने वाले युवा खासा खुश दिखाई दिए। प्रधानाचार्य इं दिनेश यादव ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान में इस प्रकार के कैम्पस ड्राइव निरन्तर आयोजित किए जाते रहेंगे। जिससे ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सके उन्होंने कहा कि हमारी कंपनी का उद्देश्य है कि हर साल लोगों को रोजगार दिया जा सके। इसके उद्देश्य से शनिवार को यहां पर रोजगार कैंप का आयोजन किया गया। शेष बेरोजगार अभ्यर्थी अपने अन्य साथियों के साथ आगामी कैम्पस ड्राइव में भाग लेकर सफलता प्राप्त कर सकते है। इस कार्यक्रम संस्था का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

साक्षात्कार के इंतजार में बैठे बेरोजगार। अमृत विचार

- पहली बार में रोजगार मिलने पर खुशी से झूम उठे युवा

कॅमिशिनिंग प्रक्रिया का सामान्य प्रेक्षक ने लिया जायजा

ईवीएम को मतदान के लिए तैयार करना ही कॅमिशिनिंग कहलाता है

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

कॅमिशिनिंग प्रक्रिया का जायजा लेतीं प्रेक्षक प्रियंका दास, डीएम और एसपी।

अमृत विचार। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक प्रियंका दास व जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने लोकसभा आम चुनाव 2024 के दृष्टिगत 47-संसदीय क्षेत्र हमीरपुर के अंतर्गत कृषि उत्पादन मण्डी समिति भरूआ सुमेरपुर में 228-विधानसभा हमीरपुर व 229-राठ (अनुजा) विधानसभा के अन्तर्गत हो रहे ईवीएम कॅमिशिनिंग कार्य को अवलोकन किया। विधानसभावार बने ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण के साथ साथ बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपैट मशीनों की कॅमिशिनिंग का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि ईवीएम मशीनों को मतदान के लिए तैयार करना ही कॅमिशिनिंग कहलाता है। कॅमिशिनिंग की प्रक्रिया में सबसे पहले बैलेट यूनिट की कॅमिशिनिंग की जाती है। कॅमिशिनिंग के दौरान सभी मतदान केंद्रों में जाने वाली बीयू में बैलेट पेपर लगाया जाता है तथा सीयू में पिंक पेपर सील लगायी जाती है। जिस पर भेल के इंजीनियर संबंधित आरओ अभ्यर्थी/प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षर किया जाता है। प्रत्याशी सेट किया जाता है। जिसमें नोटा का भी विकल्प होता है। प्रत्याशी सेट करते समय बीयू, सीयू और वीवीपैट यूनिट को जोड़ा जाता है। कॅमिशिनिग के बाद ईवीएम तथा वीवीपैट में नोटा सहित मॉक पोल कर सत्यतता की जॉच की जाती है। रैण्डम तौर पर 5 प्रतिशत मशीनों में 1000 वोट डालकर उनकी सत्यता को जांचा जाता है। इनके इलेक्ट्रॉनिक परिणाम का मिलान भी वीवी पैट के पेपर स्लिप से किया जाता है। सीलिंग प्रक्रिया के दौरान सीयू के स्विच को ऑफ रखा जाता है एवं वीवीपैट में थर्मल पेपर रोल लगाया जाता है। इसके साथ ही ईवीएम नम्बर बीयू, सीयू नम्बर तथा वीवीपैट नम्बर को रजिस्टर में भी दर्ज किया जाता है। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक द्वारा कॅमिशिनिंग कार्य में लगे हुए कर्मियों के मोबाइल फोन जमा कराने के निर्देश संबंधित को दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नमामि गगे) सुरेश कुमार, एडीएम न्यायिक डॉ.नागेन्द्र नाथ यादव, पवन प्रकाश पाठक, विपिन शिवहरे, एसडीएम सरीला राजकुमार गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर खालिद अंजुम सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन प्रशिक्षण में चार कर्मी रहे अनुपस्थित

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

मतदान कर्मियों से प्रशिक्षण के संबंध में सवाल पूछतीं प्रेक्षक। अमृत विचार

- प्रेक्षक ने प्रशिक्षण स्थल पहुंच कर कर्मचारियों से प्रशिक्षण से संबंधित सवाल पूछे

अमृत विचार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुछेछा एवं राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत मतदान ड्यूटी में लगाए गए पीठासीन अधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारियों, द्वितीय मतदान अधिकारियों एवं तृतीय मतदान अधिकारियों का दो पालियों में द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में प्रेक्षक प्रियंका दास, जिलाधिकारी राहुल पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने निरीक्षण करते हुए मतदान कार्मिकों से ईवीएम संचालन/निर्वाचन के संबंध में पूछा। पूछे गए प्रश्नों का मतदान कार्मिकों द्वारा समुचित उत्तर दिये गए।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुछेछा एवं राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में प्रत्येक पाली में 288 मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाना था। जिसके सापेक्ष प्रथम पाली में 288 एवं द्वितीय पाली में भी 284 मतदान कार्मिक उपस्थित हुए। 4 कर्मचारी अनुपस्थित रहें। अनुपस्थित मतदान कार्मिक में एक मतदान कार्मिक अस्वस्थ होने के कारण एवं एक मतदान कार्मिक के पिता जी के देहान्त हो जाने के कारण एवं एक मतदान कार्मिक के भाई के देहान्त हो जाने के कारण तथा एक मतदान कार्मिक के सेक्टर मजिस्ट्रेट में ड्यूटी लग जाने के कारण अनुपस्थित रहे। प्रशिक्षण में उपस्थित मतदान कार्मिकों को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में पोलिंग बूथों में सुचारु एवं निष्पक्ष रूप से मतदान सुनिश्चित कराने के लिए सघन प्रशिक्षण दिया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी चंद्रशेखर, जिला विकास अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आलोक सिंह एवं मुख्य प्रशिक्षक आदि द्वारा मतदान संबंधी दायित्वों की सम्यक जानकारी प्रदान की गई।

हत्या कर शव फेंकने के मामले में दूसरा हत्यारोपी हुआ गिरफ्तार

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

नितिन।

अमृत विचार। जलालपुर थाना क्षेत्र के ममना गांव में करीब 13 दिन पहले बीस वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ था। मामले में परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाते हुए एक नामजद व दो तीन अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने एक आरोपी को दबोचने के बाद हत्या का खुलासा कर दिया था। शनिवार को दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

क्षेत्र के ममना गांव के दिल्लीपत पासवान का मझला बेटा सचिन 26 अप्रैल को शौच जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद से वह लापता हो गया था। 28 अप्रैल को दिल्लीपत ने अपने बेटे की गुमशुदगी थाने में दर्ज कराई थी। 29 अप्रैल को गांव के बड़े तालाब के पास कल्लू यादव के खेत में लगी झाड़ियां में उसके बेटे सचिन का शव बरामद हुआ था। दिल्लीपत ने गांव के ही सतीश पुत्र कढोरा तथा दो-तीन अज्ञात के विरुद्ध हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाते हुए हत्या का मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। बुधवार को मुख्य आरोपी सतीश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मुख्य आरोपी ने पूछताछ में बताया था कि अपने चचेरे भाई नितिन के साथ मिलकर हत्या की थी। थानाध्यक्ष बृजमोहन ने बताया कि शनिवार को पुरैनी तिराहे से दूसरे आरोपी नितिन को भी गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में नितिन ने बताया कि मृतक मुख्य आरोपी की बहन को ब्लैकमेल कर रहा था तथा इंस्टाग्राम में उसकी स्टोरी लगा दी थी। मृतक के पास उसकी बहन के फोटो थे। जिसे वह सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दे रहा था। इसी बात से नाराज होकर उसने सतीश के साथ मिलकर सचिन की हत्या की योजना बनाई थी। फोन करके सचिन को गांव के बाहर बुलाया था और तालाब किनारे ले जाकर गमछे से गला घोटकर उसकी हत्या कर दी थी। शव झाड़ियों में छिपा दिया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।

पोस्टल बैलेट पेपर से डलवाए गए वोट

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

पोस्टल बैलेट पेपर से मतदान करते मीडिया कर्मी। अमृत विचार

- मीडिया कर्मियों ने भी पोस्टल बैलेट पेपर से किया मतदान

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी व कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन भी कुछेछा स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदान कराया गया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मीडिया कर्मियों ने पोस्टल बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान किया।

लोकसभा चुनाव में ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी व कर्मचारियों के साथ जनपद में पहली मर्तबा मीडिया कर्मियों का मतदान कराने के लिए चुनाव आयोग ने फार्म-12 की सुविधा दी थी। इसमें आवेदन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ जनपद के मीडिया कर्मियों ने भी पोस्टल बैलेट पेपर से मतदान किया।

बीएलओ द्वारा घर-घर मतदाता पर्ची देने का कार्य शुरू

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मतदाता पर्ची का वितरण कार्य बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। हमीरपुर महोबा संसदीय क्षेत्र के लिए आगामी 20 मई को पांचवें चरण में मतदान संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए बीएलओ द्वारा घर घर जाकर मतदाताओं को मतदान करने के लिए मतदाता पर्ची का वितरण करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। मतदान केंद्र में मतदान करने के लिए पहले से मतदान पर्ची उपलब्ध कराई जा रही है।

चुनाव खर्च में भाजपा आगे, सपा नंबर दो पर

हमीरपुर। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों ने खर्च का ब्योरा प्रस्तुत किया है। चुनाव खर्च में भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल सबसे आगे रहे। वहीं एकलव्य समाज पार्टी के प्रत्याशी ने सबसे कम खर्च का ब्योरा प्रस्तुत किया है। 13 व 17 मई को भी व्यय का ब्योरा पेश किया जाएगा। प्रभारी व्यय नोडल व कोषाधिकारी मनीष शुक्ला ने बताया कि व्यय प्रेक्षक पुरुषोत्तमन के समक्ष प्रत्याशियों ने अब तक चुनाव में किए गए खर्च का जो ब्योरा प्रस्तुत किया है। उसमें भाजपा प्रत्याशी सबसे आगे हैं। भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के ने अभी तक 4,88,522 रुपये खर्चे का ब्योरा दिया है। वहीं दूसरे नंबर पर सपा प्रत्याशी अजेंद्र कुमार सिंह ने 1,96115 रुपये खर्च का ब्योरा दिया। बसपा प्रत्याशी ने चुनावी खर्च में तीसरे नंबर पर हैं।

देवरानी-जेठानी को टक्कर मारते हुए घर में घुसा ट्रैक्टर

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- देवरानी की हुई मौत और जेठानी को आईं चोटें

अमृत विचार। थाना बिवांर कस्बे में एक अनियंत्रित ट्रैक्टर दरवाजे पर बैठी देवरानी जेठानी को रौंदते हुए मकान के अंदर घुस गया। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर को छोड़कर भाग निकला। हादसे के बाद परिजन दोनों महिलाओं को लेकर जिला अस्पताल आए। यहां चिकित्सकों ने देवरानी को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। परिजनों की तहरीर पर अज्ञात चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

कस्बा बिवांर में शिवरानी अपनी देवरानी श्रीराम के साथ करीब ढाई बजे अपने दरवाजे पर बैठे बातें कर रही थी। उसी समय एक अनियंत्रित ट्रैक्टर दोनों महिलाओं को टक्कर मारते हुए उनके घर में घुस गया। इस दुर्घटना में घायल दोनों महिलाओं को परिजनों द्वारा जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान शिवरानी की मृत्यु हो गई। थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है। दूसरी घायल महिला श्रीराम की हालत सामान्य बताई जा रही है। इस संबंध में रामेश्वर प्रजापति की तहरीर पर थाना बिवांर में अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं अज्ञात ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। अन्य विवेचनात्मक कार्रवाई प्रचलित है।

आपे से गिरकर वृद्ध घायल

कुरारा। थाना क्षेत्र के सरसई उदनपुर गांव के बीच कालपी हमीरपुर हाईवे में आपे वाहन से 60 वर्षीय वृद्ध गिरकर घायल हो गया। सदर कोतवाली के ब्रह्मा का डेरा गांव निवासी जौहरिया (60) पुत्र रघुवीर कदौरा से एक आपे वाहन में बैठकर कुरारा आ रहा था। तभी सरसई उदनपुर के बीच कालपी हमीरपुर हाईवे पर आपे से गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे राहगीरों द्वारा एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी भेजा, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

तेज रफ्तार वाहन पेड़ से टकराया, दो घायल

मौदहा। तेज रफ्तार चार पहिया वाहन पेड़ से टकरा गया। जिसमें सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शनिवार को दोपहर में गणेश शिवहरे (25) पुत्र राजकुमार व जुगल किशोर (18) पुत्र ओमप्रकाश शिवहरे चार पहिया वाहन से जा रहे थे। तभी अरतरा मौदहा मार्ग पर चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गया। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को कस्बे के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां से दोनों को गंभीर चोट के चलते मेडिकल कालेज कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया है। फिलहाल दोनों को गंभीर चोटें बताई जा रही हैं। जबकि हादसे का कारण तेज गति को माना जा रहा है।

ई-रिक्शा पलटने से युवक जख्मी

राठ (हमीरपुर)। जरिया थाने के बीरा गांव में सड़क किनारे एक ई रिक्शा के पलटने से एक युवक दबाकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया। जानकारी के अनुसार बीरा गांव निवासी सत्यम पुत्र दुर्गा प्रसाद शनिवार को ईरिक्शा में सीमेंट की चद्दर लेकर अपने गांव बीरा जा रहा था। बीरा गांव के पास अचानक ई रिक्शा सड़क के किनारे असंतुलित होकर पलट गया।

घर में घुसकर मां बेटी और पुत्र पर हमला

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के मोहल्ला फत्तेपुर में शुक्रवार की रात दबंगों ने घर में घुसकर लाठी डंडों और कुल्हाड़ी से मां बेटी व पुत्र पर जानलेवा हमला कर सभी को घायल कर दिया है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

मोहल्ला फतेहपुर निवासी गुड्डो पत्नी राजू खान ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया है कि शुक्रवार की रात लगभग 10 बजे जब वह अपने पुत्र शाहिद खान और पुत्री हेमा के साथ घर पर थी। तभी मोहल्ले के ही देगा और बोदा पुत्रगण राजू सोनी, राहुल व उत्तम पुत्रगण अज्ञात और बउआ पुत्र मोगा स्वामी नशे में घर के दरवाजे पर गाली-गलौज करने लगे। इन लोगों का विरोध करने पर सभी लोग घर के भीतर घुस आये और गाली गलौज करते हुए लाठी डंडा और कुल्हाड़ी से मां बेटी व पुत्र पर जान लेवा हमला कर घायल कर दिया है। जिसमें तीनों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सड़कों का कराया गया पैचवर्क

कुरारा। कस्बा कुरारा से मनकी गांव स्थित यमुना पुल तक 21 किमी सड़क का मरम्मत कार्य किया जा रहा है। कस्बे के कृषि उत्पादन मंडी समिति से भौली गांव तक 16 किमी सड़क के मरम्मत का कार्य किया गया है। विकास खंड कार्यालय के समीप से जखेला गांव तक चार किलोमीटर सड़क का मरम्मत कार्य किया गया है। कस्बे के बेरी तिराहा से बेरी गांव तक 14 किमी सड़क का मरम्मत कार्य कराया गया है। इस सड़क पर बेरी तिराहा से लेकर करिया डेरा तक सड़क पर गड्ढे हो गए थे। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

मेधावी छात्र को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि सलाहउद्दीन। अमृत विचार

- बुंदेलखंड शिक्षा एकेडमी में मेधावी सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अमृत विचार। बुंदेलखंड शिक्षा एकेडमी में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में संस्था के अध्यक्ष अनीस उद्दीन ने कहा कि आज हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के उन टॉप टेन छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जा रहा है। जिन्हें उन के सेंटर के अध्यापक साथियों ने कड़ी मेहनत कर इस सफलता के योग्य बनाया।

जिले के कस्बा सहित शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए इस शिक्षण संस्थान से शिक्षा ग्रहण करने वाले हाईस्कूल व इंटर के टॉपटेन छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकतंत्र सेनानी सलाहउद्दीन ने कहा कि यह छात्र छात्राएं जिन्होंने संस्थान से शिक्षा ग्रहण कर अपना व अपने कोचिंग सेंटर का नाम रोशन किया वह बधाई के पात्र हैं। कोचिंग सेंटर के प्रबंधक अनीस उद्दीन ने कहा कि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन यह बच्चे उनके अध्यापकों की कठिन मेहनत से यहां तक पहुंचे।

मेधावी छात्र छात्राओं को बाद में मेडल, ट्रॉफी व उपयोगी सामग्री दी गई। हाईस्कूल के टॉपर छात्र 91%अंक पाने वाले नवीन, मोहित, राधे, मयंक आदि रहे। इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉप टेन में अरुण कुमार, फरीजा, चांदनी आदि को मेडल ट्रॉफी व पुरस्कार कार्यक्रम के अध्यक्ष सहित अन्य समाज सेवियों व अध्यापकों ने दिये। साथ ही अध्यापकों ने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रात दो बजे तक बिजली न आने से सभी बेचैन

मौदहा। गर्मी में जब 44 डिग्री तापमान छू रहा है। तब अचानक शुक्रवार की शाम बिना पूर्व सूचना के बत्ती गुल हो जाने से आम जनमानस को मुसीबत का सामना करना पड़ा। छोटे-छोटे बच्चे इस भीषण गर्मी के बीच बिलबिलाते रहे और अपने अपने घरों से निकल परिजन किसी तरह सड़कों पर रात 2:00 बजे तक समय व्यतीत करते रहे। उधर विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारी फाल्ट खोजते रहे। कर्मचारी रात में ही फाल्ट ढूंढ कर रात 2:00 बजे तक कड़ी मशक्कत के बाद बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से बहाल कर पाए।

जागरुकता अभियान

गुरुकुलम पब्लिक स्कूल में छात्र संघ सुनाव संपन्न, द्विजा को 41 और वान्या को मिले 70 वोट

द्विजा त्रिवेदी प्रधानमंत्री और वान्या बनीं उप प्रधानमंत्री

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

विजयी प्रधानमंत्री व उप प्रधानमंत्री के साथ विद्यालय की प्रधानाचार्य व शिक्षक।

अमृत विचार। गुरुकुलम पब्लिक स्कूल में छात्र संघ चुनाव संपन्न हुआ। बच्चों को मतदान के प्रति जागरूक करने एवं बच्चों द्वारा मतदान करने के लिए आग्रह करने पर पूरी चुनाव प्रक्रिया कराई गई। प्रधानमंत्री पद पर द्विजा त्रिवेदी 41 वोट के साथ विजयी हुईं वहीं उप प्रधानमंत्री पद पर वान्या क्लॉस थर्ड 70 वोट के साथ विजयी रहीं। बच्चों के आईडी कार्ड को ही वोटर आईडी की मान्यता दी गई।

मतदान अधिकारी के रूप में मौजूद शिक्षकों ने बच्चों के हस्ताक्षर कराए फिर उंगली में स्याही लगाई फिर वैलेट पेपर दिए गए। जिन पर चुनाव में हिस्सा लेने वाले बच्चों की फोटो, चुनाव चिन्ह एवं नाम अंकित था। पोलिंग बूथ पर बच्चों ने उन पेपर पर अपनी इच्छानुसार मनपसंद प्रत्याशी को मोहर लगाकर वोट दिया। साथ ही प्रधानाचार्य, शिक्षक शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने भी मतदान किया। बच्चों ने चुनावी प्रक्रिया में खूब रुचि ली। शिक्षक शिक्षिकाओं ने रंगोली, चार्ट के माध्यम से 20 मई को होने वाले चुनाव में मतदान को लेकर जागरूक किया। प्रधानमंत्री पद पर द्विजा त्रिवेदी 41 वोट के साथ विजयी हुईं। उप प्रधानमंत्री पद पर वान्या क्लॉस थर्ड 70 वोट के साथ विजयी रहीं। प्रधानाचार्य रूपक गुप्ता, शिक्षक आशीष बादल एवं दीपक कुमार ने सर्टिफिकेट देकर एवं माला पहनाकर बच्चों को बधाई दी। प्रधानाचार्य ने आगामी 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में बच्चों से अपने परिवार से वोट देने के लिए अपील करने को भी कहा। पोलिंग ऑफिसर के रूप में वंदना, प्रीती, रिया, योगेंद्र, गोपाल रहे। पर्यवेक्षक के रूप में दीपक कुमार एवं आशीष बादल रहे। इस अवसर पर दीपक, आशीष बादल, योगेंद्र, गोपाल, वंदना, प्रीती, रिया, ख़ुशी, रूचि, त्रह्मा, अदा, मोनिका, प्रज्ञा, पूजा आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

शिक्षा, सेवा और मतदान का दिया नारा

मौदहा(हमीरपुर)। कस्बा स्थित अमित केमिस्ट्री क्लासेस में एक दिवसीय मतदाता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में युवा शक्ति के तीन काम, शिक्षा, सेवा और मतदान का नारा दिया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ.अमित शर्मा ने लोगों से आगे बढ़कर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि अपने मतदान अधिकार का प्रयोग करके एक सशक्त लोकतंत्र का निर्माण करें। जिससे भ्रष्टाचार तथा अत्याचार जैसी कुरीतियों का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। शिविर में छात्र-छात्राओं को घर-घर जाकर मतदान के लिए जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरुकता के लिए पोस्टर तथा मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन सुमित सिंह एवं रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम में अंशिका गुप्ता, दिव्यांका सिंह, स्वाति गुप्ता पारुल यादव, नेहा वर्मा, आंचल गुप्ता, पुष्कल यादव, जसपाल, अभय मौर्य, गौरव सहित एक सैकड़ा से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मतदान जागरुकता की शपथ लेते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

डाक्टरों के मध्य जमकर हुई मारपीट

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- सोशल मीडिया पर वायरल हुआ मारपीट का वीडियो

मारपीट करते चिकित्सक।

अमृत विचार। कस्बे में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दो डॉक्टरों के मध्य जंग का अखाड़ा बन गया। एक सीनियर डॉक्टर ने जूनियर को कई थप्पड़ रसीद कर दिए। इसमें चीफ फार्मासिस्ट ने अहम भूमिका अदा की। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस ने इस विवाद को आपसी विवाद बताकर स्वतः हल करने का दावा किया है। वहीं पीटने व पिटने वाले डॉक्टर ने किसी भी विवाद से इनकार किया है। वहीं अमृत विचार ऐसे किसी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ.तरुण पाल एवं डॉ. बिन्देश वर्मा की तैनाती है। दोनों एक ही आवास में रहते हैं। शुक्रवार रात करीब नौ बजे दोनों का आपस में किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। इस पर डॉ.तरुण पाल ने डॉ.बिन्देश वर्मा को थप्पड़ों से मारना शुरू कर दिया। इसी बीच चीफ फार्मासिस्ट ब्रजेन्द्र सिंह भी आ धमके और डॉ.तरुण पाल को मारने के लिए उकसाते नजर आए। दोनों डॉक्टरों एवं फार्मासिस्ट ने घटना से इंकार किया है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि रात में डॉक्टरों के मध्य मारपीट की घटना की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन उन्होंने स्वतः समझौता कर लिया था।

युवक का सिर कूंच कर हत्या, सनसनी

थ्रेसिंग करवाने गया था युवक, खेत पर पड़ा मिला क्षत-विक्षत शव

कार्यालय संवाददाता, उरई

मौके पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

● परिजन बोले, किसी से झगड़ा होने पर की गई हत्या

अमृत विचार। जालौन कोतवाली क्षेत्र के माडरी गांव निवासी युवक का शव खेत पर क्षत-विक्षत हालत में पड़ा मिला। युवक फसल की थ्रेसिंग करवाने का काम करता था। शव को देकर लोगों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने किसी बात को लेकर हुए झगड़े से हत्या की आशंका जताई है।

जालौन कोतवाली क्षेत्र के माडरी गांव निवासी 25 वर्षीय आकाश गुप्ता का क्षत-विक्षत शव शनिवार को लोगों ने खेतों पर पड़ा देखा। इसकी सूचना पुलिस तथा परिजनों को दी। इधर शव को देखने के लिए ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। बताया जाता है कि मृतक युवक शराब पीने का आदी था। लोगों के खेतों जाकर थ्रेसरिंग कर अपना भरण-पोषण करता था। परिजनों के अनुसार मृतक आकाश शराब के नशे का आदी था, अधिकतर किसान गर्मी और तेज हवा में भूसे के उड़ने की वजह से अपनी फसल को रात्रि के समय ही थ्रेसर से कटवाते है, और थ्रेसर में फसल लगाने और खेत से फसल इकट्ठा करने के लिए 100 रुपये प्रति घंटा की दर से मजदूरी देते हैं। इसी लिए आकाश रात्रि में थ्रेसिंग में पांच से सात घंटे काम करके एक रात में पांच सौ से सात सौ रुपये तक की मजदूरी कर लेता था। मजदूरी का अधिकांश हिस्सा शराब में खर्च कर देता था। बीती देर रात आकाश शराब के नशे में धुत होकर खेत में काम करने गया था।

सुबह उसकी लाश खेत में पड़ी मिली। सूचना पर क्षेत्राधिकारी राम सिंह और फॉरेंसिक टीम घटना स्थल पर पहुंची। खेत मालिक और साथ में थ्रेसिंग करने गए अन्य मजदूरों से पुलिस ने जानकारी ली। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

अज्ञात के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

युवक के शव के मामले में मृतक आकाश गुप्ता के पिता विजय कुमार गुप्ता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। मृतक के पिता ने कोतवाली जालौन में तहरीर देते हुए बताया कि उसका पुत्र शुक्रवार की शाम को गांव के रतिराम के खेत की गेहूं की फसल थ्रेसिंग करने गया था। रात्रि 1 बजे के लगभग फसल की थ्रेसिंग कराकर गांव में प्रताप सिंह अहिरवार की लड़की की शादी में शामिल होने चला गया था। इस बात की जानकारी रात्रि में थ्रेसिंग करने गए अन्य मजदूरों तथा गांव के रहने वाले ट्रैक्टर मालिक कृष्ण कुमार ने बाद में दी। बताया कि सुबह गांव के बाहर गंगाराम कुशवाहा के खेत में उसके पुत्र आकाश उर्फ गोलू का शव मिला। मृतक के पिता ने तहरीर में उल्लेख किया है कि मृतक के मुंह को किसी चीज से कूंचा गया है जिससे और मुंह और शरीर में चोट के निशान मिले हैं। जिससे यह पक्का हो गया है कि किसी ने उसके पुत्र की हत्या की है। प्रभारी निरीक्षक बिमलेश कुमार ने बताया कि अज्ञात हत्यारों के नाम एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कर अति शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

खाद्य पदार्थों की जांच कर सैंपल लिए

कालपी (जालौन)। कालपी क्षेत्र के सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार शंखवार ने खाद्य पदार्थों की दुकानों तथा प्रतिष्ठानों में चेकिंग की कार्रवाई की। चेकिंग अभियान की भनक लगते ही कई मिलावट खोर दुकानदार अपने-अपने शटर गिराकर रफू चक्कर हो गए।

खाध सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार शंखवार की टीम ने डाकघर के सामने स्थित चाट भंडार में औचक निरीक्षण किया। प्रतिष्ठान में चाट में प्रयोग होने वाले मटर की खराब हालत देखकर नाराजगी जताई तथा खराब मटर को फिंकवा दिया। दुकानदार को सख्त हिदायत दी गई। मुख्य बाजार टरननगंज में किराना, होटल, फल फ्रूट, सब्जी, खोवा, मिठाई की दुकानों का औचक निरीक्षक करके लाइसेंस को देखा। दुकानों के परिसर में साफ सफाई की हकीकत परखी। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिष्ठान में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। अखाद्य पदार्थों का अपमिश्रण न करें। गड़बड़ी पाए जाने पर दोषी दुकानदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मेधावियों को किया सम्मानित

संवाददाता कालपी, जालौन

सम्मानित मेधावी व मौजूद शिक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार। शनिवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज सदर बाजार कालपी में हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा के टापर छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष रमेश तिवारी की अध्यक्षता किया गया। इस अवसर पर सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे मां वनखंडी धाम शक्ति पीठ के महंत जमुना दास महाराज ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित करते हुए उत्साह वर्धन किया। उन्होंने आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी छात्र छात्राओं को लगन एवं मेहनत से शिक्षा ग्रहण करने के लिए तत्पर होना चाहिए। मां सरस्वती तथा मां वनखंडी देवी आपकी मनोकामना पूर्ण करेंगी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के अध्यक्ष रमेश तिवारी ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति हर क्षेत्र में तरक्की करते हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत से पढ़ाई करके अपने विद्यालय तथा कालपी नगर का नाम रोशन करें। हाईस्कूल परीक्षा के टापर छात्र छात्राओं शत्रुघ्न राजपूत, प्रथम वर्मा, सिद्धांत प्रजापति, अन्नया सिंह, अर्पित सिंह राठौर- अरविंद राठौर तथा इंटर मीडियट के छात्र छात्राओं अक्शा विश्वकर्मा, रोहन सिंह, कुलदीप गुप्ता, रामेंद्र पाल, अंशिका सिंह को अतिथियों के द्वारा फूल माला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अशोक वाजपेई, प्रदीप मेहरोत्रा पूर्व विधायक डा अरुण कुमार मेहरोत्रा विधालय के प्रबंधक हर भूषण सिंह चौहान, राघवेंद्र सिंह जादौन, लल्लू राम गुप्ता, अमरसिंह चंदेल, डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब कालपी तहसील अध्यक्ष सलीम अंसारी, संदीप गुप्ता, शिव कुमार कनोडिया, ऋषभ महाराज ने भी छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह में प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह, आचार्य बंधु चंद्रशेखर तिवारी, अर्जुन प्रसाद मौर्य, रमेश चंद्र, रामबाबू, सुशील, प्रखर एवं आचार्य बहने सोनाली, रमन, हिमानी, श्वेता, निधि ने सभी होनहार भैया बहनों को ढेर सारी बधाईयां और मिठाई खिलाकर शुभाशीष प्रदान करते हुए छात्र छात्राओं को परिश्रम से पढ़ाई की सीख दी।

मंदिर में हुआ सुंदरकांड व हनुमान चालीसा

कार्यालय संवाददाता, उरई

मंदिर में सुंदरकांड का पाठ करते श्रद्धालु।

अमृत विचार। नमो-नमो सनातन हिन्दू महासभा के तत्वावधान में शनिवार को श्रीशिव मन्दिर जालौन में हनुमान चालीसा व सुंदरकांड पाठ सम्पन्न हुआ। हनुमानजी के पूजन के उपरांत सामूहिक हनुमान चालीसा व सुंदरकांड पाठ किया गया। तत्पश्चात हनुमान जी महाराज की आरती की गई व पुष्प अर्पित करने के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ में नमो नमो सनातन हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती प्रसाद मिश्रा, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा, त्रिलोकी नाथ गुप्ता, इन्द्रजीत सिंह गुर्जर, निक्कू, जिलाध्यक्ष सत्यनारायण मिश्रा, शशिकांत वर्मा, मिथलेश मिश्रा, महेंद्र सिंह सेंगर, केसी पाटकार, महेंद्र कौशल, अतुल द्विवेदी, सुशील बाजपेयी, सचिन श्रीवास्तव, पंकज कुमार दीक्षित, चंद्रप्रकाश सोनी, कृष्ण स्वरूप खरे आदि ने पाठ किया।

बाइक चोरी करते युवक को पकड़ा

कालपी (जालौन) नगर के मोहल्ला अदलसराय कालपी निवासी भीम प्रजापति पुत्र महेश बाबा ने कोतवाली में तहरीर देते हुए अवगत कराया कि शुक्रवार रात्रि 10.30 बजे प्रार्थी अपनी मोटर साइकिल से अपने साथी के साथ मोहल्ला गणेशगंज में हो रहे रात्रि जागरण कार्यक्रम को देखने आया था। सड़क के किनारे अपनी बाइक खड़ी कर दी। कुछ समय पश्चात बाइक मौके से गायब हो गयी। तलाश करने पर कुछ दूरी पर एक युवक मोटरसाइकिल लिये खड़ा था। आरोपी चोरी की नियत से मास्टर चाबी से लॉक को खोलकर व नम्बर प्लेट तोड़कर बाइक को ले जा रहा था। मौके पर पकड़ लिया गया। शोरगुल सुनकर कार्यक्रम देख रहे अन्य लोग मौके पर आ गये तो आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस जांच कर रही है।

33 तमंचों के साथ तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता उरई

पुलिस गिरफ्त में असलहा बनाने के आरोपी। अमृत विचार

● कहटा के जंगल में कमरा बनाकर चला रहे थे फैक्ट्री भारी मात्रा में कारतूस बरामद

अमृत विचार। कोटरा थाना पुलिस और स्वाट टीम ने बीती रात्रि मुखबिर की सूचना पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए कहटा के जंगल के बीच बने एक कमरे में छापा मारा। यहां से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटना का खुलासा करते हुए क्षेत्राधिकारी सदर गिराजा शंकर त्रिपाठी ने बताया की मुखबिर की सूचना पर कोटरा पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त छापेमारी में 13 तमंचे 315 बोर, 10 तमंचे 12 बोर, एक बंदूक 315 बोर तथा 9 अधबने तमंचे के साथ भरी मात्रा में कारतूस बरामद किए। छापेमारी में असलहे बनाने की मशीन एवं औजार बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार तीन आरोपियों ने पुलिस को बताया कि लोकसभा चुनाव के चलते बंदूक एवं तमंचा की मांग बढ़ गई है, जिससे सामान्य समय की अपेक्षा चुनाव के समय दो गुने कीमत पर असलहे बिक रहे हैं। इसीलिए पुलिस से बचने और अधिक लाभ कमाने के लिए बीच जंगल में खाली पड़े घर में पिछले एक महीने से रात दिन असलहे बनाने का काम कर रहे हैं। क्षेत्राधिकारी त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों से असलहे खरीदने वालों और फेक्ट्री संचालित करने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। संज्ञान में आते ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 16 मार्च 24 से आचार संहिता लागू होने से लेकर जनपद के विभिन्न थाना पुलिस ने अब तक 7 असलहा फैक्ट्री में छापेमारी कर एक सैकड़ा तमंचे व बंदूकें बरामद कर चुनाव में गड़बड़ी करने वालों के मंशूबों को ध्वस्त कर दिया गया है।

31 को मनाई जाएगी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती

कार्यालय संवाददाता,उरई (जालौन)

अमृत विचार। अहिल्याबाई होल्कर की जयंती 31 मई को धूमधाम के साथ मनाए जाने की तैयारियां होल्कर सेना के पदाधिकारियों ने बैठक कर शुरू कर दी है। जिला संयोजक होल्कर सेना विशाल पाल डकोर की अध्यक्षता में तैयारी बैठक की गई। बैठक में तय किया गया कि जयंती पर धूमधाम के भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा कोंच रोड स्थित मोदी ग्राउंड से होकर गुजरेगी। रैली में बाइक रैली भी शामिल रहेंगी। यह शोभायात्रा मोदी ग्राउंड से शुरू होगी जो कोंच बस स्टैंड, घंटाघर, शहीद भगतसिंह चौराहा, आम्बेडकर चौराहा होते हुए सरदार पटेल चौराहा, रामेश्वरम चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, जिला परिषद, महाकवि कालीदास से जानकी पैलेस पर समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि जानकी पैलेस सभागार में सम्मान समारोह के कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 2 बजे 4 बजे तक चलेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष होल्कर सेना अनिल पाल रायपुर, विश्वनाथ बघेल दमरास, प्रदीप पाल चुर्खी, जयकिशन पाल आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम की जानकारी देते होल्कर सेना के पदाधिकारी। अमृत विचार

केजरीवाल की जमानत पर आप पदाधिकारियों ने बांटी मिठाई

कार्यालय संवाददाता, उरई

मिठाई बांटते आप के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। आम आदमी पार्टी जालौन के जिला अध्यक्ष विनय चौरसिया के नेतृत्व में ढोल नगाड़ों के साथ जनता में मिष्ठान वितरण का कार्य किया। जिलाध्यक्ष चौरसिया ने इंडिया गठबंधन प्रत्याशी को जिताने की जनता से अपील की और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। लोकसभा चुनाव के लिए जारी भाजपा के संकल्प पत्र को आम आदमी पार्टी ने जुमला बताया। चौरसिया ने कहा भाजपा के संकल्प पत्र से महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याएं गायब हैं। भाजपा की पिछली घोषणाएं जमीन पर आज तक नहीं आ पाईं। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में संकल्प पत्र में वादा किया था कि 20 करोड़ नौकरियां, काला धन, 15 लाख रुपये, किसानों की आय दोगुनी करने, सभी को पक्का मकान देने का वादा किया था। इस अवसर पर जिलाअध्यक्ष विनय चौरसिया के साथ प्रांत उपाध्यक्ष डॉ श्रद्धा चौरसिया, जिला महासचिव धीरेन्द्र चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष यूथ विंग प्रखर बाजपेई, जिला अध्यक्ष पंचायत प्रकोष्ठ गौरव चौधरी, किशोर मामा आदि मौजूद थे।

राहगीरों को दी पानी की बोतल मतदान का किया आह्वान

संवाददाता कुठौंद, जालौन

पानी की बोतल देते शिक्षक।

अमृत विचार। शिक्षकों द्वारा ग्राम शंकरपुर में स्टेट हाईवे पर मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया। रोड पर निकलने वाले राहगीरों को रोक पानी की बोतल देकर मतदान के लिए प्रेरित किया गया। राहगीरों ने ठंडी बोतल पाकर पानी पीया और आयोजकों को बधाई देते हुए पूरे मन से मतदाता जागरुकता अभियान के संचालकों को वोट जरूर डालने का भरोसा दिया। टीम में शामिल सदस्यों ने बाइक, ई-रिक्शा, तिपहिया तथा चार पहिया वाहनों में मतदान के लिए प्रेरित करने से संबंधित स्ट्रीकर लगाए। जागरूक अभियान में शामिल प्राथमिक पाठशाला शंकरपुर के प्रधानाध्यापक अजय पांडे के साथ सहयोगी शिक्षक प्रवीण पाठक, देव सचिन, गौरव गुप्ता, रमेश चंद्र, प्रखर तिवारी, लोकेंद्र चतुर्वेदी, शशिवेंद्र, मोहित मिश्र, विवेक दीक्षित, कृष्ण प्रसाद, आमोद सक्सेना, अभय सिंह भदौरिया सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। अभियान जालौन, औरैया स्टेट हाईवे में ग्राम शंकरपुर से लेकर के सनगढ़ मुख्य मार्ग तक चलाया गया।

खेत और जंगल में लगी आग

कालपी(जालौन) । कालपी तहसील क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों में जंगल तथा खेतों में अग्निकांड की घटना हो गई। आग बुझाने के लिए दमकल कर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी । शनिवार की सुबह 10 बजे ग्राम आटा थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में खेत के खड़ी ठंडलों में भीषण आग लग गई। क्षेत्रीय नागरिकों के द्वारा पानी का छिड़काव करके आग पर काबू पाया गया। इसी तरह यमुना नदी के बीहड़ में स्थित पाल सरैनी के जंगल में भीषण आग लग गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन प्रभारी महेंद्र बाजपेई दमकल कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची टीम ने की घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सूचित हो कि मैं **जूली पुत्री सुरेश कुमार निवासी– नवीपनाह माल लखनऊ** की रहने वाली हूँ। दिनांक 6–5–2024 को मेरी इंटरमीडिएट की मार्क सीट जिसका अनुक्रमांक 219547131 व हाई स्कूल अनुक्रमांक 1341744 वास्तव में कही खो गयी है।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपना नाम लंठु गुप्ता से बदलकर राजकुमार गुप्ता रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।– **राजकुमार गुप्ता पुत्र सुरेश, निवासी– मरकड़ी, पोस्ट– पिडहनी, मर्कंरी, गोरखपुर, (उ0प्र0)–273402**

सूचना

सूचित हो कि मै वैभवी सिंह पुत्री इतेंद्र सिंह, निवासी– ग्राम–सरौती, पोस्ट– अर्जुनगंज, ब्लॉक– नवाबगंज, तहसील– हसनगंज जनपद उन्नाव की निवासिनी है। मेरी एलआईसी पालिसी संख्या 214708342 में त्रुटिवश मेरा नाम वैभवी सिंह के स्थान पर हनी सिंह पुत्री इतेंद्र सिंह अंकित हो गया है। जबकि हनी सिंह पुत्री इतेंद्र सिंह व वैभवी सिंह पुत्री इतेंद्र सिंह दोनों नाम एक ही महिला के है इस नाम का कोई अन्य व्यक्ति नहीं है। इतेंद्र सिंह के मात्र एक पुत्री वैभवी सिंह है जो उपरोक्त पते कि निवासी है। अतः मेरी पॉलिसी में मेरा नाम हनी सिंह के स्थान पर वैभवी सिंह अंकित किया जाय।

सूचना

मैं सूचित करता हूं कि **मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद अयूब , निवासी– गौरा मज़रे डीह, थाना– डीह, जिला रायबरेली** का हूं। मैं अपने दूसरे नंबर के पुत्र मोहम्मद शमीम को गलत आचरण व्यवहार से त्रस्त आकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में दूसरे नंबर के पुत्र मोहम्मद शमीम के कृत्यों से मेरा कोई लेना देना और सरोकार नहीं है।

Notice

My daughter is a student of Fatima higher secondary school. My daughter's name has been written as Ananya in the records, whereas my daughter's correct name is Ananya Singh. The correct name is Ananya Singh written in the Aadhar card. Therefore, it is necessary to mention Ananya Singh in the school records. Manish Kumar son of Gopal Singh resident of Rupni Jogaulia Tola East Champaran Bihar.

Notice

My son is a student of Fatima Higher Secondary School. My son's name has been written as Vivan in the records, whereas my son's correct name is Atharv Singh. The correct name is Atharv Singh written in the Aadhar card. Therefore, it is necessary to mention Atharv Singh in the school records. Manish Kumar son of Gopal Singh resident of Rupni Jogaulia Tola East Champaran Bihar.

सूचना

सूचित हो कि मैं **छोटे पुत्र स्व0 रोशन, निवासी– खेरवा पुरवावां, थाना– मल्लावां तहसील बिलग्राम जिला हरदोई,** मेरे पुत्र वाहिद व पुत्रवधू हिना के द्वारा मुझे व मेरे परिवार के अन्य सभी लोगों को हमेशा परेशान किया जाता है मेरे पुत्र व पुत्रवधु मेरी बात को मानने से इनकार करते है इनका चाल चलन ठीक नही है उनके इन कृत्यों से तंग आकर मैने अपने पुत्र वाहिद व पुत्रवधु हिना को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है अब हमारा इन लोगों से कोई भी वास्ता व सरोकार नही रहेगा। अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सूचना

सूचित हो कि मैं भारतीय जीवन बीमा निगम में पालिसी धारक हूं। पालिसी संख्या 219320700 में मेरा नाम प्रांशू सिंह दर्ज है जबकि बैंक खाता, आधार कार्ड एवं वोटर लिस्ट में मेरा नाम अर्पिता सिंह है। दोनों ही नाम प्रांशू सिंह व अर्पिता सिंह मेरे हैं। अतः पालिसी में मेरा नाम प्रांशू सिंह उर्फ अर्पिता सिंह दर्ज किया जाय। **–प्रांशू सिंह उर्फ अर्पिता सिंह पुत्री राजेश कुमार सिंह, निवासी अमदही पूरे राम सरन, पोस्ट–अमदही पूरे राम अधीन गोंडा।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री फातिमा हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा है। मेरी पुत्री का नाम अभिलेखों में अनन्या लिख गया है, जबकि मेरी पुत्री का सही नाम अनन्या सिंह (ANANYA SINGH) है। अधारकार्ड में सही नाम अनन्या सिंह ही लिखा है। अतरू विद्यालय के अभिलेख में अनन्या सिंह अंकित किया जाना आवश्यक है। **–मनीष कुमार पुत्र गोपाल सिंह, निवासी– रूपनी जोगौलिया टोला पूर्वी चंपारण बिहार।**

सूचना

सूचित हो कि मेरा पुत्र फातिमा हायर सेकेंडरी स्कूल का छात्र है। मेरे पुत्र का नाम अभिलेखों में विवान लिख गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही नाम अथर्व सिंह (ATHARV SINGH) है। अधारकार्ड में सही नाम अथर्व सिंह ही लिखा है। अतः विद्यालय के अभिलेख में अथर्व सिंह अंकित किया जाना आवश्यक है। **– मनीष कुमार पुत्र गोपाल सिंह, निवासी– रूपनी जोगौलिया टोला पूर्वी चंपारण बिहार।**

राजनीति | मुख्यमंत्री योगी, उप मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के प्रस्तावित हैं कार्यक्रम

प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने आएंगे 'दिग्गज'

कार्यालय संवाददाता उरई, (जालौन)

प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करते सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार। पांचवें चरण का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। जालौन-गरौठा-भोगनीपुर लोकसभा क्षेत्र में जातियों का बोलबाला है, यहां पिछड़ी जाति की संख्या बहुतायत में है। जातियों को साधने के लिए 13 मई को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की सभा माधौगढ़ के बुंदेलखंड इंटर कालेज के मैदान में रखी गई है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम 16 मई को प्रस्तावित हुआ है, इनकी सभा के लिए स्थान चिन्हित किया जा रहा है। दो स्थानों में से किसी एक को तय किया जाएगा। हदरूख या उरई में से किसी एक स्थान पर रैली प्रस्तावित हुई है। भाजपा उम्मीदवार भानु प्रताप सिंह वर्मा के पक्ष में मतदाताओं को रिझाने आएंगे। इसके साथ साथ उत्तर प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्री भी अपने-अपने प्रत्याशियों को जिताने की अपील मतदाताओं से करने के लिए तैयार है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का उरई में कोंच रोड स्थित हाजी के मैदान में तय किया गया है जो सपा कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार के लिए मतदाता से वोट की अपील करेंगे। वहीं बसपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यक्रम को दो प्रत्याशियों को एक साथ जिताने की अपील करने के लिए गुरसरांय में रखा गया है। यहां से झांसी के उम्मीदवार रवि कुशवाहा व जालौन के प्रत्याशी सुरेश गौतम के पक्ष में विशाल रैली को संबोधित करने का कार्यक्रम तय किया गया है। ये दोनों पूर्व मुख्यमंत्री 14 मई को भाजपा सरकार के खिलाफ गरजते नजर आएंगे।

विधायक ने भाजपा के पक्ष में किया प्रचार, मांगे वोट

उरई (जालौन)। जालौन-गरौठा-भोगनीपुर सुरक्षित लोकसभा सीट से केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं प्रत्याशी भानुप्रताप वर्मा के लिए आज मोहल्ला चौधरयाना नगर जालौन में भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला अध्यक्ष रामेंद्र सिंह के नेतृत्व में घर-घर जनसंपर्क कर पार्टी के पक्ष में वोट मांगे। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं का विशाल जन समूह उपस्थित रहा। मुख्य रूप से विधायक गौरीशंकर वर्मा, रामेंद्र, रामनरेश तिवारी, पम्मू महाराज और अवध किशोर त्रिवेदी, संजय त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, गिरीश गुप्ता, संजू खत्री, सुमरन सिंह गुर्जर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षेत्र में नहीं रुक रहा मिट्टी का अवैध खनन

कार्यालय संवाददाता, उरई

अमृत विचार। जिला मुख्यालय उरई में मिट्टी का अवैध दोहन रुकने का नाम नहीं ले रहा। कोंच रोड से दोहन करने वाले बेखौफ होकर मिट्टी का परिवहन कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अवैध मिट्टी खनन के खेल में उरई शहर के नामचीन पांच लोगों का सुगठित गिरोह है।

अवैध मिट्टी खनन के काम में लगे ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन संचालकों को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के संरक्षण का भरोसा देकर अवैध मिट्टी खनन का निर्बाध रैकिट संचालित कर रहे हैं। कोंच बस स्टैंड, पुलिस चौकी के सामने से रोजाना सैकड़ों अवैध मिट्टी लेकर ट्रैक्टर गुजर रहे हैं, मगर कोई कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय पुलिस संदेह के घेरे में है। कोंच बस स्टैंड चौकी के अंतर्गत पड़ने वाले ग्राम मंडोरा के पीछे अंधेरा होते ही मिट्टी माफियाओं की जेसीबी मशीनें गरजने लगती है तथा पूरी रात और सुबह 5 बजे तक मिट्टी भरे ट्रैक्टर फर्राटा भरते हुए इसी रोड पर दौड़ते दिखाई देते है। ग्रामीणों द्वारा अवैध मिट्टी खनन का विरोध किया जाता है तो मिट्टी माफियाओं के गुर्गे शिकायत कर्ताओं को जान से मारने की धमकियां देते है, जिससे हर कोई शिकायत करने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। मालूम रहे कि रात के समय मिट्टी लोड ट्रैक्टरों से मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिलाधिकारी राजेश पांडेय ने सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी और उप जिलाधिकारियों को रात के समय मिट्टी खनन और संचालन किसी भी कीमत में नहीं होने देने के निर्देश दिए थे फिर भी अवैध खनन नहीं रुक रहा।

शुक्रिया आपका

नई दिल्ली के महरौली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ रोड शो किया तो लोगों ने फूल बरसाए।

बूथ के रण से निकलेगा जीत का समीकरण

कन्नौज लोकसभा सीट

इरा अवस्थी कन्नौज

- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए समर्थन तो दिख रहा, लेकिन भाजपा का वोटर भी लामबंद
- जातीय मतों में सेंधमारी डाल सकती भाजपा-सपा के लिए प्रतिष्ठा बनी सीट के परिणाम पर असर

अमृत विचार। भाजपा और सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी कन्नौज लोकसभा सीट पर अंतिम समय में हार-जीत के समीकरण करीबी संघर्ष की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव माना जा रहा है कि यहां भाजपा प्रत्याशी सांसद सुब्रत पाठक से पिछले चुनाव में मिली नजदीकी हार का बदला चुकाने उतरे हैं। 2019 के चुनाव में सुब्रत ने सपा अध्यक्ष की पत्नी डिंपल यादव को 12 हजार मतों से हरा दिया था। इस बार भी यहां भाजपा और सपा में सीधी और कांटे की टक्कर नजर आ रही है, कोई मुकाबला भाजपा, तो कोई सपा के पक्ष में जाता बता रहा है, ऐसे में माना जा रहा है कि जातीय समीकरणों के साथ जो बूथ जीतेगा, उसके ही चुनाव जीतने की संभावनाएं बलवती हो जाएंगी।

दो दिन पहले केके इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित प्रत्याशी अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी की सभा में भीड़ उमड़ी थी, तो प्रचार के अंतिम दिन शनिवार को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में झींझक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुंकार भरी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक जोर लगा गए हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के यहां से चौथी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके लिए यह सीट नाक का सवाल है। ऐसे में राष्ट्रीय नेता के रूप में राहुल का कन्नौज आना सपा के लिए फायदेमंद हो सकता है। इस सभा में राहुल गांधी का संविधान को लेकर जनता को उद्वेलित करने का प्रयास, अखिलेश का कन्नौज से पुराना नाता जोड़कर लोगों से सीधे जुड़ने का प्रयास, और कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी व आप सांसद संजय सिंह द्वारा सपा अध्यक्ष के अपमान की बात उठाने की चर्चा गली और चौराहों में गूंज रही है। इस हाल में भले ही समीकरण थोड़े गड़बड़ाते दिख रहे हों, लेकिन भाजपा किसी कीमत पर यह सीट हाथ से निकलने नहीं देना चाहती है। शनिवार को शहर में बड़ी बाइक रैली निकालकर पार्टी ने अपनी ताकत दिखाई।

भाजपाइयों का भितरघात कर सकता नुकसान

- प्रचार बंद होने के साथ ही भाजपा के छाते के नीचे आक्रोश पनपने की चर्चा जोर पकड़ती सुनाई दी। सांसद व मौजूदा प्रत्याशी द्वारा पिछले पांच साल तक की गई अनदेखी व विकास के प्रति बेरुखी से कुछ निष्ठावान भाजपाइयों की नाराजगी को हवा देने की कोशिश की गई। हालांकि भाजपा नेताओं ने ऐसी खबरों को बकवास बताकर खारिज किया और कहा कि पूरा संगठन एकजुट होकर सुब्रत पाठक की जीत सुनिश्चित करने में लगा है।

जातीय गणित का जोड़-तोड़

- चुनाव कोई भी हो मुद्दों से बात शुरू होती है और अंत में पूरा दारोमदार जाति और धर्म पर टिक जाता है। इस चुनाव में भी जाति और धर्म का गणित किसी का खेल बनाएगा तो किसी का बिगाड़ने का काम करेगा। समाजवादी पार्टी गठबंधन के बैनर तले चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस के साथ होने तथा संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाए जाने से दलित वोटर गोलबंद होता नजर आ रहा है। ठाकुर और पाल बिरादरी के मतों में सेंध लगने की बात कही जा रही है। यादव और मुस्लिम मतदाता पहले ही अखिलेश की जीत के लिए मुखर है। ऐसे में ब्राह्मण और ओबीसी मतदाताओं का बंटवारा परिणाम पर असर डाल सकता है।

पिछली बार 2019 में सपा-बसपा साथ होकर भी नहीं दिखा पाए थे कोई कमाल

बुंदेलखंड में भाजपा की हैट्रिक में नहीं गांठ का बंधन

दिग्विजय सिंह

अमृत विचार। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की तेज रफ्तार वर्षों से उपेक्षित रहे इस इलाके में विकास पहुंचने का अहसास जरूर कराती है, लेकिन लोगों के बुनियादी सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं। गरीबी, पानी की समस्या, पलायन और रोजगार के साधन नहीं होने जैसे मुद्दे सालों से समाधान की बाट जोट रहे हैं, इन्हीं मुद्दों के चलते इस इलाके में रह-रहकर उठने वाली अलग बुंदेलखंड प्रदेश की मांग शायद यह पहला चुनाव है, जब कहीं सुनाई नहीं देती। बुंदेलखंड के चार संसदीय क्षेत्रों हमीरपुर-महोबा, बांदा-चित्रकूट, झांसी-ललितपुर और जालौन-गरौठा में 2019 के चुनाव में सपा और बसपा के मजबूत माना जा रहा गठबंधन कोई कमाल नहीं दिखा पाया था। इसके बावजूद इस बार सपा ने कांग्रेस से गठबंधन करके भाजपा की घेराबंदी की है। चारों सीटों पर भाजपा और सपा- कांग्रेस गठबंधन में सीधे नजर आ रहे मुकाबले को बसपा प्रत्याशी त्रिकोणीय बनाने में लगे हैं। पिछले चुनाव में बुंदेलखंड की चारों सीटों पर भाजपा ने 2014 का चुनावी इतिहास दोहराते हुए कमल खिलाया था। इस बार पार्टी ने यहां हैट्रिक लगाने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है।

भानु प्रताप वर्मा।

नारायण दास अहिरवार।

सुरेश चंद्र गौतम।

जालौन-गरौठा में केंद्रीय मंत्री की प्रतिष्ठा दांव पर

- जालौन- गरौठा संसदीय सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर है। 2014 और 2019 के चुनाव में जीत चुके वर्मा को सपा के नारायण दास अहिरवार और बसपा के सुरेश चंद्र गौतम ने घेर रखा है। इन दलों के बनाए हुए चक्रव्यूह से निकलने के लिए एड़ी- चोटी का जोर लगाए हुए हैं। इस बार यदि वर्मा जीतते हैं तो उनकी हैट्रिक तो होगी ही इस सीट पर उनकी छठवीं बार जीत होगी। इसे पहले वे 1996 और 1998 में जीते पर हैट्रिक से चूक गए थे। 1999 में हारने के बाद 2004 में उन्हें फिर जीत मिली लेकिन 2009 का चुनाव उनके लिए बुरी खबर लेकर आया था।

बांदा-चित्रकूट में अंतरकलह से जूझ रही भाजपा

- बांदा- चित्रकूट संसदीय सीट पर भाजपा के उम्मीदवार वर्तमान सांसद आरके सिंह पटेल को अपनों की चुनौती से ही दो-चार होना पड़ रहा है। उन्हें अपनी ही पार्टी के पूर्व सांसद भैरो प्रसाद की नाराजगी का सामना करना पड़ा रहा है। भैरों न तो प्रचार के लिए निकल रहे हैं और न ही उनके समर्थक उत्साहित दिख रहे हैं। यहां पार्टी में जबरदस्त अंतरकलह दिख रही है। हालांकि आरके सिंह पटेल को पूरी उम्मीद है कि मोदी की गारंटी, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के दम पर वे यहां लगातार दूसरी बार जीतने में कामयाब होंगे और उनकी पार्टी हैट्रिक लगेगी। सपा ने भी यहां कुर्मी जाति की कृष्णा पटेल को मैदान में उतारा है। इससे कुर्मी वोटों का बंटवारा होने का डर भी भाजपा को है। इसमें बसपा के मयंक द्विवेदी अपना फायदा देख रहे हैं। वे मुकाबले को त्रिकोणीय बनाकर मैदान मारने की जुगत में हैं।

हमीरपुर में रोचक मुकाबला जातीय समीकरण का खेल

- हमीरपुर- महोबा संसदीय सीट पर भी मुकाबला इस बार रोमांचक दिख रहा है। कांग्रेस- सपा गठबंधन के उम्मीदवार अजेंद्र राजपूत जहां भाजपा के कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल की हैट्रिक रोकने के लिए लोगों को स्थानीय समस्याओं के समाधान के साथ ही संविधान बचाने के लिए साथ आने की अपील कर रहे हैं तो पुष्पेंद्र सिंह चंदेल यह बताने में जुटे हैं कि पानी की समस्या का समाधान उनकी सरकार ने किया है। मोदी की गारंटी के नाम पर वे वोट मांग रहे हैं। तो बसपा ने ब्राह्मण चेहरे निर्दोष दीक्षित पर दांव लगाया है। यहां चुनाव धीरे-धीरे जातीय आधार पर आधारित होता जा रहा है। सपा को लगता है कि ब्राह्मण वोट जितना बसपा काटेगी उतना ही भाजपा का नुकसान होगा। लोध व अन्य पिछड़ी जातियों के सहारे अजेंद्र राजपूत मैदान मारने की तैयारी कर रहे हैं।

झांसी में राष्ट्रीय मुद्दों के आगे ठंडी पड़ी जाति-बिरादरी

- झांसी- ललितपुर संसदीय क्षेत्र में राष्ट्रीय मुद्दे हावी नजर आ रहे हैं। यहां जातीय समीकरण पूरी तरह से ठंडा नजर आ रहा है। बसपा ने जहां रवि प्रकाश कुशवाहा को मैदान में उतारा है तो भाजपा ने वर्तमान सांसद अनुराग शर्मा और कांग्रेस ने पूर्व सांसद प्रदीप आदित्य जैन को। 2014 में यहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता उमा भारती जीतीं थीं लेकिन 2019 में पार्टी ने उनके स्थान पर अनुराग शर्मा को मैदान में उतारा था। वे भी जीते। कांग्रेस गठबंधन के सहारे जहां फिर से यहां स्थापित होना चाहती है तो भाजपा को अपनी हैट्रिक की पूरी उम्मीद है। वैसे यह सीट 1989 से 1998 तक हुए चार चुनावों में भाजपा का अभेद्य किला रही, लेकिन 1999, 2004 और 2009 में पार्टी यहां हारी। 2014 से फिर कब्जा है। कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को उभारना चाहती है। साथ ही संविधान और आरक्षण बचाओ की बात कर रही है लेकिन भाजपा के लोग सिर्फ मोदी की गारंटी और भ्रष्टाचार के खात्मे पर वोट मांग रहे हैं।

सुभासपा व भाजपा समर्थकों के बीच दूरी, घोसी में पड़ रही भारी

अरविंद राजभर।

राजीव राय।

बालकृष्ण चौहान।

घोसी संसदीय सीट

विनय जायसवाल, मऊ

घोसी संसदीय सीट पर मुकाबला तो सपा के राजीव राय और भाजपा की सहयोगी सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर के बीच है। बसपा के बालकृष्ण चौहान मुकाबले को त्रिकोणीय बनाना तो चाह रहे हैं पर कितना सफल होते हैं अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। बसपा से यह सीट छीनने को सपा और सुभासपा के उम्मीदवार आतुर तो दिख रहे हैं पर मतदाताओं की चुप्पी से ये समझाना कठिन हो गया है कि किसका पलड़ा भारी होगा। यहां सुभासपा और भाजपा भले ही एक साथ आ गए हैं पर धरातल पर दल के साथ दिल का मिलन होता नहीं दिख रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं के दिल भी सुभासपा के लोगों से मिले इसके लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के कई बड़े नेता प्रयास कर चुके हैं। अरविंद राजभर पूर्व में हुई बयानबाजी को लेकर माफी भी मांग चुके हैं पर उनका ये दांव कितना सफल होगा यह मतगणना के दिन ही पता चलेगा। फिलहाल सपा की नजर भाजपा के उन पदाधिकारियों पर टिकी है जो सुभासपा से नाराज हैं और सार्वजनिक बयानबाजी तो नहीं कर रहे हैं पर प्रचार से भी परहेज कर रहे हैं।

2014 में इस सीट पर कब्जा करने वाली भाजपा को उम्मीद थी कि वह 2019 में भी जीत दर्ज करेगी पर ऐसा हुआ नहीं। पार्टी के उम्मीदवार को बसपा के अतुल राय ने हरा दिया था। हालांकि इस बार अतुल राय मैदान में नहीं हैं। पार्टी ने उनका टिकट काटकर पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान को दिया है। बालकृष्ण चौहान बसपा के परंपरागत वोटों को सहेजने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि भाजपा, बसपा के वोटों में लाभार्थी परक योजनाओं के जरिए सेधमारी पहले ही कर चुकी है। अब सुनिश्चित करने में लगी है कि ये मतदाता सुभासपा के अरविंद राजभर के खाते में जाएं। यहां कांग्रेस- सपा के नेताओं का गठजोड़ धरातल पर दिखने लगा है लेकिन सुभासपा और भाजपा के नेताओं में दूरियां दिख रही हैं। हालांकि भाजपा नेतृत्व लगातार इस दूरी को पाटने की कोशिश कर रहा है। दूरी पटी तो भाजपा 2014 का इतिहास दोहरा सकती है। यह सीट सुभासपा के खाते में जा सकती है।

इसे भी चुनें ओडिशा के बारगढ़ में रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'वोकल फार लोकल' के तहत गोरक्षा पर पेंटिंग भेंट की गई तो उन्होंने लोगों से गाय की रक्षा का आह्वान किया।

ध्रुवीकरण भाजपा के लिए कठिनाई भी मलाई भी

कानपुर लोकसभा सीट

अभिषेक वर्मा, कानपुर

रमेश अवस्थी।

आलोक मिश्रा।

कुलदीप भदौरिया।

बसपा नहीं बनाती नजर आ रही त्रिकोण

- इस चुनाव में बसपा तमाम कोशिश के बाद भी त्रिकोण नहीं बना पा रही है। हालांकि पूर्व के चुनावों में भी पार्टी के उम्मीदवार कोई करिश्मा नहीं दिखा पाए थे। इस बार बसपा प्रत्याशी कुलदीप भदौरिया कांग्रेस- भाजपा के मुकाबले प्रचार भी बहुत सक्रियता नहीं दिखा पाए हैं।

विधानसभा चुनाव में भाजपा को लगा था झटका

- लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की पांच सीटें हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा को जबरदस्त झटका लगा था। आर्यनगर, कैंट और सीसामऊ सीट सपा के खाते में गई थी जबकि सिर्फ दो सीटें गोविंद नगर और किदवई नगर भाजपा के खाते में गई है।

अमृत विचार। कानपुर के चुनावी समर में इस बार चेहरे भले नए हों, लेकिन मुकाबला वही पुराना कांग्रेस और भाजपा के बीच है। पिछले दो चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार हैट्रिक लगाने के लिए पूरा जोर कसे है, तो कांग्रेस वापसी के लिए ताकत लगा रही है। इस सियासी माहौल से मुकाबला धीरे-धीरे कांटे का बनता नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो से बनी हवा को काटने का काम कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव साझा रैली से कर गए हैं। ऐसे में दोनों दलों के समर्थकों के अपने-अपने दावे और गुणा-गणित है, लेकिन मतदाता है कि जैसे अपनी खामोशी बूथ पर ही खोलने के लिए हवा का रुख भांपने में लगा है।

चुनावी अभियान समाप्त होने के साथ अब दोनों प्रत्याशी अपने-अपने ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। प्रचार के अंतिम दिन भाजपा जहां तीसरी जीत के लिए एड़ी- चोटी का जोर लगाती दिखी तो कांग्रेस उम्मीदवार आलोक मिश्रा पार्टी का वनवास खत्म करने के लिए सपा और आप नेताओं के साथ गली-गली दौड़ते नजर आए। फिलहाल, मतदाता जीत का आशीर्वाद तो सभी को दे रहे हैं पर वे किसके साथ हैं यह समझ में किसी को नहीं आ रहा है। हां घनी आबादी वाले इलाकों में एनआरसी, सीएए और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के साथ लोग दिखते हैं पर इतना जोड़ देते हैं कि मोदी की गारंटी में भी दम है। भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बनी इस सीट पर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोड शो कर चुके हैं तो गृह मंत्री अमित शाह भी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर एक- एक वोट पाने की गणित समझा चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जनसभा कर भाजपा के पक्ष में समीकरण धने का प्रयास किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जीआईसी मैदान में आयोजित जनसभा में आरक्षण और संविधान बचाने के नाम पर कांग्रेस को वोट देने के लिए मतदाताओं को समझा गए।

ब्राह्मण वोटों पर कांग्रेस की पैनी निगाह

कानपुर संसदीय सीट पर ब्राह्मण मतदाताओं को निर्णायक मना जाता है। यही वजह है कि भाजपा पिछले कई चुनावों से ब्राह्मण चेहरे पर ही दांव लगाती रही है। कांग्रेस को भी यह बात समझ में आई और उसने भी इस बार आलोक मिश्रा के रूप में ब्राह्मण चेहरा समर में उतार दिया। कांग्रेस जहां इस चुनाव को स्थानीय बनाम बाहरी बनाने में लगी हुई है तो फर्रुखाबाद के मूल निवासी रमेश अवस्थी यह बताने में लगे हैं कि वर्षों से उनकी कर्मभूमि कानपुर रहा है। जन्म भले ही फर्रुखाबाद में हुआ पर वे वर्षों से कानपुर में ही रह रहे हैं। दोनों दलों की निगाह ब्राह्मण मतदाताओं पर है। ब्राह्मण समाज के गणमान्य नेताओं को ये दल आगे कर रहे हैं। कांग्रेस- सपा गठबंधन को यह उम्मीद है कि मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से उसके साथ होगा। ऐसे में अगर ब्राह्मण मतदाता भी उसके पक्ष में आया तो जीत आसान हो जाएगी। जबकि रमेश अवस्थी को ब्राह्मण मतों के भाजपा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहने के साथ ही मोदी की गारंटी पर भी भरोसा है।

2014

और 2019 में चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार हैट्रिक लगाने की तैयारी में

- कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा सियासी गोटियां फिट कर दे रहे तगड़ी चुनौती

1991 में पहली बार खिला था कमल

- कानपुर लोकसभा सीट पर सपा और बसपा को कभी जीत नहीं मिली है। कभी यह सीट वामपंथ का गढ़ हुआ करती थी। जनता पार्टी के मनोहर लाल ने 1977 में यहां से जीत दर्ज की थी, जबकि इसके पहले के चार चुनाव श्रमिक नेता एसएम बनर्जी स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में जीत चुके थे। जब 1980 में चुनाव हुआ तो कांग्रेस ने आरिफ मोहम्मद खान को मैदान में उतारा था। वर्तमान में केरल के राज्यपाल हैं। उनकी यहां ससुराल है। 1984 में कांग्रेस ने नरेश चंद्र चतुर्वेदी को मैदान में उतारा था वे भी जीते, लेकिन जब देश में प्रचंड राम लहर थी तब यहां से माकपा की सुभाषिनी अली जीत गई थीं। यहीं से कांग्रेस का वनवास शुरू हो गया था। 1991, 96 और 98 में लगातार तीन बार जगतवीर सिंह द्रोण भाजपा के टिकट पर जीते। हालांकि 1999, 2004 और 2009 में कांग्रेस के श्रीप्रकाश जायसवाल सांसद बने और केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे। लेकिन 2014 की मोदी लहर में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने कांग्रेस से उसका किला जीत लिया। 2019 में उनका टिकट कटा तो सत्यदेव पचौरी मैदान में आए और उन्होंने भी श्रीप्रकाश जायसवाल को पटखनी दे दी। अब इस चुनाव में भाजपा के रमेश अवस्थी के सामने किला बरकरार रखने की चुनौती है।

भाजपा से लड़ाई में आप-कांग्रेस के सामने वोटों की लंबी चढ़ाई

दोहराना होगा 2014 वाला प्रदर्शन : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद माहौल बदलने पर टिकी गठबंधन की उम्मीद

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार: देश की राजधानी दिल्ली में सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरी भाजपा के लिए इस बार परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस-आप मिलकर सभी सीटों पर तगड़ी चुनौती देते नजर आ रहे हैं। इस माहौल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अंतरिम जमानत पर बाहर आने से आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं का जोश हाई हो गया है। पिछले दो चुनावों में भाजपा, कांग्रेस और आप के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने से भाजपा की जीत की राह आसान रहती थी लेकिन इस बार आमने-सामने का संघर्ष होने से भाजपा के सामने जीत के लिए पिछले चुनाव की तरह 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त करने की चुनौती है। भाजपा ने 2019 के चुनाव में 56.86 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। पार्टी को हर लोकसभा सीट पर 52 प्रतिशत से ज्यादा मत मिले थे। इसके मुकाबले कांग्रेस को 22.51 तथा आम आदमी पार्टी को 18.11 प्रतिशत मिले थे। किसी भी सीट पर आप व कांग्रेस के मतों का जोड़ 45 प्रतिशत का आंकड़ा नहीं छू पाया था। इस तस्वीर से साफ है कि भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए कांग्रेस-आप गठबंधन को कम से कम 10-12 प्रतिशत मत बढ़ाने होंगे। हालांकि कांग्रेस-आप गठबंधन को इस कोशिश में 2014 लोकसभा चुनाव के परिणाम हौसला बढ़ाने वाले हैं। 2014 में सभी सातों सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद भी भाजपा का मत प्रतिशत किसी भी सीट पर 50 प्रतिशत नहीं पहुंच सका था। भाजपा को कुल मिलाकर 46.60 प्रतिशत मत ही मिले थे, जबकि कांग्रेस और आप के वोट शेयर का जोड़ 48 प्रतिशत था। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट को छोड़कर किसी भी सीट पर भाजपा को आप और कांग्रेस को मिले कुल मतों से ज्यादा वोट नहीं मिले थे। 2014 में आम आदमी पार्टी को 32.90 प्रतिशत तो कांग्रेस को 15.10 प्रतिशत मिले थे।

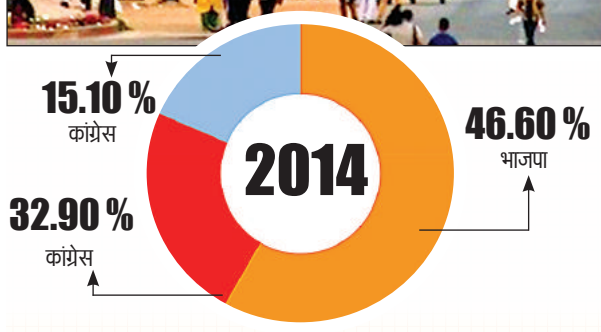

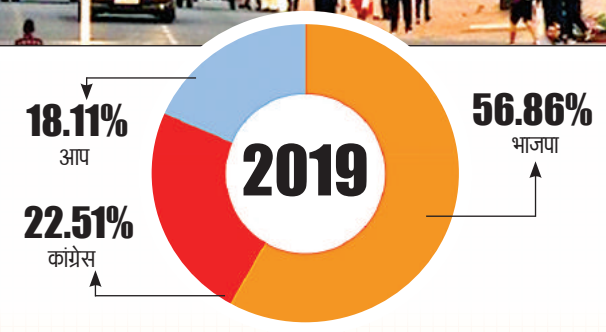

07 सीटों पर भाजपा तीसरी बार जीत दर्ज करने की कोशिश में

04 सीटों पर आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ रही है

03 सीटों पर कांग्रेस ने उतारे हैं अपने उम्मीदवार

10-12 % प्रतिशत मत बढ़ाने होंगे कांग्रेस-आप गठबंधन को भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए

किस लोकसभा सीट पर कितने मतदाता

लोकसभा क्षेत्र	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	थर्ड जेंडर	कुल मतदाता
चांदनी चौक	8,83,760	7,62,030	168	16,45,958
उत्तर पूर्वी दिल्ली	13,26,040	11,36,970	149	24,63,159
पूर्वी दिल्ली	11,51,211	9,69,269	104	21,20,584
नई दिल्ली	8,30,190	6,94,803	78	15,25,071
उत्तर पश्चिम दिल्ली	13,83,711	11,83,450	262	25,67,423
पश्चिम दिल्ली	13,70,398	12,17,448	131	25,87,977
दक्षिण दिल्ली	12,67,484	10,23,944	336	22,91,764

कहां कौन मुकाबले में

सीट	भाजपा	इंडिया गठबंधन (कांग्रेस और आप)
नई दिल्ली	बांसुरी स्वराज	सोमनाथ भारती (आप)
चांदनी चौक	प्रवीण खंडेलवाल	जेपी अग्रवाल (कांग्रेस)
पूर्वी दिल्ली	हर्ष मल्होत्रा	कुलदीप कुमार (आप)
उत्तर-पूर्वी दिल्ली	मनोज तिवारी	कन्हैया कुमार (कांग्रेस)
उत्तर-पश्चिमी दिल्ली	योगेंद्र चंदोलिया	उदित राज (कांग्रेस)
पश्चिमी दिल्ली	कमलजीत सहरावत	महाबल मिश्रा (आप)
दक्षिणी दिल्ली	रामवीर सिंह बिधूड़ी	सहीराम पहलवान (आप)

चुनाव लड़ने का खूब रिवाज

लोकसभा क्षेत्र	2024 में प्रत्याशी	2019 में प्रत्याशी
चांदनी चौक	25	26
उत्तर पूर्वी	28	24
पूर्वी दिल्ली	20	26
नई दिल्ली	17	27
उत्तर पश्चिमी	26	11
पश्चिमी दिल्ली	24	23
दक्षिण दिल्ली	22	27

07 सीटों पर दिल्ली में 162 उम्मीदवार, हर बूथ पर लगेंगी दो-दो ईवीएम

02 बार भाजपा कर चुकी है दिल्ली में क्लीन स्वीप अब हैट्रिक को तैयार

उत्तर पूर्वी सीट: पूर्वांचल व बिहार के चर्चित चेहरे मनोज तिवारी व कन्हैया कुमार में जंग

उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर इस बार पूर्वांचल और बिहार से आने वाले दो चर्चित चेहरों के बीच रोचक मुकाबला हो रहा है। यहां से भाजपा सांसद भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी हैं। भाजपा ने उन्हें तीसरी बार चुनाव मैदान में उतारा है, बाकी दिल्ली की छह सीटों पर प्रत्याशी बदल दिए हैं। कांग्रेस से उनके सामने जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार ताल ठोंक रहे हैं। कन्हैया कुमार ढाई साल पहले माकपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 2019 में कन्हैया ने बिहार की बेगूसराय सीट पर भाजपा के गिरिराज सिंह के सामने चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। कन्हैया कुमार राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उनके साथ चले थे। मनोज तिवारी और कन्हैया कुमार दोनों ही नेता अपने दलों की स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं। कन्हैया कुमार को तमाम स्थानीय नेताओं की नाराजगी के बाद भी राहुल गांधी की पसंद के कारण टिकट मिला है। यही नहीं पार्टी ने उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान के नेता सचिन पायलट को जिम्मेदारी भी दी है। कन्हैया कुमार के साथ युवाओं का एक वर्ग प्रचार में उत्साह से शामिल रहता है। उनके भाषणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निशाने पर रहते हैं, तो मोदी ने भी उनकी उम्मीदवारी पर कह दिया था कि कांग्रेस पार्टी टुकड़े-टुकड़े गैंग का सुल्तान बनी हुई है। उधर, मनोज तिवारी पूर्वांचल का अपना गढ़ संभालने के साथ बीते दस साल के काम, राम मंदिर और मोदी की गारंटी पर वोट मांग रहे हैं। 2009 में हुए पहले चुनाव में उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर कांग्रेस को जीत मिली थी। कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश अग्रवाल ने भाजपा के बीएल शर्मा प्रेम को 2.22 लाख वोटों से हरा दिया था। 2014 के चुनाव में भाजपा ने मनोज तिवारी को यहां से उम्मीदवार बनाया था। मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी के आनंद कुमार को 1,44,084 वोटों से पराजित कर दिया था। 2019 के चुनाव में मनोज तिवारी और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बीच मुकाबला हुआ था। इसमें शीला दीक्षित को 3,66,102 के बड़े अंतर से हार मिली थी।

पिछली बार इस सीट पर आप को सबसे कम सिर्फ 13 फीसदी वोट मिले थे

2019 में उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर मनोज तिवारी को 54 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस और आप को मिलाकर 32 फीसदी वोट मिले थे। इस बार दोनों पार्टियां साथ लड़ रही हैं। कन्हैया कुमार के लिए सबसे बड़ी चुनौती वोट प्रतिशत का बड़ा अंतर पाटना है। पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर पूर्वी दिल्ली की सीट पर आप को सबसे कम 13 प्रतिशत वोट ही मिले थे। हालांकि 2014 के चुनाव में आप और कांग्रेस का वोट प्रतिशत करीब 51 प्रतिशत था, जबकि मनोज तिवारी को 45.25 प्रतिशत मत ही मिले थे।

कन्हैया कुमार तथा मनोज तिवारी।

उत्तर पश्चिम सीट: सांसदों से निराश यहां की जनता, तलाश रही विकास का रास्ता

उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। भाजपा ने यहां के अपने सासंद हंसराज हंस का टिकट काटकर दलित चेहरे करोलबाग के रैगरपुरा निवासी योगेंद्र चंदोलिया पर दांव लगाया है। कांग्रेस से यहां दलित नेता उदित राज मैदान में उतरे हैं। इस लोकसभा क्षेत्र में शहरी इलाके के साथ कच्ची कालोनियां और ग्रामीण क्षेत्र जुड़ा है। यहां करीब 125 गांव और 200 से अधिक अनाधिकृत कालोनियां हैं, जो बेहतर बुनियादी सुविधाओं और मेट्रो कनेक्टिविटी की राह देख रही हैं। इस सीट से 2019 में भाजपा के हंसराज हंस जीते थे तो कांग्रेस प्रत्याशी उदित राज भी 2014 में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। साल 2009 में कांग्रेस की कृष्णा तीरथ ने इस सीट से जीत हासिल की थी। यह संसदीय क्षेत्र दिल्ली के सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में गिना जाता है। कांग्रेस प्रत्याशी उदित राज का पार्टी में ही काफी विरोध हुआ था। बाहरी होने के सवाल पर वह कहते हैं कि मैं 1980 से दिल्ली में हूं। जेएनयू में पढ़ाई की है। यहीं मेरी पोस्टिंग हुई। 2014 में सांसद बना। इसी इलाके में मेरी जमीन भी है, तो मैं बाहरी कैसे हो गया। ऐसे तो आधी से ज्यादा दिल्ली बाहरी हो जाएगी। वह लोगों से बता रहे हैं कि अपने सांसद कार्यकाल में उन्हें दो साल श्रेष्ठ सांसद चुना गया था। वह जनता दरबार लगाकर सबका काम करवाने की कोशिश करते थे। वह अपने बाद बने सांसद बने हंसराज हंस को निशाना बनाते हुए कहते हैं कि अगर मेरा काम अच्छा लगे तो ही मुझे वोट देना। इसके जबाव में भाजपा प्रत्याशी चंदोलिया का कहना है कि उदित राज ने पांच साल के कार्यकाल में कोई काम नहीं किया, सिर्फ जातिवाद की राजनीति की। इस कारण लोग उनसे नाराज हैं। हंसराज हंस सेलेब्रिटी थे, इलाकों में थोड़ा कम गए मगर मोदी सरकार ने क्षेत्र में 2200 करोड़ का एनआईटी बनाया। विकास कार्यों की झड़ी लगा दी। 50 बेड का होम्योपैथिक अस्पताल दिया। मैं लोगों से साफ कह रहा हूं कि अगर मैं सांसद बनता हूं तो आपको नई दिल्ली नहीं आना पड़ेगा, मैं क्षेत्र में रहूंगा। मैं इस सीट पर अपना वोट ट्रांसफर कर लिया है, किराए पर फ्लैट ले लिया है। 24 घंटे मेरा दफ्तर खुला रहेगा। आम आदमी की वादाखिलाफी से लोग गुस्से में हैं। यहां टैंकर माफिया का राज है। पानी की बड़ी समस्या है। राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड के लिए लोग परेशान हैं।

योगेंद्र चंदोलिया, उदित राज।

जेल, जमानत और जनतंत्र से जीत पाएंगे जनता के जज्बात

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रचार से कितनी बदलेगी चुनावी तस्वीर

राजपुरुष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है कि वह मीडिया में हेड लाइन मैनेजमेंट करने में महारथ रखते हैं, तो इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी कम नहीं है, मीडिया में हाईप पाना और चर्चा में बने रहना उन्हें खूब आता है। अंतरिम जमानत पर बाहर आते ही उन्होंने अपनी इस सियासी कला का नमूना पेश भी कर दिया। दिल्ली में तमाम लोगों ने इसे लेकर कहा कि 'अब रायता फैल गया है'। केजरीवाल का चुनावी प्रचार दिल्ली में जनता के जज्बात पर कितना असर डालेगा और आप-कांग्रेस की जीत की संभावनाओं को कितना बल प्रदान करेगा, यह तो समय बताएगा, लेकिन इतना तय है कि आप कार्यकर्ताओं को बूस्टर डोज वाला टॉनिक जरूर मिल गया है। वर्ना अभी तक केजरीवाल की पत्नी सुनीता जहां सहानुभूति की चादर ओढ़े रोड शो कर रही थीं, वहीं पार्टी के नेता 'जेल का जवाब वोट से' अभियान छेड़े हुए थे। जाहिर है, केजरीवाल के बाहर आने के बाद अब गठबंधन नए सिरे से चुनावी रणनीति बनाने में जुट गया है, जिसका असर अगले दो-तीन दिन में जमीन पर नजर भी आने लगेगा। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या केजरीवाल 25 मई को होने वाले मतदान से पहले उतने मत प्रतिशतों का इंतजाम कर पाएंगे, जितने दिल्ली में भाजपा को हराने के लिए जरूरी हैं। फिलहाल, केजरीवाल के प्रचार से इंडिया गठबंधन को कुछ फायदा होने की उम्मीद भले लगाई जा रही हो, लेकिन इससे कांग्रेस को पंजाब में नुकसान भी संभावित है, जहां आप और कांग्रेस दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं।

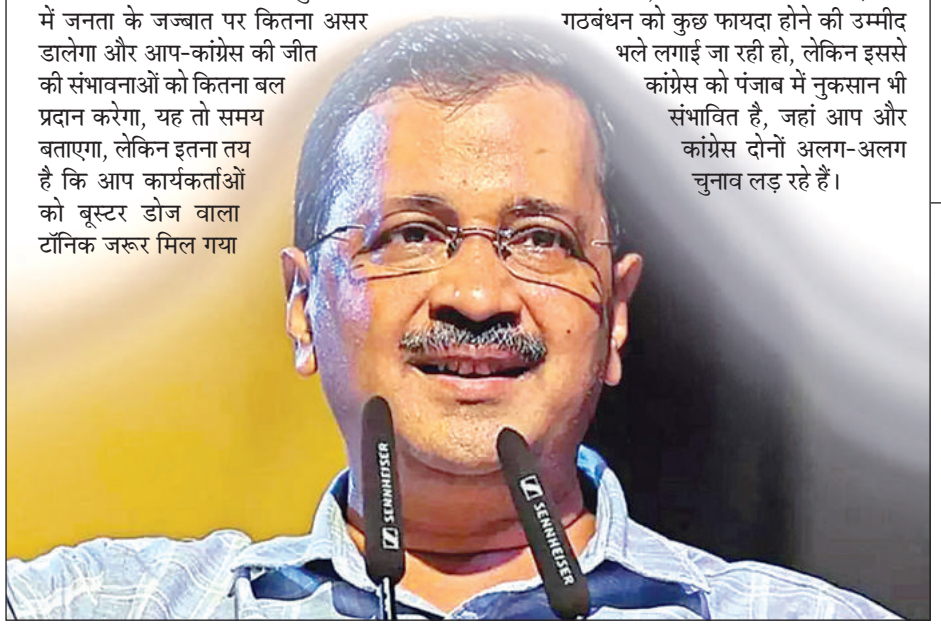

नई दिल्ली सीट: सुषमा स्वराज के संस्कारों की बांसुरी के सामने तीन बार के विधायक सोमनाथ भारती

नई दिल्ली लोकसभा सीट पर भाजपा ने अपनी दो बार की सांसद मीनाक्षी लेखी के स्थान पर दिवंगत वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को चुनाव मैदान में उतारा है। बांसुरी के सामने मुकाबले में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और तीन बार के विधायक वकील सोमनाथ भारती हैं। अपनी पहली चुनावी लड़ाई के लिए प्रचार कर रही बांसुरी हर भाषण में अपनी मां का जिक्र जरूर करती हैं। वह अपनी सौम्य मुस्कान के साथ मतदाताओं के साथ रिश्ता बनाते समय कहती हैं, मैं सुषमा स्वराज के संस्कारों का प्रतीक हूं, मैं कभी आपको निराश नहीं करूंगी। उधर, सोमनाथ भारती सांसद मीनाक्षी लेखी पर क्षेत्र की अनदेखी करने के साथ केंद्र की भाजपा सरकार को निशाना बना रहा हैं। 2019 के चुनावों में मीनाक्षी लेखी ने लगभग 55% (5.04 लाख) वोट हासिल किए थे। उन्होंने कांग्रेस के अजय माकन और आप के बृजेश गोयल को हराया था। अजय को 2.47 लाख और बृजेश को 1.50 लाख वोट मिले थे। 2014 के चुनाव में मीनाक्षी लेखी ने लगभग 47% (4.53 लाख) वोट पाए थे। उन्होंने कांग्रेस के अजय माकन और आप के आशीष खेतान को हराया था। अजय को 1.82 लाख और आशीष को 2.90 लाख वोट मिले थे, जो कि मीनाक्षी लेखी को मिले मतों से अधिक थे। यहां भी सोमनाथ भारती को जीत के लिए 2014 जैसे वोट शेयर की तलाश है।

बांसुरी स्वराज, सोमनाथ भारती।

पहले आडवाणी फिर शत्रुघ्न सिन्हा से किया था राजेश खन्ना ने मुकाबला

- नई दिल्ली सीट से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी भी 1777 और 1980 में सांसद चुने गए थे। 1991 से 96 के बीच इस सीट पर दो बार चुनाव हुए। भाजपा से लाल कृष्ण आडवाणी के सामने कांग्रेस ने सिने स्टार राजेश खन्ना को उतारा। कड़े मुकाबले में राजेश खन्ना 1589 वोटों से हार गए थे। लेकिन आडवाणी ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था। उन्होंने नई दिल्ली लोकसभा सीट छोड़ दी, इस पर 1992 में उप चुनाव हुआ तो भाजपा ने राजेश खन्ना के सामने शत्रुघ्न सिन्हा को उतार दिया। एक बार फिर बड़ा रोचक मुकाबला हुआ, लेकिन राजेश खन्ना ने जीत हासिल की।

दक्षिण सीट: दो विधायकों के संघर्ष में जाति-बिरादरी का समर्थन पाने के लिए जोर आजमाइश

दक्षिण दिल्ली लोककसभा सीट पर भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद रमेश बिधूड़ी को बदलकर इस बार रामवीर सिंह बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। रामवीर सिंह बिधूड़ी बदरपुर से विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। वहीं उनके मुकाबले आम आदमी पार्टी ने तुगलकाबाद से दो बार के अपने विधायक गुर्जर नेता सहीराम पहलवान पर दांव लगाया है। सहीराम इससे पहले बसपा में रह चुके हैं और दो बार पार्षद भी चुने गए थे। सहीराम दक्षिण दिल्ली नगर निगम के उप महापौर भी थे। इस बार लोकसभा क्षेत्र में मुकाबला बराबरी का माना जा रहा है। 2019 लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भाजपा के रमेश बिधूड़ी ने अपनी जीत कायम रखी थी। उन्होंने आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा को 3,67,043 वोटों के अंतर से हराया था। रमेश बिधूड़ी को 6,87,014 मत मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी के कर्नल देविंदर सेहरावत को शिकस्त दी थी। इस चुनाव में रमेश बिधूड़ी को 497980 और कर्नल देविंदर सेहरावत को 390980 वोट मिले थे। कांग्रेस के रमेश कुमार 125213 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

पश्चिमी सीट: अनुभव और नए चेहरे के बीच नजर आ रही है कड़ी टक्कर

पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट पर भाजपा नेता प्रवेश वर्मा 2014 में 2.68 लाख और 2019 में 5.78 लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे। इसके बावजूद भाजपा ने उनकी जगह पूर्व मेयर कमलजीत सेहरावत को मैदान में उतारा है। आम आदमी पार्टी ने यहां पूर्व सांसद महाबल मिश्रा पर दांव लगाया है। लोकसभा क्षेत्र में शहरी आबादी के साथ झुग्गी बस्तियां भी हैं। महाबल मिश्रा चुनाव प्रचार में भाजपा प्रत्याशी को यह कहकर घेर रहे हैं कि मैं पूर्व सैनिक हूं, पार्षद और तीन बार विधायक तथा एक बार सांसद चुना गया हूं। क्षेत्र में पहले भी काम किया है। इसके मुकाबले भाजपा की प्रत्याशी सहरावत मोदी की गांरटी का जिक्र करते हुए गांवों और अनाधिकृत कालोनियों में पार्क, ओपन जिम, सामुदायिक हॉल बनवाने के साथ बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा कर रही हैं। महाबल इस क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर 2009 में सांसद चुने गए थे। वह पूर्वांचल समाज पर पकड़ रखते हैं। दिल्ली के सीएम केजरीवाल के जमानत पर रिहा होने से पहले तक 'जेल का जवाब वोट से' अभियान चला रहे थे। वह अपनी जीत का आधार क्षेत्र में आने वाली सभी 10 विधानसभा सीटों पर आप पार्टी का कब्जा और जीत का अंतर 2.5 लाख होना बताते हैं। उधर, भाजपा को नया चेहरा होने के बावजूद संगठन पर भरोसा है। प्रवेश वर्मा की ही तरह कमलजीत भी जाट समुदाय से हैं। वह 2017 में पहली बार पार्षद बनीं और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की मेयर रही हैं। वर्तमान में भी पार्षद हैं।

चांदनी चौक : कांग्रेस के सामने यहां भगवा प्रचार से निपटने की चुनौती

चांदनी चौक लोकसभा सीट पर भाजपा-कांग्रेस ने वैश्य समाज के प्रत्याशी उतारकर व्यापारी वर्ग को साधने की कोशिश की है। यहां कांग्रेस के पुराने नेता जेपी अग्रवाल का सामना भाजपा के व्यापारी नेता प्रवीण खंडेलवाल से है। भाजपा ने दो बार से जीत रहे सांसद डॉ. हर्षवर्धन की जगह खंडेलवाल को मौका दिया है, जबकि कांग्रेस ने 2019 में चुनाव हारने वाले अग्रवाल पर भरोसा कायम रखा है। वह यहां से पहले जीतु के हैं, इसलिए कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार आप का साथ पाकर जीत का परचम फहरा देंगे। कांग्रेस प्रत्याशी को साफ-सुथरी छवि और पुराने रिश्तों का लाभ मिलने के साथ मुस्लिम मतदाताओं का एक मुश्त समर्थन मिलता नजर आ रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा चांदनी चौक का विकास कराने का फायदा भी उनके खाते में है। इसके मुकाबले खंडेलवाल बड़े व्यापारी नेता माने जाते हैं। व्यापारियों के विभिन्न मुद्दों पर उन्होंने केंद्र सरकार से समाधान निकालने की कोशिश की है। इस संघर्ष का चुनाव में उन्हें लाभ मिल रहा है। खंडेलवाल ने प्रचार भगवामय कर रखा है। कभी त्रिशूल तो कभी गदा लेकर निकल पड़ते हैं। ढोल की थाप पर जय श्री राम के नारे लगाती भीड़ साथ चलती है। रोड शो व जनसंपर्क में वह मोदी सरकार के कामकाज तथा राम मंदिर की स्थापना को गारंटी बता रहे हैं। 2019 में इस सीट से भाजपा के डॉ. हर्ष वर्धन ने कांग्रेस के जय प्रकाश अग्रवाल को 2.28 लाख वोटों से हराया था।

पूर्वी सीट: मिश्रित आबादी क्षेत्र में वोटों के गणित पर टिका जीत का समीकरण

पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर इस बार कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। यहां के भाजपा सांसद पूर्व क्रिकेटर ने चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा जताई थी। भाजपा ने यहां हर्ष मल्होत्रा को प्रत्याशी बनाया है वह मेयर रह चुके हैं। आम आदमी पार्टी ने विधायक कुलदीप कुमार को मैदान में उतारा है। इस लोकसभा क्षेत्र में पंजाबी, ब्राह्मण, गुर्जर, दलित और मुस्लिम के साथ उत्तराखंड के लोग बहुतायत में हैं। इस क्षेत्र में पॉश इलाके भी आते हैं, जिनमें विवेक विहार, प्रीत विहार, निजामुद्दीन ईस्ट, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी शामिल हैं। इसके अलावा जेजे क्लस्टर, त्रिलोकपुरी, कल्याणपुरी, खिचड़ीपुर, शाहीन बाग और ओखला जैसे इलाके भी शामिल हैं। भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों दलों के प्रत्याशी जनता से वादा कर रहे हैं कि चुने जाने पर वह क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई प्रदान करेंगे। इसके साथ ही दोनों एक-दूसरे के दलों को भी कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी मोदी की गारंटी और योजनाएं लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं तो आप प्रत्याशी बेटा बनकर आत्मीयता जोड़ने के साथ मुख्यमंत्री केजरीवाल को लेकर सहानुभूति बनाने का प्रयास करने में जुटे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट से भाजपा प्रत्याशी पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर 6,96,156 वोट पाकर जीते थे। कांग्रेस प्रत्याशी अरविंदर सिंह लवली 3,04,934 वोटों के साथ दूसरे स्थान और आप प्रत्याशी आतिशी मार्लेना 2,19,328 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रही थीं।

प्राचीन काल से संस्कृति आधारित राष्ट्र रहा है भारत

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

> सांप्रदायिक राजनीति आर्थिक नीतियों से जुड़े गरीबी-अमीरी, शिक्षा और स्वास्थ्य आदि मूलभूत प्रश्नों को महत्व नहीं देती। वे राजनीति में भी कट्टरपंथी मजहबी अलगाववाद चलाते हैं। सांप्रदायिक अलगाववादी जिस देश में रहते हैं,उस देश की संवैधानिक व्यवस्था से भी टकराते हैं। राजनीति वोट बैंक के तुष्टीकरण के कार्यक्रम बनाती है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने मुस्लिम संख्या वृद्धि के तथ्य उद्घाटित किए हैं। सलाहकार परिषद स्वतंत्र निकाय है। यह समय-समय पर तथ्य व आंकड़ों के आधार पर भिन्न-भिन्न विषयों पर परामर्श देती है। परिषद ने दुनिया के 167 देशों के जनसांख्यकीय चरित्र का अध्ययन किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के किसी भी देश में बहुसंख्यक आबादी की बढ़त नहीं दिखाई पड़ी है,लेकिन कई देशों में अल्पसंख्यक आबादी की बढ़त पाई गई है। भारत में मुस्लिम आबादी की संख्या बढ़ी है। मुस्लिम संख्या वृद्धि के ताजा आंकड़ों को लेकर देश में खासी बहस चल रही है।

भारत में हिन्दू मुस्लिम सहअस्तित्व सामाजिक पुनर्गठन की बड़ी चुनौती रहा है। गांधी जी ने हिन्दू मुस्लिम सहअस्तित्व के लिए आजीवन काम किया और अंत में कहा कि इस प्रश्न पर मेरी हार हुई। मुस्लिम राजनीति अन्य पंथों पर आक्रामक रही है। मुस्लिम साम्प्रदायिकता के कारण ही भारत का विभाजन हुआ था। गांधी जी ने मोहम्मद अली जिन्ना से पाकिस्तान की मांग न करने और साथ-साथ रहने का आग्रह किया था। इस सम्बंध में उन्होंने जिन्ना को (15 सितंबर 1944) पत्र लिखा था। उन्होंने जिन्ना से पूछा था कि, ''मजहब के अलावा हिन्दू और मुसलमान में क्या कोई और भी भेद है? मुसलमान शेष भारतवासियों से क्यों अलग हैं? जिन्ना ने जवाबी पत्र (17 दिसम्बर 1944) में लिखा था, ''हम मानते हैं कि मुसलमान और हिन्दू देश की किसी भी परिभाषा के आधार पर अलग-अलग कौमें हैं। हमारी संस्कृति, सभ्यता, भाषा, साहित्य, कला, कानून, परम्परा व इतिहास अलग-अलग है। जीवन के प्रति हमारा नजरिया भी अलग है। हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर अलग राष्ट्र हैं।" यह मुस्लिम लीग और जिन्ना का घोर साम्प्रदायिक दृष्टिकोण था। इस साम्प्रदायिकता के दृष्टिकोण को माने तो हिन्दू मुसलमान जब मिलकर रहते थे, तब भी मुसलमान अलग राष्ट्र थे। भारत के भीतर दो राष्ट्र थे। यह सोच अलगाववादी थी। वस्तुतः भारत प्राचीन काल से ही एक संस्कृति आधारित राष्ट्र है।

सांप्रदायिक राजनीति स्वयं को अलग राष्ट्र मानती रही है। मजहब आधारित जनसंख्या में बढ़त इसीलिए चिन्ता का विषय है। मजहब के आधार पर अलग राष्ट्र की मांग करना, इसके लिए लाखों लोगों की हत्या हिंसा किसी भी सूरत में उचित नहीं हो सकता। यह मानवता के विरुद्ध अपराध है। जनसंख्या के आधार पर ही मुस्लिम लीग ने अलग देश मांगा। भयंकर रक्तपात हुआ। इसलिए साम्प्रदायिक आबादी की बढ़त की कोई भी सूचना देश को चिंता में डाल देती है।

आंकड़ों के निष्कर्ष सत्य के उद्घाटन के लिए पर्याप्त हैं। अविभाजित भारत की अंतिम जनगणना 1941 में हुई थी। तब हिन्दू आबादी 84.44 प्रतिशत थी और मुस्लिम 13.38 प्रतिशत थे। मुसलमानों की इस संख्या में आज के पाकिस्तान और बांग्लादेशी मुस्लिम भी सम्मिलित थे। फिर देश का बंटवारा हुआ। भारत स्वतंत्र हुआ। कुल मुस्लिम आबादी की संख्या में पाकिस्तानी व बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या घट गई। स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना 1951 में हुई। तब पाकिस्तानी व बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या नहीं रही। इसलिए हिन्दू जनसंख्या का अनुपात 87.24 हो गया। मुस्लिम आबादी घटकर 10.43 हो गई। लेकिन 50 वर्ष बाद 2001 की जनगणना में हिन्दू घटकर 84.21 प्रतिशत हो गए। मुस्लिम आबादी का अनुपात अविभाजित भारत के 13.38 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया। आबादी के इसी अनुपात पर मुस्लिम लीग ने अलग देश की मांग की थी और पाकिस्तान अस्तित्व में आया था। इस तरह की जनसंख्या बढ़त से एक और मजहबी साम्प्रदायिक देश की जनसंख्या तैयार हो गई है।

सांप्रदायिक राजनीति आर्थिक नीतियों से जुड़े गरीबी-अमीरी, शिक्षा और स्वास्थ्य आदि मूलभूत प्रश्नों को महत्व नहीं देती। वे राजनीति में भी कट्टरपंथी मजहबी अलगाववाद चलाते हैं। सांप्रदायिक अलगाववादी जिस देश में रहते हैं, उस देश की संवैधानिक व्यवस्था से भी टकराते हैं। राजनीति वोट बैंक के तुष्टीकरण के कार्यक्रम बनाती है। कट्टरपंथी मजहबी राजनीति की मांगे खतरनाक हैं। वे तुष्टीकरण की साम्प्रदायिक राजनीति को सेकुलर कहते हैं। वस्तुतः सेकुलर विचार में आस्था और अंधविश्वास नहीं होने चाहिए। मजहबी राजनीति सेकुलर हो ही नहीं सकती। इस्लामी विचारधारा के अंतरराष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर डेनियल पाइप के अनुसार, ''दूसरे पंथों के विपरीत इस्लाम में सामाजिक जीवन के परिचालन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रोग्राम है। दूसरे पंथ केवल मौलिक मूल्यों के ही उपदेश देते हैं और भौतिक विषयों पर समय अनुसार विधान और नियम बनाने का काम समाज पर छोड़ देते हैं। इस्लामी राजनैतिक चिन्तन सुस्पष्ट ध्येय निर्धारित करता है। सभी मुसलमानों को इन नियमों का पालन अनिवार्य है। दूसरे पंथों में राजनीतिक क्रियाकलापों के लिए लिखित आदेश नहीं है। मुस्लिम विश्वास में ईश्वर पर विश्वास के साथ ही उनके पवित्र कानून भी हैं। यह कानून 'शरिया' कहा जाता है। यह राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। इस्लामी राजनीति में मजहब की प्रचंड प्रेरणा है।" (प्रोफेसर डेनियल पाइप-'इन द पाथ आफ गॉड' पृष्ठ तीन)

गांधी जी हिन्दू मुसलमान की साझा राष्ट्रीयता चाहते थे। वे असफल रहे। डॉक्टर आंबेडकर हिन्दू-मुसलमान के पक्ष पर गांधी जी से असहमत थे। डॉ. आंबेडकर ने लिखा है, ''गजनी के मोहम्मद ने भारत पर अपने अनेक हमलों को जेहाद छेड़ने की संज्ञा दी थी।" मोहम्मद के इतिहासकार अल उतबी ने उसके हमले के बारे में लिखा था, "उसने मंदिरों में मूर्तियों को तोड़ा और इस्लाम की स्थापना की। उसने शहरों पर कब्जा किया, नापाक कमीनों को मार डाला। मूर्ति पूजकों को तबाह किया और मुसलमानों को गौरवान्वित किया। तदुपरांत वह घर लौटा और इस्लाम के लिए की गई विजयों का ब्योरा दिया और यह संकल्प व्यक्त किया कि वह हर वर्ष हिन्द के खिलाफ जेहाद करेगा।" यही स्थिति अन्य हमलों की भी है। हजारों मंदिर तोड़े गए थे। श्रीराम जन्मभूमि, ज्ञानवापी काशी और मथुरा की घटनाओं के प्रसंग इस समय भी ताजा हैं।

यूरोप के अनेक देश मुस्लिम आक्रामकता को लेकर चिन्तित हैं। फ्रांस में पैगम्बर का कार्टून बनाने को लेकर भयानक हिंसा हुई। डेनमार्क में भी ऐसी ही साम्प्रदायिक हिंसा हुई थी। पाकिस्तान में ईश निंदा कानून के अंतर्गत ढेर सारे गैर मुसलमानों का उत्पीड़न जारी है। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर भी इसी तरह का हमला हुआ था। इसलिए जनसंख्या की बढ़त को लेकर चिंता स्वाभाविक है। भारत के लिए यह और भी चिंता का विषय है। मुस्लिम साम्प्रदायिकता के कारण ही देश टूटा था। अपनी इच्छा अनुसार जीवन ध्येय निर्धारित करना प्रत्येक मनुष्य का अधिकार है। विवेक आधारित जीवन रस का आस्वाद प्रत्येक मनुष्य की अभिलाषा है। अपने अनुभव और विश्वास के अनुसार जीने का अधिकार स्वाभाविक है। इसलिए कि प्रत्येक मनुष्य अद्वितीय है। अनूठा भी। किसी की जीवन पद्धति में हस्तक्षेप न करना और सबको अपने ढंग से जीवन जीने का अवसर मिलना प्राकृतिक न्याय है। दुनिया को सुन्दर बनाने की यह न्यूनतम शर्त है, लेकिन साम्प्रदायिक मजहबी राजनीति अपने मत को श्रेष्ठ और बाकी को 'इनकार करने वाला' मानती है और इनकार करने वालों के लिए सजा का औचित्य भी सिद्ध करती है। मुस्लिम जनसंख्या की बढ़त के प्रभाव का विवेचन जरूरी है। यह चिन्ता मुस्लिमों के विरुद्ध नहीं है। चिन्ता का विषय आक्रामक साम्प्रदायिकता और अलगाववाद से छुटकारा पाना है। भारत के राष्ट्रजीवन व संविधान में सभी आस्था समूहों का सम्मान है। इसलिए जनसंख्या का असंतुलन गहन रूप में विचारणीय है।

जमानत आसान: विधि वेत्ता हैरान

> अब जब वे जाएंगे, तो केजरीवाल की नजीर सामने होगी। ऐसे में न्यायालय शायद सोरेन का प्रार्थना पत्र भी खारिज न कर सके। बड़े वकील तो जेल में बंद अलगाववादी मुल्जिमों का भी मुद्दा यह कहकर उभार रहे हैं कि चुनाव प्रचार के लिए तो वे भी कोर्ट से आग्रह कर सकते हैं। तब क्या आदेश होंगे?

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

दिल्ली शराब घोटाले के आरोपी अरविंद केजरीवाल,जो तिहाड़ जेल में बंदी थे,को सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ,प्रचलित लोकसभा चुनावों में प्रचार हेतु अंतरिम जमानत दे दी है,उन्हें दो जून को पुनः समर्पण करना होगा। वे इस अवधि में मुख्यमंत्री पद से संबंधित कोई कार्य नहीं कर सकेंगे। शराब घोटाले पर कुछ नहीं बोल सकेंगे और न मामले से संबंधित गवाहों से बातचीत कर सकेंगे। इस ऐतिहासिक आदेश के कई प्रभाव स्पष्ट हैं।

विचाराधीन बंदी और अपराध करने का मन बना रहे लोग हृदय में प्रसन्न हैं,क्योंकि जमानत का एक नया और आसान आधार मुहैया हो गया है। चुनाव प्रचार को उच्चतम न्यायालय ने एक प्रकार से मानव की आवश्यक बुभुक्षा मान लिया है और स्वाभाविक है कि यह अधिकार सबको मिलेगा,क्योंकि संविधान में अनुच्छेद 14 में समानता का अधिकार संरक्षित है। वैसे भी न्याय की देवी आंखों में पट्टी बांधे दिखलाई जाती हैं,वे विभेद कर ही नहीं सकतीं। चुनाव तो देश में कहीं न कहीं होते ही रहते हैं। वे किसी स्तर के हों और सारा देश एक है तथा हर नागरिक को देश के किसी हिस्से में किसी चुनाव में प्रचार करने का हक है। रही बात बड़े छोटे की,तो जैसे बड़े नेता के लिए लोकसभा का चुनाव महत्व रखता है,वैसे ही गांव गिराव के नेता को ग्राम पंचायत चुनाव।

न्यायाधीश के लिए कोई बड़ा छोटा होता ही नहीं है। अलबत्ता इस निर्णय से विधि वेत्ता हैरान हैं। वे सोचते हैं कि अब तो विचाराधीन और सजा काट रहे जघन्य अपराधों में संलिप्तता वाले बंदी किसी न किसी चुनाव प्रचार हेतु जमानत मांगेगें,तब संगत न्यायालय कैसे इंकार कर पाएंगे? वे यदि मना करेंगे तो वह आदेश विभेदकारी होगा। कानूनविदों की सोच है कि इसके पहले इस आधार पर जमानतें मांगी गई थीं, जो नहीं प्रदान की गई।

हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री रहे,जेल काट रहे हेमंत सोरेन भी सुप्रीम कोर्ट जमानतार्थ गए थे,क्योंकि उनकी ऐसी अर्जी उच्च न्यायालय से खारिज हो गई थी। उच्चतम न्यायालय ने उनसे अगले हफ्ते आने के लिए कहा।

अब जब वे जाएंगे तो केजरीवाल की नजीर सामने होगी। ऐसे में न्यायालय शायद सोरेन का प्रार्थना पत्र भी खारिज न कर सके। बड़े वकील तो जेल में बंद अलगाववादी मुल्जिमों का भी मुद्दा यह कहकर उभार रहे हैं कि चुनाव प्रचार के लिए तो वे भी कोर्ट से आग्रह कर सकते हैं। तब क्या आदेश होंगे? बहरहाल,यह तो निकट भविष्य में साफ हो पाएगा कि उच्च और अवर न्यायालय इस बहस भरे बिंदु पर क्या रुख अपनाते हैं,किंतु एक नई बहस छिड़ तो गई ही है।

फिलहाल केजरीवाल प्रथम दृष्ट्या दोषी माने गए हैं,क्योंकि उन्हें पुनः समर्पण के आदेश हैं और घोटाले पर कुछ भी बोलने की मनाही की गई है। तथ्य यह भी है कि संप्रति उनकी गिरफ्तारी को अवैध करार देने वाली याचिका अनिर्णीत है।

चुनावों को प्रभावित करता सॉफ्टफेक

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

> कंटेंट बनाने वाली कंपनियों को इन वॉटरमार्क का इस्तेमाल कैसे किया जाना चाहिए, यह परिभाषित करने पर बारीकी से विचार करना चाहिए।

विगत फरवरी माह में इंडोनेशिया और पाकिस्तान में मतपत्रों के जरिए संपन्न हुए चुनावों में साफ झलक मिली कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकें चुनावी गतिविधियों में भी घुसपैठ कर चुकी हैं। यह चिंताजनक परिदृश्य है,जो तथ्यहीन सूचनाओं या फर्जी खबरों के प्रसार से कहीं ज्यादा व्यापक और दुष्प्रभावी है।

विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक जर्नल के अभी हाल के 9 अप्रैल 2024 के अंक में छपे लेख के अनुसार ट्विटर (अब एक्स) में मशीन लर्निंग, एथिक्स, ट्रांसपेरेंसी एंड अकाउंटेबिलिटी (मेटा) टीम की निदेशक रह चुकी रुम्मन चौधरी ने जनरेटिव एआइ (जीएआई) के जरिए चुनाव संबंधी गलत सूचनाओं की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए चल रहे बड़े पैमाने पर प्रयासों का ब्योरा दिया था। ऐसे प्रयासों में जेनरेटिव एआई के दुरुपयोगों का उल्लेख था,किंतु राजनेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा एआई का उपयोग अब ऐसे उद्देश्यों के लिए भी हो रहा है,जो दुर्भावनापूर्ण तो नहीं हैं,फिर भी वे गहरी नैतिक चिंताएं पैदा करते हैं। डीफफेक के साथ ही जेनरेटिव एआई 'सॉफ्टफेक' के युग की शुरुआत कर रहा है जिनसे ऐसी छवियां, वीडियो ऑडियो क्लिप बनाई जाती हैं,जो राजनीतिक उम्मीदवार को अधिक आकर्षक और जनप्रिय बनाती हैं,जबकि डीपफेक (डिजिटल रूप से परिवर्तित दृश्य मीडिया) और चीपफेक्स (कम गुणवत्ता वाले परिवर्तित मीडिया) आपत्तिजनक होते हैं।

सॉफ्टफेक अक्सर उम्मीदवार की चुनावी अभियान टीम द्वारा ही बनाए जाते हैं। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति चुनाव में विजयी उम्मीदवार प्रबोवो सुबिआंतो ने जीएआई पर बहुत अधिक भरोसा किया और खुद को एक जनप्रिय नेता के रूप में ब्रांड/प्रोजेक्ट करने के लिए कार्टून अवतारों का निर्माण और प्रचार किया। उन्हें 'जन जन प्यारा और गले लगाने वाला' नेता प्रोजेक्ट किया गया। यह एआई संचालित मेकओवर युवा मतदाताओं को आकर्षित करता था। एक उच्च रैंकिंग वाले सेना अधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मानवाधिकारों के हनन से उन्हें जोड़ने वाले आरोपों को खारिज करने के व्यापक प्रयास का यह एक हिस्सा था,जबकि चर्चित न्यूज एजेंसी बीबीसी ने उन्हें इंडोनेशिया का 'खूनी अतीत वाला" तक करार दिया था।

यही नहीं सुबिआंतो का समर्थन करने वाले एक समूह द्वारा इंडोनेशिया के दिवंगत हो चुके पूर्व राष्ट्रपति सुहार्तो की एक एआई जनित झूठी अपील 'गेट आउट टू वोट' का वर्चुअल रीमेक किया गया और डीपफेक का चतुर उपयोग भी किया गया। यह सब उनकी आश्चर्यजनक जीत में योगदान देने वाला माना जाता है। लाहौर,पाकिस्तान में स्थित शोध और वकालत के संगठन डिजिटल राइट्स फाउंडेशन की संस्थापक निघत दाद के अनुसार दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई

चुनावों में उम्मीदवारों के कई भाषाओं में बोलने,पुराने कर्णप्रिय गाने गुनगुनाने आदि के डीपफेक वीडियो की बाढ़ आ गई जिसमें नेताओं को वैसा जीवंत मानवीय रूप दिया गया है,जैसा कि उम्मीदवार स्वयं अभिनीत नहीं कर सकते।

अब प्रश्न यह है कि क्या किया जाना चाहिए? चुनावों में जीएआई के उचित उपयोग के बारे में वैश्विक दिशा-निर्देशों पर विचार किया जा सकता है,लेकिन वे क्या होने चाहिए? इस दिशा में कुछ आरंभिक प्रयास हुए हैं। उदाहरण के लिए यूएस फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन ने फोन कॉल में एआई जनरेटेड वॉयस के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है,जिसे रोबोकॉल के रूप में जाना जाता है। मेटा जैसे व्यवसायों ने कतिपय वॉटरमार्क लांच किए हैं,जो एक लेबल या एम्बेडेड कोड सरीखे होते हैं, जिन्हें किसी छवि या वीडियो में जोड़ा जाता है। हेर-फेर किए गए मीडिया को चिह्नित करने के लिए,लेकिन ये कम असरकारी और अक्सर स्वैच्छिक रुप से अपनाए जाने वाले उपाय हैं,जबकि डिजिटल संचार की में ठोस नियमों को लागू करने की आवश्यकता है,जो उन कंपनियों से जो एआई सामग्री उत्पन्न करती हैं। सोशल-मीडिया प्लेटफॉर्म,जो उन्हें वितरित करते हैं,सभी पर लागू हों।

कंटेंट बनाने वाली कंपनियों को इन वॉटरमार्क का इस्तेमाल कैसे किया जाना चाहिए? यह परिभाषित करने पर बारीकी से विचार करना चाहिए। वॉटरमार्किंग एक स्टैंप की तरह होनी चाहिए है या कंटेंट वितरकों द्वारा उठाए जाने वाले एम्बेडेड मेटाडेटा की तरह भी जटिल हो सकती है। कंटेंट वितरित करने वाली कंपनियों को न केवल गलत सूचना,बल्कि आधिकारिक,उम्मीदवार-समर्थित चैनलों के माध्यम से जारी किए जाने वाले चुनाव-अस्थिर करने वाले, अनुचित प्रभाव डालने वाले सॉफ्टफेक की निगरानी के लिए सिस्टम और संसाधन स्थापित करने चाहिए। अभी तक उम्मीदवारों के लिए कंटेट में वॉटरमार्किंग का प्रावधान नहीं है। इसे चुनाव संचालित करने वाली मशीनरी और नियामक संस्थाओं द्वारा अनिवार्य बनाना होगा। सोशल मीडिया नियंत्रित करने वाले प्रतिष्ठान ऐसे वाटरमार्क वाले या इनसे रहित कंटेंट के बारे में दर्शकों को उचित अलर्ट दे सकती हैं और उन्हें सूचित कर सकती हैं।

मीडिया आउटलेट सॉफ्टफेक पर स्पष्ट नीतियां बना सकते हैं। उदाहरण के लिए वे बस ऐसे एकाध डीपफेक की अनुमति दे सकते हैं जिसमें एक विजेता के भाषण का कई भाषाओं में अनुवाद किया जाता हो,लेकिन उम्मीदवारों का समर्थन करने वाले मृत राजनेताओं के डीपफेक की अनुमति नहीं होनी चाहिए। चुनाव विनियामक और सरकारी निकायों को चुनावी काल में कुकुरमुत्ते की तरह उगती उन कंपनियों की बारीकी से जांच करनी चाहिए,जो ऐसी नकली कंटेंट के निर्माण में संलग्न हैं।

जैसे न्यूयॉर्क शहर में स्थित एक एआई कंपनी इलेवन लैब्स के टेक्स्ट-टू-स्पीच और वॉयस इम्यूलेशन सॉफ्टवेयर को रोबोकॉल बनाने के लिए तैनात किया गया था जिसने जनवरी में न्यू हैम्पशायर के प्राथमिक चुनावों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को वोट देने से मतदाताओं को रोकने की कोशिश को नाकाम किया। ऐसे ही जेल की कोठरी से अपने 2024 के अभियान के आउटरीच के दौरान पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के सॉफ्टफेक बनाने के प्रयास भी हुए थे।

जीएआई उपयोगों पर चुनावी मानक स्थापित करना आवश्यक है। ऐसे कानूनों का एक लंबा इतिहास है,जो यह विनियमित करते हैं कि उम्मीदवार कब,कैसे और कहां प्रचार कर सकते हैं और उन्हें क्या कहने और क्या न कहने की अनुमति है? जागरूक नागरिकों की भी इसमें भूमिका है। हम सभी जानते हैं कि इंटरनेट पर जो सब कुछ उपलब्ध होता है,उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। अब हमें न केवल बदले हुए मीडिया को पहचानने के लिए सजगता विकसित करनी चाहिए, बल्कि यह सोचने की भावनात्मक इच्छा से भी बचना चाहिए कि अमुक उम्मीदवारों के सॉफ्टफेक कितने 'मजेदार' या 'प्यारे' हैं,जो अक्सर स्पष्ट रूप से एआई द्वारा जनित होते हैं। इसका लक्ष्य बस उम्मीदवार को पसंद करने योग्य बनाना है।

सॉफ्टफेक पहले से ही दुनिया के कुछ सबसे बड़े लोकतंत्रों में चुनावों को प्रभावित कर रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में भी इस समय सामान्य निर्वाचन का समय है। मतदाताओं को जागरूक रहने का वक्त है। कृत्रिम बुद्धि के ऐसे झांसों में न आकर विवेकपूर्ण मतदान करना ही बुद्धिमानी होगी।

समष्टीकरण

समष्टीकरण की प्रक्रिया भारत के लिए कोई नई बात नहीं है। जरूरत है-शब्द और भाषा को भेदने की। भारत की ज्ञान परंपरा आख्यानात्मक है,जीवन और प्रकृति के तत्वबोध को मनीषियों ने किसी न किसी कथानक या आख्यान के रूप में व्यक्त किया है। आधुनिक स्वतंत्रता संघर्ष और लोकचेतना के अध्येता के लिए यह चुनौती भरा काम है कि वह उस कथानक या आख्यान में समाए हुए उस तत्त्वबोध को,उन अवधारणाओं की पहचान करे।

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

शक्ति उपासना की परंपरा में एक ग्रंथ का नाम है दुर्गासप्तशती। दुर्गा सप्तशती के दूसरे अध्याय में महाशक्ति के प्रादुर्भाव की एक रूपक-कथा है,महिष से परास्त होकर देवता ब्रह्माजी के नेतृत्व में भगवान शंकर और विष्णु के पास गए। निवेदन किया कि भगवान। सूर्य, इंद्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण तथा अन्य देवताओं के अधिकार छीनकर महिषासुर स्वयं ही सबका अधिष्ठाता बना बैठा है। इस निरंकुशता की बात सुनकर चक्रपाणि विष्णु को क्रोध आया और उनके आवेश से एक तेज प्रकट हुआ। उनके तेज को देखा तो ब्रह्मा,शंकर तथा इंद्र आदि अन्य देवताओं के शरीर से भी बड़ा भारी तेज निकला। वह सब तेज मिलकर एक हो गया। वह तेज पुंज जलते पर्वत सा जान पड़ा,उसकी ज्वालाएं,सभी दिशाओं में व्याप्त हो गईं। वह देवी या व्यापक महाशक्ति अपनी हजारों भुजाओं से सभी दिशाओं को आच्छादित करके खड़ी थीं। रणभूमि में दैत्यों के साथ युद्ध करती हुई अंबिका देवी ने जितने निःश्वास छोड़े वे तत्काल सैकड़ों-हजारों गणों के रूप में प्रकट हो गए और असुरों का सामना करने लगे। सुमहत्तेजस्तच्चैक्यं समगच्छत,सभी के सात्विक आवेश से निकलने वाला वह महान तेज एक बन गया। विभिन्न दिशाओं में बिखरी हुई ऊर्जा को एक निश्चित दिशा मिली और वह संगठित हो गई।

अन्याय के विरुद्ध यह समष्टि का सात्विक क्रोध है। इसमें "मैं" और "मेरे" की राजस-तामस गंध नहीं और इस समष्टिगत और सात्विक क्रोध से एक तेज निकलता है और वह तेज भी समष्टि का तेज बन जाता है। वही महाशक्ति है। अन्याय-अत्याचार के विरुद्ध वह जागरण शक्ति है। सामूहिक शक्ति है। यह लोकचेतना है,अक्षय-ऊर्जा का अव्ययस्रोत। यदि आप इसे अभिधा में ही पढ़ना चाहते हैं और आपका आग्रह है कि यह तो हिस्ट्री है,देशकाल में घटित घटना का शब्दगत सच,तो वह आप जानें,किंतु यदि इसके अर्थ की गहराई में जाएं,व्यंजना को समझें तो एकता की महाशक्ति का स्वरूप बहुत स्पष्ट हो सकेगा।

किसकी हवा चल रही है

अनूप शुक्ल
कानपुर

> दोनों विरोधी नेताओं की प्रचार सामग्री एक ही प्रेस में छपी है। सोचते हैं अबकी बार कोई पूछेगा किसकी हवा चल रही है तो बता दूंगा- 'फ़लाने प्रिंटिंग प्रेस की हवा चल रही है।'

शहर में वोटिंग हो रही थी तो सुबह जरा आराम से उठे। अपना वोट दूसरे शहर में हैं। इसलिए यहां निश्चिंत सोते रहे। वहां होते तो शायद अब तक उंगली की नीली स्याही दिखाते हुए सोशल मीडिया पर फोटो सटा दिए होते। क्या पता अनगिनत नीली स्याही लगी उंगलियों को देखकर कोई विकास पुरुष कहता हो- "तुम मुझे उंगली दिखाओ,हम तुम्हें अंगूठा दिखाएंगे।"

दोस्तों से बात होती है तो कोई पूछता है-"वहां हवा किसकी चल रही है?" हम बताते हैं- ''हमें तो कोई हवा नहीं दिख रही।'' अभी तक तो किसी ने बताया नहीं कि वो अपना वोट किसको देगा। जिस भी दोस्त से बात हुई उसने यही पूछा- "यार ये मंहगाई भत्ते की बढ़ी किस्त अभी मिली नहीं। कुछ पता है कब तक आएगी?"

मन करता है अबकी कोई पूछे तो बता देंगे कि यहां तो सिर्फ 'मंहगाई भत्ते' की हवा चल रही है। क्या पता हम किसी का नाम ले देते तो वो गाने लगता जबलपुर में तो उनकी हवा चल रही है। फिर वह जबलपुर में किसी को फोन करके बताता- "तुमको पता नहीं जबलपुर में तो उसकी हवा चल रही है। दो-चार फोन के बाद वह हवा अंधड़ में बदल जाती और लोग आंख मूंदकर मान लेते। इसके बाद पड़ोसी को बताता- "अरे तुमको पता नहीं जबलपुर में तो फलाने की हवा चल रही है।" अगर वह पूंछता-"खबर पक्की है? तुमको कैसे पता चला?" उसको शायद जबाब मिलता-"हां एकदम पक्की खबर है। हमको कानपुर के लोगों ने बताया कि जबलपुर में फलाने जीत रहे हैं।"

अपने यहां यही हो रहा है। जबलपुर की हवा के बारे में कानपुर वाला बता रहा है। बिहार के बारे में नागालैंड वाला। आसाम के बारे में गुजरात वाला। दिल्ली के बारे में झुमरीतलैया वाला।

हाल यह है कि जो जहां नहीं है,वह वहां की हवा के बारे में बता रहा है,जो जिस जगह से जितना दूर है,उसके पास उस जगह के बारे में उतनी ही पुख्ता सूचना है। अमेरिका को तो भारत की हवा के बारे में इत्ती पुख्ता खबर है कि वहां विदेश मंत्रालय के पत्ते फेंट दिए गए। नारद जी ने नाम न बताने की विद्या कसम दिलाते हुए बताया है कि मीडिया पर भारत में बहती हवा को देखते हुए यमराज को अतिरिक्त ताकतों से लैस किया जा रहा है। हवा का ताजा रुख जानने के लिए मैं अखबार खोलता हूं। अखबार में एक साथ दो विरोधी पार्टियों के नेताओं की अपीलें लिपटीं हैं। एक ही साइज के पर्चे,एक ही छपाई में दोनों एक जैसे मुस्कराते हुए दिखते हैं। एक साथ लिपटे होने के कारण दोनों की तस्वीरें गले मिलतीं दिखीं।

अखबार खुलते ही दोनों अपीलें जमीन पर गिर जाती हैं। नीचे गिरी मुस्कराती तस्वीरें देखते हुए सोचता हूं- "इस देश के नेता को चुनाव जीतने के चक्कर में कितना तप करना पड़ता है,मुस्कराते हुए कितना गिरना पड़ता है।"

दोनों विरोधी नेताओं की प्रचार सामग्री एक ही प्रेस में छपी है। सोचते हैं अबकी बार कोई पूछेगा किसकी हवा चल रही है तो बता दूंगा-''फलाने प्रिंटिंग प्रेस की हवा चल रही है," लेकिन चुनाव में तो पैसा भी लगता है। आजकल बिना पैसे के चुनाव जीतता असंभव माना जाता है। हाल यह है कि जैसे प्राइवेट स्कूल वाले बच्चे के एडमिशन के पहले बच्चे के मां-बाप की आमदनी नापते हैं,उसी तरह राजनीतिक पार्टियां चुनाव में टिकट देने के पहले उम्मीदवार की टेंट देखते हैं। टिकट उसी को देते हैं,जो चुनाव में पैसा खर्च कर सके,बहा सके और जरूरत पड़े तो चुनाव आयोग से नजरें बचाकर लुटा भी सके। पैसा उम्मीदवार की साख से ज्यादा जरूरी है,क्योंकि चुनाव साख से नहीं पैसे से जीते जाते हैं। इमेज जरूरत होगी तो पैसे से बन जाएगी, लेकिन इमेज से पैसा नहीं पैदा होता न!

पहले चुनाव में पैसा कम लगता था,क्योंकि लोग चुनाव देश सेवा के लिए लड़ते थे। अपने पैसे से चुनाव लड़कर देश सेवा का शगल पूरा कर लेते थे,लेकिन इधर पिछले कुछ दशकों से देश सेवा धंधा बन गई है। धंधा बनने के बाद देश सेवा के काम में बहुत बरक्कत हुई है। अब पूरा बाजार और कारपोरेट देशसेवा का टेंडर भरता है। ग्लोबल कंपनियां तक इसमें अपना पैसा लगाती हैं। हाल यह है कि देश के कल्याण के लिए विदेशी तक बेचैन रहते हैं। ये सब मिलकर बाजार में शामिल हैं। बाजार देश सेवा का कोई ठेका अपने हाथ से जाने नहीं देता। एक-एक सीट के लिए कई-कई टेंडर भरता है बाजार। पक्ष में भी बाजार का आदमी होता और विपक्ष पक्ष में भी। चाहे इस पार्टी का उम्मीदवार जीते या उस पार्टी का देश सेवा का काम आखिर में बाजार को ही मिलना है। सोचते हैं अबकी बार कोई फोन करके पूछेगा किसकी हवा चल रही है तो बता देंगे उसको, ''यहां तो बाजार की हवा चल रही है।" आप बताओ आपके उधर किसकी हवा चल रही है?

बेरोजगारी से बढ़ती चिंता

> युवाओं के इस देश में जहां 100, बेरोजगारों में 83 युवा हैं तो ऐसे में देश की असल प्रगति कैसे संभव होगी? रोजगार सर्जन आने वाली सरकार की प्राथमिकता होगी,यह आशा की जानी चाहिए।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

हाल के अखबारो की सुर्खिया देखकर डर लग रहा है कि देश किस ओर जा रहा है। आज की एक इकोनॉमिक अखबार की खबर है कि तेल मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश की कुछ प्रमुख तेल और गैस कंपनियों ने 15700 जॉब्स घटा दिए, जबकि पिछले वर्षों में उनका राजस्व दो गुना हुआ है। यही नहीं देश के सर्वोच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को जॉब नहीं मिलने के आंकड़े इन दिनों की सुर्खियां बन रहे हैं। अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर के बीच बेरोजगारी की भयावह स्थिति बनी हुई है। हमें समझना होगा कि मजदूर पूंजी पैदा करता है,मजदूर समाज में सुख और शांति पैदा करता है। यह एक अन्याय पूर्ण व्यवस्था है कि अपने श्रम से पूंजी पैदा करने वाला नंगा और भूखा है और पूंजी का बड़ा हिस्सा पूंजीपतियों की तिजोरियों और बैंकों के खातों में जमा हो रहा है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआई) के हाउस होल्ड सर्वे में दावा किया गया है कि पिछले महीने में 47 लाख लोगों का रोजगार छिन गया जिसमें सबसे ज्यादा संख्या ग्रामीण एरिया में रहने वाले लोगों की रही है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2012 में लगभग एक करोड़ लोग बेरोजगार थे,जबकि 2022 में यह संख्या 2.29 करोड़ जा पहुंची। देश में श्रम बल का आकार लगातार घट रहा है,जो मार्च में 43.38 करोड़ से घटकर अप्रैल में 42.91 करोड़ रह गया जिसका सबसे ज्यादा प्रकोप ग्रामीण क्षेत्र में हुआ शहरी क्षेत्र में स्थिति मार्च जैसी ही है। युवाओं के इस देश में जहां 100, बेरोजगारों में 83 युवा हैं तो ऐसे में देश की असल प्रगति कैसे संभव होगी? रोजगार सर्जन आने वाली सरकार की प्राथमिकता होगी,यह आशा की जानी चाहिए।

लोकसभा चुनाव
महासंग्राम 2024
अमृत विचार
11
रविवार, 12 मई 2024
www.amritvichar.com

भाजपा में जल्द शामिल हो सकते हैं धनंजय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पार्टी के एक बड़े नेता से दिल्ली में हुई मुलाकात

अमृत विचार: जौनपुर लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी रही श्रीकला का टिकट कटने के बाद उनके पति धनंजय सिंह जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। शुक्रवार को धनंजय की मुलाकात नई दिल्ली में भाजपा के एक बड़े नेता से हुई है। धनंजय से शनिवार को भगवा स्लोगन लिखे एक पंक्ति में अपनी फोटो सोशल मीडिया में डालकर इशारा किया है। स्लोगन लिखा है कि ,होइहैं वही जो राम रचि राखा,। धनंजय का फोटो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। भाजपा समर्थक इस पोस्ट पर उनका स्वागत भी करते दिखे।

मालूम हो कि धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला जौनपुर से बहुजन समाज पार्टी से प्रत्याशी थीं। पांच दिन पहले उनका टिकट काट दिया गया। इसके बाद पूर्वांचल में इस सीट को लेकर तरह-तरह की कयासबाजी भी हुई। श्रीकला के पति धनंजय सिंह ने टिकट काटने को लेकर बसपा मुखिया मायावती पर नाराजगी भी जाहिर की थी। पांच दिनों तक चले आरोप-प्रत्यारोपों के दौर के बीच शनिवार को अचानक फिर धनंजय सिंह चर्चा में आ गए। कारण था भगवा रंग में लिखी पंक्ति के साथ

वायरल फोटो

धनंजय की फोटो सोशल मीडिया में वायरल होना। उधर, सूत्रों के मुताबिक धनंजय सिंह शुक्रवार को भाजपा के एक बड़े नेता से नई दिल्ली में मुलाकात की। भाजपा नेता द्वारा धनंजय सिंह से भाजपा की सदस्यता लेने और साथ ही जौनपुर के भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह की खुलकर मदद करने को भी कहा गया है। धनंजय द्वारा सोशल मीडिया में नए तेवर-कलेवर में आने के निहितार्थ भी निकाले जा रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि इस नए समीकरण के बाद धनंजय अपनी टीम के साथ भाजपा प्रत्याशी की मदद करेंगे। इससे भाजपा की सीट आसान होगी।

अयोध्या की राजनीति में सपा ने किया नया प्रयोग

लोकसभा की सामान्य सीट पर उतारा अनुसूचित वर्ग का प्रत्याशी

अंतर्धारा में जीत के लिए जातीय गणित साधने की कोशिश

सपा के नए दांव पर मतदाताओं में मंथन, तरह-तरह की चर्चा

राजेंद्र कुमार पांडेय,अयोध्या

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव में सपा ने अयोध्या में नया राजनीतिक प्रयोग किया है। सामान्य सीट पर अनुसूचित वर्ग से प्रत्याशी उतारा। इसकी अंतर्धारा में चुनाव की जातीय गणित साधने की कोशिश है। सपा की नई चाल पर मतदाताओं में मंथन के साथ चर्चा शुरू हो गई है। लाभ-हानि का विश्लेषण किया जाने लगा है।

भाजपा के साथ ही सपा के लिए अयोध्या राजनीतिक विकास की धुरी है। समाजवादी पार्टी की स्थापना ही उस समय हुई जब अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन चरम पर था। 4 अक्तूबर 1992 को सपा नई पार्टी के रूप में सामने आई। इसके पहले अयोध्या में कारसेवकों पर 30 अक्टूबर और 2 नवंबर 1990 का गोलीकांड हो चुका था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव मंदिर आंदोलन के विरोध के अगुवा बन गए थे। सच कहा जाए तो सपा अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के विरोध की उपज है। जितना आंदोलन तेज हुआ, समाजवादी पार्टी का ग्राफ भी उतनी ही तेजी से बढ़ा। छह दिसंबर 1992 को विवादित ढांचा ढहाए जाने के बाद सीएम कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली सरकार गई तो अगले चुनाव में सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव फिर मुख्यमंत्री बने। इसके बाद राजनीति में भाजपा और सपा के बीच चूहे बिल्ली का खेल शुरू हो गया।

सन् 1990 से बदली अयोध्या की सियासत में ऐसा देखने को नहीं मिला। प्रमुख किसी भी राजनीतिक दल ने यह प्रयोग नहीं किया। साल 1996, 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव हुए। सपा ने ही अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग से प्रत्याशी दिए लेकिन लोकसभा चुनाव में अनुसूचित वर्ग से प्रत्याशी मैदान में नहीं उतारा। अयोध्या लोकसभा जैसी सीट से दलित वर्ग से प्रत्याशी उतारने के पीछे जातीय गणित के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने का प्रयास है। सपा प्रत्याशी अनुसूचित जाति के पासी बिरादरी से आते हैं। सपा चुनाव में इसे सहेजना चाहती है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि सपा की सोच है कि उसके अपने वोट बैंक में इसके बढ़ने से स्थिति अच्छी हो सकती है। बता दें कि पिछले चुनाव में सप-बसपा गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में आनंदसेन प्रत्याशी थे। चर्चा आई की इस बिरादरी से उन्हें वोट कम मिले। इस रणनीति के पीछे एक कारण यह भी है। जानकार मानते हैं कि यह तो केवल एक पक्ष है। नए प्रयोग से खतरा भी है। कहते हैं कि मतदाता जागरुक हो गया है। वह राजनीतिक चालों को समझता है। जाति के नाम पर कुछ जुड़ेंगे तो कुछ हट भी सकते हैं। वैसे भी दौर अब जातीय सियासत से आगे बढ़ने की ओर है। मतदाताओं में भी सपा के नए प्रयोग पर मंथन है। चर्चा शुरू हो गई। मतदाता दबी जुबान चर्चा करते हैं कि यह राजनीतिक दलों की अपनी सोच है। अब मतदाता स्वयं अपने हित की सरकार और प्रत्याशी का बेहतर विकल्प स्वयं चुन लेता है।

राजनीति में उठापटक पसंद नहीं

फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र मिश्रित आबादी वाला क्षेत्र है। यहां हर वर्ग के लोग रहते हैं। साझी विरासत के वाहक है। सभ्य हैं, सुसंस्कृत है। चिंतन करते हैं। राजनीति में उठापटक पसंद नहीं है। राम की नगरी है इसलिए ज्यादातर मर्यादित आचरण करते हैं और दूसरों से ऐसी ही अपेक्षा करते हैं। आंदोलन के पक्ष व विपक्ष से प्रभावित हुए लेकिन अपवाद के रूप में विधानसभा चुनाव या फिर कुछ अवसरों को छोड़ दिया जाए तो जातिवाद के बहुत समर्थक नहीं महसूस किए गए। अच्छे प्रत्याशी चुनने की आदत है।

1998 में सपा को मिली थी जीत

सपा के गठन के बाद अब तक पांच लोक सभा चुनाव हो चुके हैं। यह लोकसभा का छठवां चुनाव है। सपा केवल सन 1998 में यह सीट जीत पाई। पूरी ताकत लगाई लेकिन फिर उसकी दाल नहीं गली। यह कसक सपा को है। जीत के लिए इस बार चुनाव मैदान में सपा ने नया प्रयोग किया है। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र सामान्य सीट है, लेकिन सपा ने सामान्य सीट पर अनुसूचित वर्ग से विधायक अवधेश प्रसाद को प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में भेजा है। वह मिल्कीपुर(सुरक्षित) से विधायक हैं। ऐसा करने में कोई रोक नहीं है लेकिन अमूमन ऐसा होता कम है। राजनीति के जानकार कहते हैं कि इसके पीछे लाभ के साथ हानि की भी संभावना होती है।

अवधेश प्रसाद

सपा की रणनीति उनके वोट बैंक में हो सकती है बढ़ोतरी

मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद

1996 से अब तक फैजाबाद से सांसद

वर्ष	सांसद
1996	विनय कटियार (भाजपा)
1998	मित्रसेन यादव (सपा)
1999	विनय कटियार (भाजपा)
2004	मित्रसेन यादव (बसपा)
2009	डॉ. निर्मल खत्री (कांग्रेस)
2014	लल्लू सिंह (भाजपा)
2019	लल्लू सिंह (भाजपा)

पिछले लोकसभा चुनावों के सपा प्रत्याशी

मित्रसेन यादव , हीरालाल यादव
अशोक सिंह, आनंद सेन यादव

भाजपा ने तैयार की राजनीतिक धारा

अयोध्या राजनीति की प्रयोगशाला रही है। भाजपा ने आंदोलन से अपनी राजनीतिक धारा तैयार की। फिर अयोध्या के जरिए सोशल इंजीनियरिंग को परवान चढ़ाया। सत्ता शीर्ष तक पहुंची। राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के जरिए इस चुनाव के लिए भी सोशल इंजीनियरिंग का प्रयास किया गया। बसपा ने अविभाजित फैजाबाद (अंबेडकरनगर) में सोशल इंजीनियरिंग पर धार रखी। एक समय जिले की पांचों विधानसभा सीटें जीती। सर्व समाज का नारा देकर प्रदेश के सत्ता शीर्ष तक पहुंच गई। राम मंदिर आंदोलन और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद सपा ने अयोध्या की प्रयोगशाला में एक नया प्रयोग डाल दिया है। इस पर धार रखी जा रही है। इसका परिणाम चार जून को आने के बाद फैसले की तस्वीर साफ होगी।

इलेक्शन बायस्कोप

लखनऊ के डालीगंज स्थित प्राचीन मनकॉमेश्वर मंदिर में लोकसभा चुनाव में लखनऊ सीट के भाजपा प्रत्याशी व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को 5 लाख से ज्यादा मतों से जीत दिलाने के लिए शनिवार को महंत देव्यागिरी द्वारा हवन किया गया। -अमृत विचार

हाथी के कदम तय करेंगे भाजपा और सपा का दम

प्रतापगढ़ और कौशांबी लोकसभा सीट पर मुकाबले को रोचक बना रहे हैं बसपा के प्रत्याशी

युवा प्रत्याशी दोनों सीटों पर अन्य प्रत्याशियों को दे रहे कड़ी टक्कर

लोकसभा सीटों पर पांचवें और छठे चरण में क्रमशः 20 और 25 मई को होना है मतदान

रवि प्रकाश सिंह, प्रतापगढ़

अमृत विचार: कौशांबी और प्रतापगढ़ दो लोकसभा सीटों पर पांचवें और छठे चरण में क्रमशः 20 और 25 मई को मतदान होना है। चुनावी अखाड़ा पूरी तरह सजा हुआ है। इसमें दांव आजमाने वाले पहलवानों पर जनता भी बारीकी से निगाह गड़ाए हुए है।

कौशांबी और प्रतापगढ़ में दो प्रमुख पार्टियों से दो युवा प्रत्याशी मुकाबले को रोचक बना दिये हैं। दोनों चेहरे भले ही राजनीति में नए हैं, लेकिन पार्टी के परंपरागत वोट और युवा वर्ग के समर्थन से चुनाव को दिलचस्प बना दिये हैं। कौशांबी और प्रतापगढ़ क्षेत्र की दोनों संसदीय सीटों पर बसपा ने एक सीट से युवा ब्राम्हण चेहरा और आरक्षित सीट पर राजनीति के नए चेहरे सेवानिवृत्त क्षेत्राधिकारी को उम्मीदवार उतारकर चुनाव में रोचक बना दिया है। राजनीतिक पण्डित यही गुणा गणित करने में लगे हैं कि यही हाल रहा तो हाथी के कदम से ही प्रतापगढ़ और कौशांबी में सपा और भाजपा का दम तय होगा।

प्रतापगढ़ संसदीय सीट पर भाजपा ने दूसरी बार संगम पर जताया भरोसा

प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता लोकसभा चुनाव में दूसरी बार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वह 2019 के चुनाव में वह पहली बार सांसद बने थे। 2017 में पहली बार सदर विधानसभा से विधायक चुने गए। 52 वर्षीय संगम कक्षा आठ पास हैं, समाज में स्वयं की बेहतर पकड़ बताते हैं। सपा के पूर्व एमएलसी और इंडी गठबंधन के प्रत्याशी डा. एसपी सिंह पटेल पहली बार लोकसभा के चुनाव मैदान में हैं। वनस्पति विज्ञान से एमएससी सपा प्रत्याशी डा .एसपी सिंह पटेल प्रतापगढ़ में वोटों के गुणा गणित में स्वयं को बेहतर बता रहे हैं। बहुजन

संगम लाल गुप्ता

डॉ. एसपी सिंह पटेल

प्रथमेश मिश्र

समाज पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरे 33 वर्षीय प्रथमेश मिश्र सेनानी लखनऊ विश्वविद्यालय से बीए व डा. राम मनोहर लोहिया अवध विवि से एलएलबी करने के बाद से सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रहे हैं। प्रथमेश पहली बार चुनाव मैदान में हैं लेकिन उन्होंने बचपन से घर में चुनाव का माहौल देखा है। राजनीति उनकी नसों में है। मौजूदा समय में प्रथमेश के पिता शिव कुमार मिश्र सेनानी और मां सिंधुजा मिश्र सेनानी भाजपा के सक्रिय सदस्य हैं। फिलहाल उनकी नजर बसपा के कहे जाने वाले वोटों के साथ ब्राह्मण वोट बैंक पर भी बनी हुई है।

प्रतापगढ़ लोकसभा मतदाता

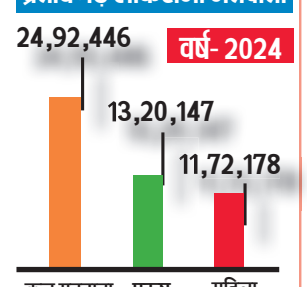

कौशांबी लोकसभा सीट पर लड़ाई हुई दिलचस्प

कौशांबी (अनुसूचित जाति) संसदीय सीट पर लड़ाई दिलचस्प दिखाई दे रही है। कैराना की इकरा हसन के बाद कौशांबी के पुष्पेंद्र सरोज दूसरे सपा उम्मीदवार है, जो सीधे लंदन से उत्तर प्रदेश की सियासी रणभूमि में उतरे हैं। लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से स्नातक पुष्पेंद्र का राजनीति से कोई सरोकार तो नहीं लेकिन पांच बार के विधायक और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री पिता इंद्रजीत सरोज से सियासी ककहरा सीखा है। अकाउंटिंग एंड मैनेजमेंट में बीएससी करने के लिए लंदन जाने से पहले देहरादून के वेल्हम बॉयज स्कूल में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। मिलनसार और लोगों के बीच हर परिस्थिति में अपने को संयोजित कर लेते हैं। जातीय समीकरण, उच्च शिक्षा और युवा के दम पर प्रतिस्पर्धी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दो बार से लगातार सांसद रहे विनोद सोनकर पर तीसरी बार भी भरोसा जताया है। इससे पहले विनोद सोनकर वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा के चुनाव में लगातार दो बार जीतकर देश की सबसे बड़ी पंचायत पहुंचे थे। बसपा प्रत्याशी शुभ नारायण गौतम चुनावी मैदान में पहली बार जरूर उतरे है, लेकिन राजनीति से इनका पुराना नाता रहा है। मूलरूप से यह देवरिया के रहने वाले गौतम छात्र राजनीति की उपज हैं। वर्तमान में प्रयागराज के गोविंदपुर में रहते हैं। यह पुलिस विभाग में क्षेत्राधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए है। भाजपा तीसरी बार इस सीट पर नजर गड़ाए है तो सपा गठबंधन पिछली हार का हिसाब बराबर करने की जुगत में दिखाई दे रही है। सपा और बसपा के सामने अपनों को जोड़कर साथ चलने की सबसे बड़ी चुनौती है।

विनोद सोनकर

पुष्पेन्द्र सरोज

शुभ नारायण गौतम

कौशांबी लोकसभा मतदाता

जनता को मिल रहा है डबल इंजन की सरकार का लाभ : स्मृति ईरानी

अमेठी : भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को सवनगी में नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। इस दौरान स्मृति इरानी ने डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि भादर विकास खंड में 34,000 गरीब परिवारों के पक्के मकान बने हैं। हर परिवार में महिलाओं को स्वच्छ शौचालय और उज्जवला गैस कनेक्शन मिले हैं। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर दिए हैं। महिलाएं कम्प्यूटर चलाने के साथ बिजली के बिल भी जमा कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ग्रामीण अंचल की महिलाओं को रोजगार देकर लखपती दीदी बना रहे हैं। स्मृति ने कहा डबल इंजन की भाजपा सरकार में अमेठी का विकास तेजी से हुआ। अमेठी की जनता को भाजपा की सरकार ने मेडिकल कॉलेज दिया है। लंबे अंतराल के बाद भाजपा ने अमेठी को सैनिक स्कूल देने का काम किया ।गांधी परिवार का कोई भी सदस्य अमेठी से चुनाव नहीं लड़ रहा है, यह अपने आप में एक संकेत है कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले ही अमेठी से अपनी हार स्वीकार कर ली है। इस लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा, भाजपा सभी 80 सीटें जीत रही है। जिला पंचायत सदस्य जगन्नाथ पांडेय और उनके सहयोगियों ने बड़ी माला से स्मृति का स्वागत किया। सभा को जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, भाजपा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष काशी तिवारी , मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह आदि मौजूद रहे।

चुनावी चक्कर

13 रुपए किलो चीनी की दुकान कहां है :

अमेठी की सांसद ने यहां की जनता को 13 रुपए किलो चीनी देने के वादे किए थे वही मै ढूंढ रहा हूं, अमेठी में 13 रुपए किलो चीनी की दुकान कहां है। यह बात कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने शनिवार को अमेठी विधानसभा क्षेत्र के ठेंगहा गांव में आयोजित जनसभा में कहीं। शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी व मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी पर निशाना साधते हुए कहा कि विरोधी लोग कहते हैं कि अमेठी में इन पैंतालीस सालों में क्या विकास हुआ? कहा कि उनका होमवर्क बहुत कमजोर है। अमेठी के लोगों में ये कहावत थी कि अगर न होता अमेठी में ऊसर तो राजा होते दऊ के दूसर । संजय गांधी के बाद राजीव गांधी ने जब कमान संभाली तो इस बात को समझकर अमेठी में नहरों का जाल बिछाया और सड़के बनवाई। 300 से अधिक फैक्ट्रियां स्थापित की। ऊसर सुधार के लिए भी कांग्रेस ने बहुत काम किया। पहले गरीबों के लिए इंदिरा आवास योजना के तहत उन्हें आवास मिलता था अब वही नाम बदलकर प्रधानमंत्री आवास देकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। कहा कि अमेठी से गांधी परिवार के सम्मान का रिश्ता है,अमेठी की जनता इस बार ज़बाब देगी। भाजपा की अलगाववाद की राजनीति को जनता भलिभांति से जान चुकी है। भाजपा के नेता अपनी होती हुई हार को देखकर पूरी तरह से हताश हैं, ऐसे में उनके वरिष्ठ नेता भी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं पर गलत आरोप लगा ईडी-सीबीआई का प्रयोग कर जेल भेजने पर तुली हुई है। इंडी गठबंधन की सरकार बनते ही सब खत्म हो जाएगा।

दर्द और दरिया के बीच इस बार भी करेंगे मतदान

300 से अधिक मतदाता हैं सीतापुर लोकसभा क्षेत्र के गांव अंदपुर में

साल भर पानी से घिरा रहता है असईपुर ग्राम सभा का गांव

गांव में अभी भी हैं नाम मात्र की सुविधाएं, ग्रामीण परेशान

नाव पर सवार हो नदी पार करते अंदपुर गांव के निवासी। अमृत विचार

जीशान कदीर, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश की राजधानी से सटे जनपद सीतापुर से करीब 90 किमी की दूर बिसवां तहसील और रेउसा ब्लॉक में स्थित घाघरा और शारदा नदी के से घिरे गांव अंदपुर के मतदाता इस बार भी 13 मई को नांव के सहारे मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करेंगे।

अंदपुर गांव असईपुर ग्राम सभा का मजरा है। 900 से अधिक आबादी वाले गांव के धनीराम, चन्द्रभाल, राजाराम बताते हैं कि बाढ़ आने पर गांव के लोगों की समस्या बढ़कर दोगुनी हो जाती है। गांव में आने- जाने के लिए पहले नाव का सहारा लेना पड़ता है, और अगर मतदान करना हो तो तीन किलोमीटर पैदल भी चलना पड़ता है।

प्राथमिक विद्यालय तो है लेकिन बंद रहता है

शारदा और घाघरा नदियों से घिरे गांव में प्राथमिक विद्यालय तो है, लेकिन अक्सर बंद रहता है। ये दावा ग्रामीणों का है। गांव के रवि, श्याम, सोनू बताते हैं कि उनकी पढ़ाई कक्षा पांच के बाद बंद हो गई। क्योंकि आगे की पढ़ाई को पूरा करने के लिए नदी पार करनी पड़ती, ऐसे में समस्याओं के चलते दूसरे गांव नहीं जा सके।

प्राथमिक विद्यालय का जर्जर कक्ष। अमृत विचार

आठ माह तक विद्युत आपूर्ति रहती है बाधित

शासन की ओर से गांव में बिजली की व्यवस्था तो कराई गई है, लेकिन साल में करीब आठ माह गांव वालों को बिना बिजली के ही रहना पड़ता। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरविंद वाजपेई बताते हैं कि विद्युत आपूर्ति लखीमपुर जनपद से आई है, लेकिन साल भर में बड़ी मुश्किल से चार महीने ही बिजली आती है। अधिकारियों से बात की जाए तो वे कहते हैं तार के सहारे जमीन में करंट न उतर आए, इसलिए विद्युत आपूर्ति बाधित की जाती है।

900 के करीब है आबादी

गांव की आबादी करीब 900 से अधिक है। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मतदाता की बात करें तो यहां पर करीब 300 से अधिक मतदाता हैं। अपनी समस्याओं को लेकर इस गांव के लोग जल सत्याग्रह भी कर चुके हैं बावजूद हालात जस के तस हैं। गांव के धर्मपाल, कल्लू, सुखई और मनीजर का कहना है कि हर बार की तरह इस बार भी वह सब नाव के सहारे दरिया को पार कर अपना पसंदीदा प्रत्याशी चुनने के लिए मतदान करेंगे।

अपनी ढपली अपना राग

विरोधी की गाड़ी में रुपया दिखे तो लपककर छीन लो, मैं भी आ जाऊंगा, गाड़ी में 10 लाख रुपया हैं, थानाध्यक्ष को एक लाख रुपए देना, 9 लाख रुपए अपने पास रख लो और मौज करो। - ओमप्रकाश राजभर

मणिशंकर अय्यर हो या कांग्रेस के सभी नेता, ये रहते भारत में हैं और गीत पाकिस्तान के गाते हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि रिश्ते में हम पाकिस्तान के बाप लगते हैं। -आचार्य प्रमोद कृष्णम

राहुल गांधी को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। जनता से कह रहे हैं है कि डरो मत,वह खुद अमेठी से डरकर वायनाड और फिर रायबरेली भाग गए हैं। -अनुपम मिश्र

तीसरे चरण के मतदान तक हताश हो चुके विपक्ष के नेता अब भगवान राम पर टिप्पणी करने लगे हैं। कोई कहता है कि राम मंदिर बेकार है तो कोई कहता है कि राम मंदिर से जनता को क्या लाभ है। -राघवेंद्र द्विवेदी

एक नजर

ग्रीष्म कालीन अवकाश 20 मई से 15 जून तक

अमृत विचार लखनऊ : बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों में 20 मई से 15 जून तक ग्रीष्मावकाश रहेगा। विद्यालय 18 मई से ही बंद हो जाएंगे। 19 मई को रविवार है। 16 जून को रविवार और 17 जून ईद उल अजहा का अवकाश होने के कारण स्कूल 18 जून को खुलेंगे।

बच्चों ने किया मतदान के लिए जागरूक

अमृत विचार लखनऊ : बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी में शनिवार को प्रातः 8 बजे से मतदान के लिए जागरुकता रैली निकाली गई। इस रैली में लगभग 600 छात्र-छात्राओं एवं 70 शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। ये रैली विद्यालय के पास-पड़ोस की कालोनियों से होते हुए विद्यालय पहुंची। रैली में शामिल सभी बच्चों और शिक्षकों ने 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में से सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की।

मोदी सरकार ने सेना व सैनिकों के भविष्य को अंधकार में धकेला

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मीडिया विभाग के चेयरमैन ने पत्रकार वार्ता कर लगाया आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मोदी सरकार ने न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा से समझौता किया बल्कि अग्निपथ जैसी योजना लाकर सेना और सैनिकों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। ये आरोप शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने लगाया।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे।

अभय के साथ पत्रकार वार्ता में मौजूद प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ सीपी राय, मीडिया कोऑर्डिनेटर गरिमा मेहरा दसौनी, चित्रा बाथम, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता, शुचि विश्वास ने कहा कि प्रदेश में वीरों का गौरवशाली इतिहास है। देश की स्वतंत्रता, अस्मिता और भूभागीय अखंडता के लिए उत्तर प्रदेश के वीरों ने प्राणों की आहुति दी है। 1857 की क्रांति में रानी लक्ष्मी बाई, बेगम हजरत महल, मंगल पांडेय और कारगिल युद्ध में शहीद कैप्टन मनोज पांडेय ने प्राणों की परवाह किये बिना प्रदेश की मिट्टी को गौरवान्वित किया।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार की अग्निपथ योजना लागू करने में सदन और भारतीय सेना की सहमति नहीं ली गई। हाल ही में पूर्व थल सेना अध्यक्ष एमएम नरवणे ने अपनी पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में इसका खुलासा किया है। पुस्तक में उन्होंने लिखा है कि अग्निपथ योजना की घोषणा ने तीनों सेनाओं को चौंका दिया था। इतना ही नहीं नरवणे ने अपनी किताब में यह भी लिखा कि अग्निवीरों का वेतन सिर्फ 20 हजार रुपये ही निर्धारित किया गया था। सेना के हस्तक्षेप के बाद इसे 30 हजार रुपये किया गया।

भाजपा ने शुरू किया मतदाता पर्ची वितरण

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर मतदाता पर्ची वितरित की। साथ ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की ओर से पिछले दस वर्षों में कराए गए विकास कार्यों से संबंधित पत्रक बांटे।

महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने शनिवार को अभियान की शुरुआत क। उन्होंने बूथ आवासीय पब्लिक स्कूल, गीतापल्ली वार्ड में घर-घर मतदाता पर्ची के साथ विकास कार्यों का पत्रक वितरण कर स्टीकर लगाया। भाजपा नेता नीरज सिंह ने पूर्व विधानसभा, पश्चिम विधानसभा में, उत्तर विधानसभा में विधायक डॉ. नीरज बोरा, मध्य विधानसभा में रजनीश गुप्ता ने पर्ची वितरण किया। इस दौरान लोकसभा चुनाव संयोजक मुकेश शर्मा, उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव, क्षितिज, गोविंद कन्नौजिया आदि मौजूद रहे।

बाबू सिंह को उम्मीदवार बनाने से नाराज बाबा दुबे का सपा से इस्तीफा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ इस्तीफे में दिया कुशवाहा के आपराधिक रिकॉर्ड का ब्योरा

अमृत विचार: बाबू सिंह कुशवाहा को जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए से नाराज पूर्व विधायक बाबा दुबे ने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। जौनपुर जिले के बदलापुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे बाबा का कहना है कि बाबू सिंह सपा की विपरीत विचारधारा के व्यक्त हैं।

पूर्व विधायक ने शनिवार को अपने त्यागपत्र में लिखा है कि मैंने जीवन में कभी निजी व राजनीतिक जीवन में सिद्धांतों के विपरीत रहने वाले व्यक्त का कभी समर्थन या प्रचार नहीं किया है। न ही वर्तमान में ऐसा करना स्वीकार करूंगा। इसलिए समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग रहा हूं। यह पत्र उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नाम लिखा है।

बाबा दुबे वर्ष 2012 में पहली बार सपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था। उनकी गिनती उद्योगपतियों में भी होती है। उन्होंने अपना पहला चुनाव वर्ष 2004 में जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से बसपा के टिकट पर लड़ा था। इस चुनाव में वह सपा के पारसनाथ यादव से हार कर गए थे। उन्होंने 2009 में सपा के टिकट पर रारी विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ा था। सपा के टिकट पर 2017, 2022 में भी चुनाव लड़ा था। अपने पत्र में बाबा ने बाबू सिंह कुशवाहा की ओर से चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे में बताए गए आपराधिक मुकदमों का भी उल्लेख किया है।

10 वर्षों में दुनिया ने मोदी का ट्रेलर देखा, पिक्चर अभी बाकी : राजवीर

निज संवाददाता : बख्शी का तालाब

▸▸ बख्शी का तालाब के बड़ी बाजार में भाजपा का पिछड़ा वर्ग सम्मेलन

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नारा दिया था कि अबकी बार पूर्ण बहुमत की सरकार। वर्ष 2017 के चुनाव में कहा था कि 300 पार तो हमने 375 सीटें जीतीं। 2024 के चुनाव में एक-एक सीट का आकलन करने के बाद मोदी ने 400 पार का नारा दिया है।

नारा सफल होता देख विपक्षियों को नींद नहीं आ रही है। दुनिया ने 10 साल में मोदी का ट्रेलर ही देखा है, असली पिक्चर अगले पांच वर्ष के कार्यकाल में देखेगी। ये बात मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र में हुए कार्यक्रम में एटा सांसद राजवीर सिंह राजू भईया ने कही। मोहनलालगंज क्षेत्र के बख्शी का तालाब बड़ी बाजार में शनिवार को भाजपा का पिछड़ा वर्ग सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें राजवीर ने कहा कि जो काम देश में 70 वर्षों में नहीं हुआ, उसे भाजपा की सरकार ने 10 वर्षों में करके दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी की हर घर जल, हर घर नल योजना भी ग्रामीण क्षेत्रों में साकार हो रही है। आने वाले समय में गैस भी पाइप लाइनों से सप्लाई होगी।

इंडी गठबंधन के हर प्रत्याशी को अपना भरपूर समर्थन दें

अमृत विचार, लखनऊ : लोक सभा चुनाव पर दुनिया भर की निगाहें लगी हुई हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि पिछले 10 वर्ष से भारत के लोकतंत्र की लगातार हत्या हो रही है। सामाजिक सद्भाव सरकार द्वारा खत्म किया जा रहा है। यह आरोप शनिवार को इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस अमेरिका के प्रेसिडेंट मोहिंदर सिंह ने गोमती नगर स्थित एक होटल में लगाया। मोहिंदर सिंह ने कहा कि सरकार संविधान बदल कर दलितों और पिछड़ों का आरक्षण समाप्त करना चाह रही है। इस दौर में सिर्फ एक उम्मीद राहुल गांधी ही हैं। इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के दुनिया भर के लोग इसीलिये भारत में आये हैं। मीडिया के माध्यम से देश की जनता से अनुरोध करना चाह रहे हैं कि देश को मजबूत बनाने और संविधान की रक्षा के लिये इंडिया गठबंधन के हर प्रत्याशी को अपना भरपूर समर्थन दें।

सपा, बसपा व कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ सपा के पूर्व मंत्री मतेश सोनकर प्रदेश सचिव प्रदीप सिंह बब्बू और उप्र कांग्रेस के प्रवक्ता रहे जीशान हैदर हुए शामिल

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान से पहले समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बसपा के कई नेताओं ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। सपा के पूर्व मंत्री मतेश सोनकर, प्रदेश सचिव प्रदीप सिंह बब्बू और उप्र कांग्रेस के प्रवक्ता रहे जीशान हैदर को भाजपा मुख्यालय पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इसके अलावा अश्विनी सिंह कुशवाहा, चंद्र प्रकाश सिंह और बब्बू जायसवाल जैसे स्थानीय नेता भी भाजपा की सदस्यता ले चुके हैं। प्रतापगढ़ से आशुतोष त्रिपाठी, अंबेडकर नगर हेमलता, लंबुआ से

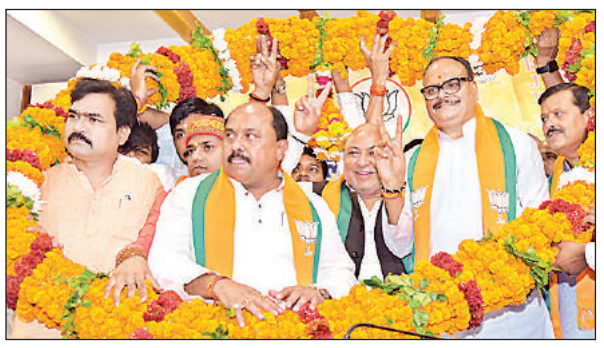

भाजपा कार्यालय में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और विभिन्न दलों से आए नेताओं का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

चुनाव लड़ चुके अवनीश कुमार सिंह ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। विधानसभा चुनाव लड़ चुके कौशांबी के चंद्रावली पटेल और बांदा से बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल निषाद भी भाजपा में शामिल हुए हैं। सीतापुर से अशोकानंद गिरि महाराज, शाहजहांपुर से प्रदेश अध्यक्ष माध्यमिक वित्त विहीन विद्यालय की रेनू मिश्रा, और बलिया से अंजनी उपाध्याय ने भी भाजपा की सदस्यता ली।

ब्रजेश पाठक ने किया स्वागत

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि ये नेता अपने-अपने दलों और क्षेत्रों के मजबूत और जनता के बीच लोकप्रिय नेता हैं भाजपा परिवार में उनका स्वागत है। भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर ये पार्टी में आए हैं। माना जा रहा है कि प्रदीप सिंह बब्बू एवं जीशान हैदर के भाजपाई बन जाने के बाद लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के साथ ही लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र में हो रहे उपचुनाव पर भाजपा के पक्ष में इसका प्रभाव दिखेगा।

मतदाता जागरूकता के लिए बांटे जाएंगे पंफलेट

अमृत विचार, लखनऊ : लोकसभा और पूर्वी विधानसभा उपचुनाव सीट पर मतदान के लिए नगर निगम और एलडीए मतदाताओं को जागरूक करेगा। नगर निगम मतदाताओं को जागरूक करने के लिए पंफलेट बांटेगा। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने मतदाता जागरुकता को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि नगर निगम गृहकर एवं जलकर का भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को उनके मोबाइल पर सप्ताह में तीन बार एसएमएस भेजकर मतदान के लिए जागरूक करेगा। निगम की ओर से पेड होर्डिंग्स पर सात दिनों तक मतदाता जागरुकता के संबंध में ही प्रचार-प्रसार करेगा। कालोनियों में सफाई कार्य के लिए लगे वाहन भी गीत के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए जागरूक करेंगे। स्मार्ट सिटी और सूचना विभाग की स्क्रीन पर चुनाव आयोग की ओर से जारी की गई मतदाता जागरुकता के संबंध में फिल्म एवं स्लोगन का प्रसारण किया जाएगा।

निदेशक प्रशासन के निर्देश की स्वास्थ्य महानिदेशक से पहले उनके पास भेजी जाएं पत्रावली

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग में महानिदेशक डॉ.ब्रजेश राठौर और निदेशक(प्रशासन) डॉ.राजा गणपति के बीच अधिकार को लेकर वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई है। निदेशक प्रशासन ने निदेशालय की हर पत्रावली खुद के पास भेजने के निर्देश जारी किये तो पलटकर महानिदेशक ने आदेश जारी किया फाइलें पूर्व की भांति ही भेजी जाएंगी, मुखिया होने के नाते पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से निदेशक प्रशासन के समक्ष भेजने का कोई औचित्य नहीं है। निदेशक प्रशासन डॉ.राजागपति ने गुरुवार को निर्देश दिये की महानिदेशक के समक्ष जाने से पहले पत्रावलियां उनके सामने लाई जाये। यह निर्देश महानिदेशालय के सभी 20 विभागों पर लागू किया गया है। अधिकारों की कटौती होते देख अगले ही दिन शुक्रवार को महानिदेशक ने शासनादेश के तहत

> प्रशासनिक दृष्टिकोण से पत्रावलियां, विभागाध्यक्ष के माध्यम से ही प्रस्तुत किया जाना चाहिये। इसमें किसी के अधिकारों का हनन नही है। संबन्धित शासनादेश के क्रम में ही निर्देश जारी किये गये हैं।
>
> -डॉ.राजा गणपति, निदेशक प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग

> निदेशक प्रशासन के पास लिपिक संवर्ग की जिम्मेदारी होती है, बावजूद विभाग के अधिकांश विभागों में हस्तक्षेप किया जा रहा है। उक्त आदेश महानिदेशक के अधिकारों का हनन है।
>
> -डॉ.अमित सिंह, महामंत्री पीएमएस, उप्र.

▸▸ सीधे किसी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेंगे स्वास्थ्य महानिदेशक

उक्त आदेश का खंडन करते हुए कहा कि बतौर मुखिया पत्रावलियां सीधे उनके पास आनी चाहिये। पत्रावलियों में किसी भी प्रकार के अन्य अधिकारी के अनुमोदन या हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। शुक्रवार को इस पत्र के जारी होते ही निदेशक प्रशासन डॉ.राजागणपति ने पुनः शासनादेश 13 जनवरी 1982 का हवाला देते हुए बतौर विभागाध्यक्ष समस्त पत्रावलियां उनके पास भेजने के लिए निर्देश दिये हैं।

स्कूली बच्चों ने निकाली मतदाता रैली

अमृत विचार, लखनऊः ड्रीम इंडिया स्कूल इंदिरानगर के विद्यार्थियों ने शनिवार को प्रिंसिपल डॉ. रचना सक्सेना के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली क्षेत्र के विभिन्न रास्तों से गुजरते हुए वापस स्कूल परिसर पर समाप्त हुई। रैली में बच्चों ने सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो जैसे विभिन्न नारों के द्वारा लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया। डॉक्टर सक्सेना ने कहा कि भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। भारत के नागरिकों को शत प्रतिशत मतदान देकर एक सशक्त सरकार का निर्माण करने में अहम भूमिका निभाना चाहिए।

नौ मानकों से परखा जाएगा आश्रम पद्धति वाले सीबीएसई के स्कूलों का प्रदर्शन

राजीव शुक्ला, लखनऊ

अमृत विचार: आश्रम पद्धति वाले सीबीएसई के 40 स्कूलों को भी अब नौ मानकों पर परखा जाएगा। इसके लिए इन स्कूलों में ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। इसके लिए समाज कल्याण विभाग दसवीं और बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित होने का इंतजार कर रहा है।

समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि ग्रेडिंग सिस्टम में तय अंकों के आधार पर विद्यालयों का मूल्यांकन कर उन्हें गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज श्रेणी की रैंकिंग दी जाएगी। हर श्रेणी में टॉप 10 विद्यालयों को रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यालयों का मूल्यांकन वर्ष में पांच बार होगा। मई, अगस्त, अक्टूबर, दिसंबर (अर्द्धवार्षिक परीक्षा) और फरवरी में (वार्षिक परीक्षा) के बाद। मई से अक्टूबर के बीच तीन बार यूनिट टेस्ट कराए जाएंगे।

▸▸ 94 आश्रम पद्धति विद्यालय प्रदेश में हैं संचालित, 40 स्कूल सीबीएसई से हैं संबद्ध

▸▸ 10वीं और 12वीं की परीक्षा के परिणाम का इंतजार कर रहा समाज कल्याण विभाग

ग्रेडिंग के लिए नौ मानक बनाए गए हैं। मानकों के आधार पर सौ नंबरों का एक प्रारूप तैयार किया जा रहा है। पहले मानक में छात्रों और शिक्षकों की मासिक उपस्थिति के दस-दस अंक होंगे। 91 सो 100 फीसदी तक उपस्थिति पर दस अंक, 81 से 90 फीसदी उपस्थिति पर आठ अंक तय किए गए हैं।

इसी क्रम में 50 फीसदी से कम उपस्थिति पर शून्य अंक दिए जाएंगे। इसी तरह हाईस्कूल और इंटर के परीक्षा परिणाम, पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक और खेलकूद की उपलब्धियों, विद्यालय की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था, नवाचार, समयावधि में पाठ्यक्रम की पूर्णता, ऑनलाइन शैक्षणिक कार्यक्रम, स्कूल की क्रियाशीलता और विद्यालय के छात्र-छात्राओं के सीयूईटी, नीट, जेईई और क्लैट की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन को मानकों में रखा गया है।

बता दें कि समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में आश्रम पद्धति के तहत 94 विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 54 यूपी बोर्ड के हैं।

वर्ग पहेली-67

बाएं से दाएं

1. महीने-महीने, हर महीने, मासिक, प्रतिमास।
3. रोब, रुआब, दबदबा।
6. आसमान में उड़ने वाला जहाज़, वायुयान।
9. बड़े-बड़े टुकड़ों वाला काला नमक।

ऊपर से नीचे

2. बेतार प्रणाली (वायरलैस) द्वारा इंटरनेट के माध्यम से कंप्यूटरों में परस्पर संपर्क स्थापित करने तथा सूचना एवं आँकडों को आदान-प्रदान करने का एक स्थानीय संचार जाल (लोकल एरिया नेटवर्क) जिसके लिए उच्च आवृत्ति की रेडियो तरंगों का प्रयोग किया जाता है।
4. 1. किसी शुभ अवसर पर अथवा किसी अच्छे कार्य के पूर्ण होने पर दिया जाने वाला संदेशा, मुबारकबाद 2. शुभ अवसर पर गाया जाने वाला गाना; मंगलाचार 3. बधावा, उत्सव 4. उक्त शुभ अवसर पर संबंधियों को दिया जाने वाला धन।
5. 1. व्यवस्थापक 2. प्रबंध करने वाला, प्रबंधक 3. एक पदवी।
7. हाथी की पीठ पर रख कर ले जाई जाने वाली पुरानी तोप, गजनाल।
8. 1. स्वर्ग 2. पानी, जल 3. ब्रह्म 4. पृथ्वी 5. सहारा, आश्रय 6. दूध पीने वाला बछड़ा 7. किसी वस्तु को सुरक्षित रखने का स्थान 8. अग्नि 9. संमति।

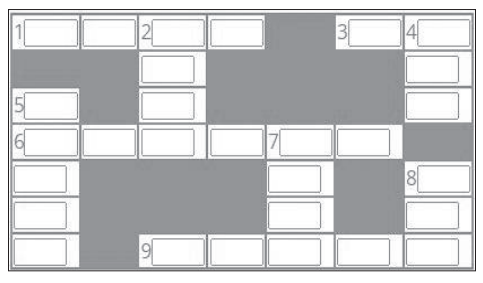

वर्ग पहेली -66 का हल

	1 सौ			2 जु		
3 जा	र	क		4 अँ	ग	ना
	दि		5 उ		जु	
6 जी	व	नो	प	यो	गी	
	स		जी			7 पू
8 भा			व			र
9 न	वी	नी	क	र	ण	

सुडोकू-146

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		3
	2				3			4
	5							7
		3	4					
		8				9		
		1		7	9	6		
6			8				1	
4			9					
7		9						

सुडोकू -145 का हल

9	5	1	2	6	7	4	3	8
2	7	8	3	4	5	6	1	9
6	4	3	9	8	1	2	7	5
3	2	5	1	7	9	8	4	6
4	8	9	6	2	3	1	5	7
7	1	6	8	5	4	3	9	2
5	6	7	4	1	2	9	8	3
1	3	2	7	9	8	5	6	4
8	9	4	5	3	6	7	2	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 मई रविवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-पंचमी 13 मई 02 .03 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

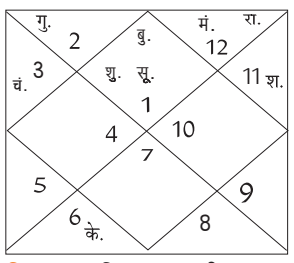

दिशाशूल-पश्चिम। ऋतु-ग्रीष्म। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-आर्द्रा 10 .27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष आज विवाह से जुड़े मामलों में परिवार में चर्चा हो सकती है। संभव है कि आप परिजनों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाएं। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। व्यवसाय में लाभ तो होगा, लेकिन तनाव भी बढ़ सकता है। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृष आज प्रतिद्वंद्वी आपके सामने कमजोर पड़ेंगे। वैवाहिक जीवन की परेशानियों का निवारण होगा। आप घर पर आराम करना पसंद करेंगे। धार्मिक कार्यों में आप काफी रुचि लेंगे। अधिकारियों से आपको काफी अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी।

मिथुन आज महंगे उत्पादों की खरीदारी में धन खर्च हो सकता है। गुप्त शत्रुओं से छुटकारा मिल सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार मिल सकता है। व्यापार में आपको पार्टनरशिप करनी पड़ सकती है।

कर्क आज धन की उधारी करने से बचना चाहिए। परिजनों से आप नाखुश हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन तनावपूर्ण हो सकता है। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले आपको उसकी योजना अच्छी तरह से बना लेनी चाहिए।

सिंह आज का दिन कार्यक्षेत्र के दृष्टिकोण से भाग्यशाली रहेगा। समाज में आपका यश बढ़ेगा। बच्चे पढ़ाई में काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप अपनी कमियों का मूल्यांकन करेंगे जिससे आपके काम की गुणवत्ता में निखार आएगा।

कन्या आज अटके हुए मामलों को समझदारी पूर्वक सुलझा लेंगे। पिता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपकी योजना सफल होगी। वैवाहिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। विदेशों में रह रहे प्रवासियों के लिए दिन शानदार है।

तुला आज अपनी व्यवसायिक नीतियों में बदलाव ला सकते हैं। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, किंतु किसी पुरानी गलती को लेकर पश्चाताप होगा। आपको बोलते समय शब्दों पर नियंत्रण रखना चाहिए। छात्र पढ़ाई को लेकर काफी गंभीर रहेंगे।

वृश्चिक आज अपनी कार्यप्रणाली में कोई बड़ा बदलाव न करें। गर्भवती महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना होगा। शांत होकर परिस्थितियों का अवलोकन करें। असंतुलित खानपान के कारण गैस और पेटदर्द की समस्या हो सकती है।

धनु आज राजनेताओं के जनसंपर्क का दायरा विस्तृत होगा। घर में मेहमानों का आगमन होने की संभावना है। योग और मेडिटेशन को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। बीमार लोगों की सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

मकर आज गलतफहमी को लेकर रिश्तों में अनबन हो सकती है। भावनाओं में बहकर महत्वपूर्ण बातों को सबके सामने शेयर न करें। व्यवसाय में गति सामान्य रहेगी। आपको कारोबार में बड़े बदलाव करने से बचना चाहिये। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

कुंभ आज सरकारी जॉब कर रहे लोग छुट्टी के लिए विचार कर सकते हैं। संतान की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। घर के लिए किसी महंगे सामान की खरीदारी कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों को लेकर एकाग्र रहेंगे, लेकिन आप अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

मीन आज युवाओं को अपने करियर की चिंता रहेगी। अनावश्यक यात्रा करनी पड़ सकती है। धार्मिक क्रियाओं में आपका मन लगेगा। पीठ के दर्द से जूझना पड़ सकता है। घर के सदस्यों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

आज की फिल्में

होते होते प्यार हो गया	दोपहर : 12 .00	सीजे 7	सुबह : 11 .09
देवता	रात : 07 .48	जस्टिस लीग	रात : 09 .00
सर्कस	सुबह : 10 .57	ब्लैंक	सुबह : 09 .10
कंजूस मक्खीचूस	रात : 08 .00	भारत	शाम : 04 .25
		रुद्रन	दोपहर : 01 .11
		ओएमजी 2	शाम : 06 .30

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर शाम : 04 .25 बजे

जोक्स ऑफ द डे

दो नाली के कीड़े खाते समय आपस में बाते कर रहे थे।
एक कीड़ा- यह सामने वाला होटल कितना साफ है। हर चीज शीशे की तरह चमकती है।
दूसरा कीड़ा- मेहरबानी करो यार, कम-से-कम खाना खाते समय तो ऐसी घिनौनी बाते मत किया करो।

लड़के वाले- आपकी लड़की क्या करती है?
लड़की वाले- जी, इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करती है।
लड़के वाले- समझे नहीं।
लड़की वाले- गूगल से शायरियां उठाती है और वाट्सऐप पर चिपकाती है।

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का : शाह

तेलंगाना के विकाराबाद और नागरकुर्नूल की चुनावी रैली में केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को घेरा

हैदराबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर तीखा प्रहार करते हुए शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम होने के डर से सबसे पुरानी पार्टी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भारत का अधिकार छोड़ना चाहती है। राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन तेलंगाना के विकाराबाद और नागरकुर्नूल में चुनावी रैलियों में शाह ने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आज ही के दिन 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और देश को परमाणु शक्ति बनाया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस

● देश की पुरानी पार्टी के पास सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमला करने का साहस नहीं

के पास सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले करने का साहस नहीं है। देश पर पाकिस्तानी आतंकवादियों के हमले के दस दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक एवं हवाई हमले किए और आतंकवादियों का खात्मा कर दिया।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर एवं नेशनल कांफ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला के पाकिस्तान के पास परमाणु बम होने संबंधी बयान पर शाह ने कहा कि वह राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है इसलिए क्या पाक के कब्जे वाले कश्मीर को पड़ोसी देश को दे देना चाहिये। जब तक यहां भाजपा है, ऐसा कभी नहीं हो सकता और पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का है और हम उसे लेकर रहेंगे। शाह ने कहा कि परमाणु बम के डर से वे पीओके पर हमारा अधिकार छोड़ना चाहते हैं। लेकिन आप चिंता न करें, मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और पाकिस्तान की गोलियों का जवाब तोप से दिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित टिप्पणी कि तेलंगाना के लोगों का कश्मीर से क्या लेना देना है, शाह ने कहा तेलंगाना के युवा कश्मीर के लिये अपनी जान दे सकते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर शाह ने कहा कि रेवंत रेड्डी आपका दिमाग ठिकाने पर नहीं है। क्या आपने इसे इटली में रखा है। रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा था कि पुलवामा हमला खुफिया विफलता का नतीजा था। मोदी ने पुलवामा घटना के बाद सर्जिकल स्ट्राइक से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की। मेरा मोदी से सवाल है कि आप क्या कर रहे हैं?

आतंकवाद के प्रति कांग्रेस का रुख नरम : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि आतंकवाद के प्रति उसका रुख नरम रहा है। आपने कांग्रेस की दस साल के शासनकाल के दौरान देखा कि कैसे आतंकवादी हमलों को बर्दाश्त किया गया.... उपयुक्त जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के युवाओं के साथ संवाद के दौरान कहा कि वे इस हद तक पाकिस्तान को डोजियर भेजने में यकीन करते थे कि आपको स्मरण आएगा कि मुंबई में हमला कराने वालों को दंडित नहीं किया गया। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर 26/11 के आतंकवादी हमले के बाद इस डर से कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया कि उसका 'वोटबैंक' खिसक जाएगा। सीतारमण ने कहा कि भारत उस दौर को कभी नहीं भुला पाएगा जब देश में बार-बार आतंकवादी हमले होते थे और कांग्रेस के नेता आतंकवाद के अपराधियों के साथ बैठा करते थे।

स्पष्ट करें, छेड़खानी के आरोपों पर राज्यपाल को इस्तीफा क्यों नहीं देना चाहिए : ममता

सप्तग्राम (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को राज्यपाल सी वी आनंद बोस पर लगे छेड़खानी के आरोपों को लेकर उनकी आलोचना की और कहा कि उनको यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें पद से इस्तीफा क्यों नहीं दे देना चाहिए।

हुगली लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार रचना बनर्जी के समर्थन में चुनावी रैली में मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक बोस राज्यपाल बने रहेंगे तब तक वह राजभवन के अंदर कदम नहीं रखेंगी। तृणमूल प्रमुख ने कहा, राज्यपाल कहते हैं कि दीदीगीरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी... लेकिन, श्रीमान राज्यपाल मैं कहती हूं कि आपकी दादागीरी अब काम नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि बोस को साफ

● 24 अप्रैल और दो मई को महिला कर्मी से छेड़खानी का सीवी आनंद बोस पर लगा आरोप

करना चाहिए कि उनके खिलाफ इस तरह के आरोप लगाए जाने के बाद उन्हें इस्तीफा क्यों नहीं देना चाहिए। राजभवन की एक संविदा महिला कर्मचारी ने पिछले हफ्ते कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि बोस ने 24 अप्रैल और दो मई को राजभवन में उसके साथ छेड़खानी की थी। बोस ने अपने खिलाफ लगाए आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए नौ मई को राजभवन की कई सीसीटीवी फुटेज दिखाई थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यपाल ने संपादित वीडियो जारी किया। मैंने पूरी फुटेज देखी है।

महिला कर्मचारी से दुर्व्यवहार की मंत्री ने की आलोचना

कोलकाता। प. बंगाल के मंत्री अखिल गिरि ने राजभवन की अस्थायी कर्मचारी से राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने की आलोचना की। राज्य के पूर्व मेदिनीपुर जिले के रामनगर में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार उत्तम बारिक के समर्थन में सार्वजनिक रैली में प्रशासनिक सुधार मंत्री गिरि ने कहा कि राज्यपाल बूढ़े हो गए हैं और अत्यधिक गर्मी से अपना आपा खो बैठे हैं। उन्होंने आकर्षित होकर राजभवन की एक महिला कर्मचारी बांहों में खींच लिया होगा। अगर ऐसा है तो उन्हें दक्षिण भारत जाने दें और इस कृत्य को दोहराने दें।

एक नजर

छत्तीसगढ़ सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग 43 गुमला-रांची मार्ग पर बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत शांतिपारा के पास दो वाहनों में आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गये। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। शव वाहन में फंसे होने की वजह से पुलिस द्वारा गैस कटर मशीन से वाहन को काट शवों को निकाला गया। बतौली पुलिस के अनुसार शुक्रवार देर रात तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी। बताया जा रहा है कि कार अंबिकापुर से सीतापुर की ओर तथा दूसरा वाहन सीतापुर से अंबिकापुर की ओर आ रहा था तभी यह हादसा देखने को मिला।

दो पक्षों में संघर्ष में दो की मौत, एक दर्जन घायल

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के नजीराबाद थाना क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए संघर्ष में दो लोगों की मौत हो गई और लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नजीराबाद इलाके के शुक्ला गांव में जमीन को लेकर दो परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह जमीन पर कब्जे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसी दौरान जसवंत गुर्जर और रंगलाल गुर्जर पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई।

एसआईटी जांच संबंधी याचिका पर जल्द होगी सुनवाई

कोलकाता, एजेंसी

चुनावी बॉण्ड घोटाला

● वकील प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की निगरानी में एसआईटी के गठन की उठाई मांग

वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी बॉण्ड को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला करार देते हुए शनिवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर शीघ्र सुनवाई शुरू करेगा जिसमें कॉरपोरेट संस्थाओं और राजनीतिक दलों के बीच लाभ लेकर फायदा पहुंचाने की कथित व्यवस्था की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराए जाने का अनुरोध किया गया है।

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एसआईटी का गठन किया जाना चाहिए। भूषण ने कोलकाता प्रेस क्लब में कहा, शीर्ष अदालत में दायर की गई उस याचिका पर जल्द सुनवाई शुरू होगी जिसमें एसआईटी गठित करने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक निष्पक्ष एसआईटी का गठन किया जाना चाहिए। एसआईटी में सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वे भी इस मामले में आरोपी हैं। भूषण ने कहा कि जांच से पता चलेगा कि चुनावी बॉण्ड घोटाले में कौन शामिल था और राजनीतिक दलों से पैसा कैसे वसूला जा सकता है।

सेना के जवान की ससुर ने गोली मारकर की हत्या

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी

● वैवाहिक विवाद को लेकर बेटी की पिटाई से नाराज पिता ने गुस्से में मारी गोली

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में शनिवार को सैनिक की उसके ससुर ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि केम्बल डांगा गांव में विलेज डिफेंस गार्ड (वीडीजी) के सदस्य दौलत राम ने अपने दामाद एवं सेना के जवान अमित सिंह पर कथित तौर पर गोली चलाई, जिससे उनकी मौत हो गई।

पनासा गांव निवासी दौलत राम छुट्टी पर आए अपने दामाद अमित से मिलने पहुंचा था। जब दौलत राम को पता चला कि अमित सिंह ने वैवाहिक विवाद को लेकर अपनी पत्नी की पिटाई की है तो उसने गुस्से में आकर गोली चला दी, जिससे अमित घायल हो गए। गोलीबारी की घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और अमित सिंह तथा उनकी पत्नी को अस्पताल पहुंचाया। अमित की पत्नी भी पिटाई से घायल हुई हैं। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक उपचार के बाद अमित सिंह को सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन जम्मू ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

संदेशखालि से जुड़ी घटनाओं की हकीकत से राष्ट्रपति को अवगत कराने की जरूरत

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शनिवार को कहा कि पार्टी के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह संदेशखालि की उन घटनाओं की सच्चाई से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अवगत कराए जिनके चलते सत्तारूढ़ पार्टी और भाजपा के बीच वार-पलटवार शुरू हो गया। पश्चिम बंगाल की मंत्री एवं टीएमसी नेता शशि ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि भाजपा पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि से एक टीम ले गई और देश की राष्ट्रपति के समक्ष झूठी तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी ओर से संदेशखालि से एक टीम ले जाने जाने की जरूरत है ताकि राष्ट्रपति को अवगत कराया जा सके कि जमीनी स्तर पर असल में क्या हुआ था। हम इसके लिए अपने शीर्ष नेतृत्व से अनुमति मांगेंगे। राष्ट्रपति से मुलाकात करने वाली भाजपा की टीम ने उन्हें गुमराह किया है और भाजपा के लोग झूठ का सहारा ले रहे हैं।

नोट का जवाब नोटा, तुम्हारा सिक्का खोटा के गूंजे नारे

इंदौर। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम की ऐन मौके पर नाम वापसी के तगड़े झटके के बाद पार्टी के नोटा के समर्थन में खुलकर मैदान में आने से सोशल मीडिया नये चुनावी नारों से दो-चार हो रहा है। 'नोटा' के पक्ष और विपक्ष में गढ़े गए इन नारों के जरिये कांग्रेस और भाजपा 13 मई को होने वाले मतदान के मद्देजर जनमानस को अपने पाले में खींचने की कवायद में जुटी हैं। इंदौर सीट के 72 साल के इतिहास में पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर कांग्रेस ईवीएम पर उपलब्ध 'नोटा' (उपरोक्त में से कोई नहीं) के विकल्प को इंदौर को अपने समर्थित प्रत्याशी के तौर पर पेश करने की हर-मुमकिन कोशिश कर रही है। इस पर भाजपा ने 'नोटा' के खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्थानीय मतदाताओं से आह्वान किया है कि वे भाजपा को सबक सिखाने के लिए इस बार नोटा का इस्तेमाल करें।

धमतरी-गरियाबंद जिले की सीमा पर मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी और गरियाबंद जिलों की सीमा पर शनिवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

धमतरी जिले के पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि यह मुठभेड़ शनिवार दोपहर तब हुई जब धमतरी से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक दल नक्सल विरोधी अभियान पर निकला था। उन्होंने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद सुरक्षाबलों ने एक नक्सली का शव बरामद किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान अब तक नहीं हो पाई है और आस-पास के इलाकों में अब भी तलाश जारी है।

वेब सीरीज देख रची साजिश, संयोग से हुआ पर्दाफाश

नोएडा, एजेंसी

कुणाल हत्याकांड

● पांच मई को जनपद बुलंदशहर की एक नहर में मिला था शव

● मामले में एमबीबीएस छात्रा समेत चार आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा में साहूकार के बेटे का अपहरण कर उसकी हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस का मानना है कि एक संयोग से इसे एक दिन में सुलझाया जा सकता था। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो उन्होंने रेस्तरां के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें नजर आया कि 14 वर्षीय कुणाल महिला के बुलाने पर उसके पीछे-पीछे जा रहा था, लेकिन फुटेज में महिला का चेहरा नजर नहीं आया। रेस्तरां में भी सीसीटीवी था, लेकिन आश्चर्य यह है कि जब पुलिस ने जांच की तो एक मई को दोपहर दो बजे के आसपास सीसीटीवी बंद था और इसी समय महिला कुणाल को रेस्तरां से बाहर लेकर गई थी। कुणाल के किशोर रिश्तेदार ने ही सीसीटीवी कैमरे को बंद किया था, क्योंकि वह अक्सर उसके पिता का दोपहिया वाहन बिना पूछे ले जाता था और पकड़े जाने के डर से सीसीटीवी कैमरा बंद कर देता था। नोएडा पुलिस ने बृहस्पतिवार को इस मामले में एमबीबीएस की छात्रा समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने खुलासा किया कि कुणाल के रिश्तेदार मनोज शर्मा (42) और हिमांशु चौधरी ने मिलकर हत्या की साजिश रची थी। दोनों ने कुणाल के पिता कृष्ण कुमार शर्मा से कर्ज लिया था, लेकिन वे इसे चुका नहीं पाए। पुलिस ने बताया कि इस मामले में हिमांशु के दोस्त कुणाल भाटी और उसकी प्रेमिका तन्वी को भी गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ''रेस्तरां के अंदर का सीसीटीवी बंद मिला। जिसके बाद ग्रेटर नोएडा और नोएडा में लगभग 200 अलग-अलग स्थानों के सीसीटीवी फुटेज देखने पड़े। जांच के दौरान पता चला कि रेस्तरां का सीसीटीवी कुणाल के एक रिश्तेदार ने ही बंद किया था। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह कुणाल के पिता का दोपहिया वाहन बिना अनुमति के ले जाता था इसलिए वह अक्सर सीसीटीवी बंद कर देता था ताकि पकड़ा न जाए। पुलिस के अनुसार, कुणाल के किशोर रिश्तेदार का उसकी हत्या से कोई संबंध नहीं था, लेकिन जब उससे पूछा गया कि वह घटना के समय कहां था तो वह बार-बार अपने उत्तर बदल देता था।

ट्रॉली बैग में भरकर बुलंदशहर ले गए थे शव

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने बताया, आरोपियों ने वेब सीरीज के माध्यम से हत्याकांड के सबूत छिपाने और नष्ट करने का तरीका सीखा था, जिससे वे पुलिस को गुमराह कर सकें। उन्होंने बताया, उन्होंने वेब सीरीज देखकर सबूतों को नष्ट करने के लिए कुछ तरकीबों का इस्तेमाल किया, जैसे कार पर स्टिकर बदलना, कपड़े बदलना, शव और ट्रॉली बैग से अपनी उंगलियों के निशान हटाना। साथ ही उन्होंने यह भी सीखा कि अपने मोबाइल फोन से कैसे निपटा जाए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कुणाल के शव को ट्रॉली बैग में भरकर बुलंदशहर ले गये और फिर नहर में फेंकने से पहले उसके सारे कपड़े उतार दिए।

कारोबार/कृषि

मैंथा बाजार भाव

रामपुर : शिवालिक-995 फ्लैग-1115 डीएमओ-880 बोल्ड-1165
चन्दौसी : शिवालिक- 1000 फ्लैग-1110 बोल्ड- 1160 डीएमओ- 950

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)	
गेहूँ दड़ा	2350-2500
आरआर 21	2550-2600
गेहूँ फारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400
दलहन (प्रति क्वि.)	
चना	5900 -6000
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -11000
उड़दकाला	6000 -8000
मूँग	8500 -8800
दाल (प्रति क्वि.)	
अरहर फूल	15800-16000
अरहर स्पेशल	13500-13600
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4800-4900
मसूरमलका	7050-7100
मसूरदाल	7300-7350
उड़ददाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	9500 -10500
मूँग धोवा	10000-11500
चावल (प्रति क्वि.)	
अरवा	2000 - 2300
बासमती न01.	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती न02.	6500 - 7500
आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)	
आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430
शाहपसंद	1325-1350

15 हजार महिलाएं करेंगी ड्रोन से खेती

ड्रोन दीदी योजना के लिए महिंद्रा और कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय ने की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि उपकरण निर्माता कंपनी और ट्रैक्टर निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने ड्रोन दीदी योजना के तहत दो पायलट परीक्षण करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के साथ एक समझौता किया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस साल के आरंभ में शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य 15,000 महिलाओं को उर्वरक बुआई, फसल निगरानी और बीज बुआई जैसे कृषि उद्देश्यों के लिए ड्रोन संचालन के लिए प्रशिक्षित करना है, जिससे नई प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा हो सकें। इस साझेदारी के तहत, महिंद्रा और एमएसडीई हैदराबाद और नोएडा में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में 500

● फसल निगरानी और बुआई जैसे कृषि उद्देश्यों के लिए ड्रोन संचालन का दिया जाएगा प्रशिक्षण

महिलाओं को कौशल प्रदान करने के लिए दो पायलट कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसमें केवल 20 महिलाओं वाले विशेष बैच होंगे।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा अनुमोदित 15 दिवसीय पाठ्यक्रम इन केंद्रों पर आरपीटीओ (रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन) प्रशिक्षकों के माध्यम से वितरित होगा। महिंद्रा ग्रुप के ग्रुप सीईओ और एमडी डॉ. अनीश शाह ने कहा, हमारे इस उदयोन्मुखी दर्शन के अनुरूप, महिंद्रा ग्रुप महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्हें वर्कफोर्स में शामिल होने और आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने के लिए कौशल प्रदान किया जाएगा। एमएसडीई के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने कहा कि हम व्यापक प्रशिक्षण के लिए उनकी कृषि विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। कृषि में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लक्ष्य के साथ हैदराबाद और नोएडा में दो एनएसटीआई को पायलट कार्यक्रम के लिए चुना गया है। राष्ट्र निर्माण के लिए महिलाओं को कुशल बनाने का हमारा यह मिशन, विशेष रूप से उभरते व्यवसायों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ड्रोन दीदी कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से यह सहयोग आगे भी बरकरार रहेगा।

जहीराबाद, तेलंगाना और नागपुर, महाराष्ट्र में दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण केन्द्रों पर एनएसटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए बुनियादी ढांचा, प्रतिभागियों के लिए छात्रावास सुविधा प्रदान करेगा और भागीदारी बढ़ाने के लिए स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों और गैर सरकारी संगठनों से संपर्क करेगा। महिंद्रा समूह सिमुलेशन मशीनरी/ड्रोन, सिम्युलेटर नियंत्रक, सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर, आई5 प्रोसेसर और प्रशिक्षकों के साथ कंप्यूटर के माध्यम से प्रारंभिक सेट-अप सहायता प्रदान करेगा और डीजीसीए लाइसेंस धारक प्रशिक्षकों की लागत सहित पायलट परियोजना की अवधि के लिए परिचालन लागत को पूरा करेगा। देश भर में चिह्नित एनएसटीआई/आईटीआई में ड्रोन दीदी योजना को आगे बढ़ाने में एमएसडीई की सहायता करेंगे। योजना आगे बढ़ाने के लिए, महिंद्रा जल्द ही जहीराबाद, तेलंगाना और नागपुर, महाराष्ट्र में कंपनी के कौशल केंद्रों में महिलाओं के लिए ड्रोन प्रशिक्षण शुरू करेगी।

ऑस्ट्रेलिया में लिथियम संपत्ति का अधिग्रहण करने की तैयारी में खनिज विदेश इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी

खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) को इस साल ऑस्ट्रेलिया में लिथियम ब्लॉक हासिल करने की उम्मीद है। खान सचिव वीएल कांथा राव ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि विदेश में खनिज संपत्तियों की खोज के तहत काबिल पिछले साल से ऑस्ट्रेलिया में काम कर रहा है। राव ने यहां काबिल के पंजीकृत कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर कहा, काबिल के ऊपर अन्य देशों पर ध्यान देने की जिम्मेदारी है। हमें ऑस्ट्रेलिया में अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान हम एक और संपत्ति को लक्षित करें।

काबिल का स्वामित्व तीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) के पास है। उन्होंने अगले

● खनिज संपत्तियों की खोज के तहत पिछले साल से ऑस्ट्रेलिया में काम कर रहा है काबिल

अधिग्रहण के बारे में बताया, मैं उम्मीद कर रहा हूं कि यह ऑस्ट्रेलिया होना चाहिए, क्योंकि हम (वहां) पिछले साल से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना के विपरीत, ऑस्ट्रेलिया थोड़ा महंगा होगा, इसलिए काबिल की चुकता पूंजी बढ़ानी होगी।

इस समय काबिल की चुकता पूंजी 100 करोड़ रुपये है। राव ने बताया, हम 500 करोड़ रुपये तक जाने के लिए अधिकृत हैं और हमारे पास 200 करोड़ रुपये तक की मंजूरी है। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन वर्षों में अर्जेंटीना के लिथियम ब्लॉकों में खनन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

सर्राफा

कानपुर	
चाँदी 999 (प्रति किलो)	86300
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	95000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74700
गिन्नी (प्रति नग)	55650-55850
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	73,150
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	73,000
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	84,100
चांदी तैयार	84,000
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	73000
सोना जेवरात गिन्नी	72000
चांदी पक्की	825 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	73,100
चांदी आभूषण	83,500

एक जून से बेंगलुरु-देवघर के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

कोलकाता, एजेंसी

इंडिगो ने एक जून से झारखंड के देवघर और बेंगलुरु के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। सीधी उड़ानें सप्ताह में तीन बार मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को संचालित होंगी।

एयरलाइन ने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 6435 बेंगलुरु से सुबह 10.05 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 12.25 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी की उड़ान 6ई 6437 दोपहर 12.55 बजे देवघर से रवाना होगी और 3.25 बजे बेंगलुरु में उतरेगी। इंडिगो ने कहा कि नया मार्ग भारत के दक्षिणी

हिस्से से झारखंड के प्रसिद्ध धार्मिक केंद्रों तक संपर्क बढ़ाएगा। इंडिगो के वैश्विक बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि बेंगलुरु और देवघर के बीच सीधी उड़ान से न केवल ग्राहकों को झारखंड के पवित्र शहर तक पहुंच मिलेगी, बल्कि छात्रों और रोजगार चाहने वालों को भी सुविधा होगी। देवघर प्रसिद्ध बैद्यनाथ मंदिर है, जो भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में एक है।

गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस का आईपीओ 15 मई को खुलेगा

अहमदाबाद। गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम आईपीओ 15 मई को खुलेगा। कंपनी ने शनिवार को बयान दिया कि आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 15 मई बुधवार को खुलेगा और 17 मई शुक्रवार को बंद होगा। प्राइस बैंड 258 से 272 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। निवेशक न्यूनतम 55 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। 55 शेयरों के मल्टीपल यानी गुणक में बोली लगाई जा सकती है। दस रुपये प्रति इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू वाला यह ऑफर फ्रेश इश्यू और ओएफएस यानी ऑफर फॉर सेल का मिक्स है।

भारत का कपास निर्यात 27 % बढ़कर 28 लाख गांठ होने का अनुमान

मुंबई, एजेंसी

भारतीय कपास संघ (सीएआई) ने शनिवार को अनुमान लगाया कि 24 सितंबर को समाप्त होने वाले फसल वर्ष 2023-24 के दौरान कपास निर्यात लगभग 27 प्रतिशत बढ़कर 28 लाख गांठ हो जाएगा।

सीएआई ने कहा कि फसल सत्र 2022-23 (अक्टूबर-सितंबर) में कपास का निर्यात 22 लाख गांठ था। एक गांठ 170 किलोग्राम के बराबर होती है। सीएआई के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने बताया कि दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के दौरान

● अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की तुलना में 8-10 प्रतिशत कम होने से भारतीय कपास की मांग बढ़ी

कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की तुलना में 8-10 प्रतिशत कम होने के कारण भारतीय कपास की मांग बढ़ गई। हमारा कपास मुख्य रूप से बांग्लादेश, चीन और वियतनाम जैसे देशों को निर्यात किया जाता है। सीएआई ने वर्ष 2023-24 के लिए कपास उत्पादन 309.70 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया है, जो पिछले महीने के अनुमान के समान है। हालांकि उत्पादन पिछले सत्र के 318.90 लाख गांठ से कम रहने की उम्मीद है।

अप्रैल 2024 के अंत तक कुल कपास आपूर्ति 315.86 लाख गांठ होने का अनुमान है। अप्रैल 2024 तक कपास की अनुमानित खपत 192.50 लाख गांठ है जबकि निर्यात 21.50 लाख गांठ आंका गया है।

एक नजर

शोपियां में दो आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शोपियां पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 14 बटालियन की संयुक्त टीम ने दोनों आतंकवादी सहयोगियों को मलिक चेक क्रॉसिंग पर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि दोनों आतंकवादी सहयोगियों के नाम सुहैब इकबाल मलिक और तुफैल यूसुफ मलिक है और दोनों शोपियां के बाबा मोहल्ला में रहते हैं।

पाकिस्तानी ड्रोन पर जवानों ने की फायरिंग

श्रीनगर। बीएसएफ के सतर्क जवानों ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब मंडरा रहे पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलीबारी की। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि बीएसएफ के जवानों ने शुक्रवार देर रात सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर के नारायणपुर इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा। ड्रोन को रोकने के लिए कुछ राउंड गोलीबारी की।

कई रॉकेट को लॉन्च करने वाली प्रणाली का परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक साथ कई रॉकेट को लॉन्च करने वाली प्रणाली का परीक्षण किया, इस दौरान उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मौजूद रहे। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया की समाचार समिति ने कहा कि शुक्रवार के परीक्षण से कई रॉकेट को लॉन्च करने की प्रणाली और उसमें उपयोग किए जाने वाले गोलों तथा उनकी विनाशकारी शक्ति का पता चला। समाचार समिति ने कहा कि इस प्रणाली को 2024 से 2026 तक लड़ाकू इकाइयों में तैनात किया जाएगा।

पाकिस्तान में मुठभेड़ में पांच सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में पांच सैनिकों की मौत हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुठभेड़ स्थानीय समयानुसार सुबह पूर्वाह्न 8:30 बजे हुई। प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में बम निरोधक दल को ले जा रहे एक सैन्य वाहन शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गया। जिसके बाद वाहन पर घात लगाकर बैठे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाई और मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में दो सैनिक और दो आतंकवादी घायल भी हुए हैं, जबकि घटना के बाद से एक सैनिक लापता है।

अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

चंडीगढ़। फार्मा ओपियोइड्स को बड़ा झटका देते हुये, स्पेशल टास्क फोर्स (एस टी एफ) ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में एक फार्मा फैक्ट्री से चल रहे अवैध साइकोट्रोपिक पदार्थों और आपूर्ति इकाइयों के निर्माण के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि 70 .42 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल, 725 .5 किलोग्राम नशीली ट्रामाडोल पाउडर और 2 .37 लाख रुपये की नशीली दवाओं की जब्ती के साथ पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में फैले ऑपरेशन चला रहे मास्टरमाइंड सहित सात ड्रग तस्करों/आपूर्तिकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

कैमरे में कैद हुईं दुर्लभ तस्वीरें

ऑरोरा की रंग बिरंगी रोशनी से नहाया लदाख का आसमान

संवाददाता, नैनीताल

- दोरजे अंगचुक देश के सर्वश्रेष्ठ एस्ट्रो फोटोग्राफरों में से एक

अमृत विचार : लदाख में दुर्लभ ऑरोरा रंग बिरंगी रोशनी की दुर्लभ खगोलीय घटना देखी गई। लद्दाख वेधशाला के प्रभारी इंजीनियर का दोरजे अंगचुक ने ऑरोरा की तस्वीर कैमरे में कैद की हैं। आने वाले दिनो में भी यह घटना देखी जा सकेगी।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के निदेशक व सौर विज्ञानी प्रो दीपांकर बनर्जी ने बताया कि लदाख से पिछली बार, लगभग एक वर्ष पूर्व लदाख के हानले स्थित वेदशाला से डिटेक्ट की गई थी। भारत के लदाख में ऑरोरा देखा जाना देश ही नही बल्कि दुनिया के लिए बड़ी खबर है। इनके भविष्य में देखे जाने के संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

मगर यह पृथ्वी की दिशा में आने वाले सौर तूफानों पर निर्भर करता है। उन्होंने बताया कि का दोरजे अंगचुक देश के सर्वश्रेष्ठ एस्ट्रो फोटोग्राफरों में से एक हैं। लदाख में ऑरोरा की तस्वीरें कैमरे मे उतारने के लिए जुटे हुए हैं। यह 25 वा सोलर साइकिल चल रहा है। इन दिनों सूर्य मैक्सिमा यानी अत्यधिक सक्रियता के दौर से गुजर रहा है।

जिस कारण पृथ्वी के ध्रुवीय व चुम्बकीय क्षेत्रों में मनमोहक रंग में ऑरोरा नजर आते रहेंगे। लदाख के का दोरजे अंगचुक से फोन पर हुई वार्ता में उन्होंने बताया कि बीती रात तीन बजे तक ऑरोरा की तलाश में जुटे रहे। रात दो से तीन बजे के बीच स्याह अंधेरे में ऑरोरा की तस्वीरें कैमरे में कैद करने की सफलता मिल गई। इन दिनों सूर्य बेहद सक्रिय है और सूर्य की सतह से निरंतर सौर भभुकाएँ उठ रही हैं।

उड़ान में अभद्र बर्ताव को लेकर यात्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मंगलुरु। एअर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल की शिकायत के बाद दुबई और मंगलुरु के बीच उड़ान के दौरान अभद्र व्यवहार करने को लेकर एक यात्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि उड़ान के सुरक्षा समन्वयक सिद्धार्थदास ने बाजपे पुलिस थाने में मोहम्मद बी सी के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी।

घटना 9 मई की सुबह हुई और उसी दिन शाम को प्राथमिकी दर्ज की गई। मोहम्मद ने 8 मई की रात को एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से दुबई से मंगलुरु की यात्रा की और अगले दिन सुबह 7.30 बजे मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। विमान के दुबई के लिए उड़ान भरने के बाद उसने चालक दल से कृष्णा नामक व्यक्ति के बारे में पूछा। कृष्णा नाम उस उड़ान के यात्रियों की सूची में नहीं था।

कुवैत के अमीर ने भंग की संसद

राजनीतिक उठापटक के बीच विभाग कंट्रोल में लिए, कहा-देश के लिए मुश्किल फैसला लिया

कुवैत, एजेंसी

तेल की अकूत संपदा से मालामाल खाड़ी देश कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल ने संसद को भंग कर दिया है। अमीर ने सरकारी टीवी पर एक संबोधन में इसकी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने संविधान के कुछ अनुच्छेदों को भी निलंबित कर दिया है। कहा गया है कि ये संविधान पर निलंबन चार साल से ज्यादा नहीं होगा। इस दौरान देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सभी पहलुओं का अध्ययन किया जाएगा। सरकारी टीवी के मुताबिक, इस दौरान नेशनल असेंबली की सभी शक्तियां अमीर और देश की कैबिनेट के पास होंगी।

83 साल के कुवैती अमीर ने कहा कि कुवैत हाल ही में कुछ कठिन समय से गुजर रहा है, जिससे देश को बचाने और अपने उच्चतम हितों को सुरक्षित करने के लिए कड़े फैसले लेने में झिझक या देरी के लिए कोई जगह नहीं बचती है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों राज्य के अधिकांश विभागों में भ्रष्टाचार की पहुंच से कुवैत का माहौल खराब हुआ है। दुर्भाग्य से भ्रष्टाचार सुरक्षा और आर्थिक संस्थानों तक पहुंच गया है। उन्होंने न्याय प्रणाली में भी भ्रष्टाचार होने की बात कही है।

सालों से चल रहा राजनीतिक संकटकुवैत पिछले कुछ सालों से घरेलू राजनीतिक विवादों से घिरा रहा है. देश का वेल्फेयर सिस्टम इस संकट का एक प्रमुख मुद्दा रहा है और इसने सरकार को कर्ज लेने से रोका है. इसकी वजह से अपने तेल भंडार से भारी मुनाफे के बावजूद सरकारी खजाने में पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों को वेतन देने के लिए बहुत कम पैसे बचे हैं. कुवैत में भी दूसरे अरब देशों की तरह शेख वाली राजशाही सिस्टम है, लेकिन यहां की विधायिका पड़ोसी देशों से ज्यादा पावरफुल मानी जाती है।

कुबैत की संसद भंग होने के बाद प्रमुख देश यहां की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की कही बात

कुवैती अमीर ने कहा कि मैं देश को बर्बाद करने के लिए लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की अनुमति कभी नहीं दूंगा। क्योंकि कुवैत के लोगों का हित सबसे ऊपर है। कुवैत ने लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक गतिरोध से बाहर निकलने की कोशिश में इसी अप्रैल में राष्ट्रीय चुनाव करवाए थे, जो पिछले कुछ वर्षों में चौथी बार था। कुवैत में भी अरब देशों की तरह शेख वाली राजशाही व्यवस्था है, लेकिन यहां पर विधायिका पड़ोसियों के मुकाबले अधिक प्रभाव रखती है। पिछले कई वर्षों से कुवैत घरेलू राजनीतिक विवाद में फंसा हुआ है। इस गतिरोध ने शेखशाही व्यवस्था को कर्ज लेने से रोक दिया है। इसके चलते तेल भंडार से अपार धन कमाने के बावजूद कुवैत के खजाने में सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने के लिए बहुत कम राशि बची है।

28 सालों में 12 बार कुवैत की संसद भंग हुई है

कतर की संसद में 50 सदस्य होते हैं, जिसका नेता प्रधानमंत्री होता है। ये सारे सदस्य निर्दलीय रूप से चुने जाते हैं, क्योंकि कुवैत में राजनीतिक पार्टियां पर प्रतिबंध है। इसके अलावा 16 सदस्यों की एक कैबिनेट होती है, जिसे पीएम खुद चुनते है। हालांकि प्रधानमंत्री का पद पर नियुक्ति कुवैत के अमीर ही करते है। और संसद पर भी उन्हीं की ही पकड़ होती है।वे जब चाहे संसद को भंग कर सकते हैं। हालांकि असेंबली भंग करने के 2 महीनों के अंदर ही चुनाव करवाने होते हैं। इससे पहले भी कुवैत की संसद कई बार भंग की जा चुकी है। 2006 से 2024 के बीच लगभग 12 बार कुवैत की जनरल असेंबली को भंग किया जा चुका है। बीबीसी के मुताबिक कुवैत के इतिहास में राजनीतिक उठापटक के कारण 4 बार संसद को भंग किया गया है।

आईएमएफ को कर्ज चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता पर संदेह

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि पाकिस्तान को कर्ज चुकाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक वित्तीय निकाय ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश की कर्ज चुकाने की क्षमता पर संदेह किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के बारे में वाशिंगटन स्थित बैंक का आकलन ऐसे वक्त में आया है, जब आईएमएफ सहायता दल शुक्रवार को यहां अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए पहुंचा है। ईएफएफ के तहत नए राहत पैकेज का अनुरोध किया था।

जम्मू-कश्मीर : छह आतंकवादियों के पुलिस ने जारी किए स्केच

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में हुई मुठभेड़ में शामिल छह आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इन आतंकवादियों ने पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसपैठ की और घने जंगलों में भागने से पहले गोलीबारी में एक गांव के रक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी।

उधमपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जोगिंदर सिंह ने आतंकवादियों के एक सहयोगी की गिरफ्तारी के साथ इस मामले में पहली सफलता मिलने की घोषणा की। आतंकवादियों के इस सहयोगी ने सीमा पार से घुसपैठ के बाद आतंकियों को इलाके तक पहुंचने में मदद की थी। एसएसपी सिंह ने कहा कि छह आतंकवादियों के ''स्केच'' विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों, जनता और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर तैयार किए गए हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा हमें उम्मीद है कि लोग आगे आएंगे और आतंकवादियों को ढेर करने में सुरक्षा एजेंसियों की मदद करेंगे। ग्राम रक्षक (वीडीजी) मोहम्मद शरीफ 28 अप्रैल को बसंतगढ़ के पनारा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान के बाद आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हो गए थे।

सांबा में दो अपराधी गिरफ्तार, मामला दर्ज

जम्मू, एजेंसी

- सार्वजनिक शांति और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा थे दोनों अपराधी

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में पुलिस ने शनिवार को दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर एक गैंगस्टर सहित तीन लोगों के खिलाफ सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस ने बताया कि जिले में आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गटरू गिरोह के दो कुख्यात अपराधियों को हिरासत में लेकर जेल भेजा गया है। एक की पहचान गिरोह के मुखिया सुमित जंडियाल उर्फ गटारू के रूप में की गई और उस पर जम्मू-कश्मीर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया। गैंगस्टर सुमित और गटारू गिरोह के सदस्य सौरव गुप्ता दोनों सांबा जिला के विजयपुर निवासी ओम प्रकाश के पुत्र हैं और इनके खिलाफ संगठित तरीके से आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इस गिरोह के कारण सार्वजनिक शांति और व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। गैंगस्टर गटारू जिले में अपने भाई सौरव तथा अन्य सदस्यों के साथ मिलकर गटारू गिरोह का संचालन कर रहा है।

दस नेपाली पेशेवर पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट फतह की

काठमांडू, एजेंसी

- इस मौसम में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाला पहला अभियान दल

नेपाल के दस पेशेवर पर्वतारोहियों ने शुक्रवार रात को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफलता हासिल की। यह इस मौसम में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाला पहला अभियान दल है। इस पर्वतारोहण अभियान का आयोजन करने वाले सेवन समिट ट्रैक के कर्मी थानी गुरगैन ने कहा कि डेंडी शेरपा के नेतृत्व में पर्वतारोहियों की टीम शुक्रवार रात सवा आठ बजे 8,848.86 मीटर ऊंची शिखर पर पहुंची।

पर्वतारोही रस्सियां लगाते हुए पर्वत शिखर पर पहुंचे। ये रस्सियां पर्वतारोहियों को पर्वत पर चढ़ने में सुविधा प्रदान करेंगी। पर्यटन विभाग के पर्वतारोहण अनुभाग के एक अधिकारी चुन बहादुर तमांग ने शुक्रवार रात एक नोटिस जारी करते हुए कहा कि रस्सी लगाने का काम पूरा होने के बाद माउंट एवरेस्ट अब नेपाल और विदेशी पर्वतारोहियों की चढ़ाई के लिए खुल गया है। विभाग के मुताबिक एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाले अन्य पर्वतीय गाइडों में तेनजिंग ग्यालजेन शेरपा, पेम्बा ताशी शेरपा, लकपा शेरपा, दावा रिनजी शेरपा, दावा शेरपा, पाम सोरजी शेरपा, सुक बहादुर तमांग, नामग्याल दोरजे तमांग और लकपा रिनजी शेरपा शामिल हैं। कुल मिलाकर 41 पर्वतारोहण अभियानों से संबद्ध 414 पर्वतारोहियों को इस सीज़न में एवरेस्ट पर चढ़ने की अनुमति मिली है।

आपातकालीन सेवाओं के लिए पूरे साल खुला रहेगा भारतीय वाणिज्य दूतावास

न्यूयॉर्क। यहां भारत के महावाणिज्य दूतावास ने घोषणा की है कि आपात स्थिति के मामले में लोगों की भारत यात्रा में मदद और सुविधा प्रदान करने के लिए यह सभी छुट्टियों सहित पूरे वर्ष खुला रहेगा। वाणिज्य दूतावास ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह आम जनता की आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शनिवार और रविवार सहित अन्य सार्वजनिक छुट्टियों के दौरान अपराह्न दो बजे से शाम चार बजे तक खुला रहेगा। यह सुविधा वास्तविक आपात स्थिति वाले लोगों के लिए है। उसने आवेदकों को सलाह दी कि किसी भी आपातकालीन सेवा के लिए आने से पहले उन्हें संबंधित सेवा से जुड़े सहायक दस्तावेजों के बारे में पता लगाने के वास्ते दूतावास के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अनुरोध आपातकालीन सेवाओं की श्रेणी में आते हैं।

गाजा में इजरायली बमबारी में 31 लोगों की मौत, कई घायल

गाजा, एजेंसी

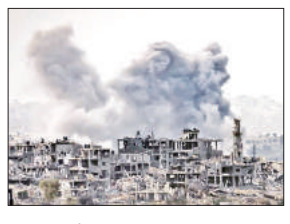

गाजा पट्टी के विभिन्न इलाकों में इजरायली बमबारी में करीब 31 लोग मारे गये व कई अन्य घायल हो गये। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने यह जानकारी दी। इजरायली लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को मध्य गाजा पट्टी के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिसमें करीब 24 लोग मारे गए। इसके गाजा के उत्तरी क्षेत्र जबालिया में सात अन्य लोग मारे गये।

मिस्र के काहिरा में गुरुवार को इजरायल-हमास संघर्ष विराम पर आयोजित वार्ता विफल होने के बाद इजराइल ने राफा पर हमले तेज कर दिये हैं। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कहा कि शहर में इजरायली बमबारी तेज होने के कारण सुरक्षा की तलाश में लगभग 110,000 लोगों को राफा से विस्थापित होना पड़ा। एजेंसी ने बताया कि राफा में 34 यूएनआरडब्ल्यूए चिकित्सा बिंदुओं में से दस को बंद कर दिया गया था और क्षेत्र में इसके तीन परिचालन स्वास्थ्य केंद्र कम क्षमता पर काम कर रहे थे।

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत के फैसले के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन ने 27 आरक्षित सीट गंवायी

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पीएमएल-एन की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि प्रांतीय एसेम्बली के अध्यक्ष ने 27 जन प्रतिनिधियों की सदस्यता स्थगित कर दी है। मीडिया ने यह जानकारी दी है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने एक निचली अदालत के उस फैसले को निलंबित कर दिया जिसमें उसने सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल को महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीट में उसका हिस्सा देने से इनकार कर दिया था।

प्रांतीय एसेंबली के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद खान ने आरक्षित सीट पर नियुक्त की गयी महिलाओं और गैर मुसलमानों की सदस्यता स्थगित कर दी। उन्हें पाकिस्तान निर्वाचन आयोग की पिछली अधिसूचनाओं के मार्फत आरक्षित सीट पर नियुक्त किया गया था। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने यह खबर दी है।

रूस ने उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के पांच गांवों पर नियंत्रण का दावा किया

कीव, एजेंसी

रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को दावा किया कि रूसी बलों ने उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के पांच गांवों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। यूक्रेन के पत्रकारों ने शुक्रवार को बताया कि रूसी सैनिकों ने बोरिसिव्का, ओहिरत्सेव, पिल्ना और स्ट्राइलेचा गांवों पर कब्जा कर लिया है और ये सभी गांव यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में स्थित हैं।

रूसी अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि उन्होंने प्रांत पर किए गए हालिया हमले में एक अन्य गांव प्लेटेनिव्का पर भी कब्जा कर लिया है। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि रूसी बलों के हमले के कारण 1,700 से अधिक आम लोगों को क्षेत्र से निकलना पड़ा। खार्किव के गवर्नर ओलेह एस. ने कहा कि हवाई हमलों और बमबारी में 30 से अधिक विभिन्न कस्बों और गांवों को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम तीन लोग मारे गए और पांच घायल हो गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी बलों ने ड्रोन और मिसाइलों से हमले किये। उसने कहा कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने 21 रॉकेट और 16 ड्रोन को नष्ट कर दिया, जो रूस के बेलगोरोद, कुर्स्क और वोल्गोग्राद प्रांत को निशाना बनाकर दागे गए थे।

लुगांस्क पर हमले में तीन लोगों की मौत

लुगांस्क। यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले शहर लुगांस्क के बाहरी क्षेत्र रोवेंकी में एक तेल डिपो पर मिसाइल हमला किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गये। स्थानीय नेता लियोनिद पासेचनिक ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा लुगांस्क के रोवेन्की पर आज का हमला संभवत: क्लस्टर हथियारों से लैस अमेरिकी निर्मित एटीएसीएमएस मिसाइलों के साथ किया गया। हमले से तेल डिपो आग की चपेट में आ गया और इसके आसपास के घर भी क्षतिग्रस्त हो गये।

अगरतला महिला कॉलेज में मोबाइल फोन पर लगा प्रतिबंध

अगरतला। त्रिपुरा के अगरतला में महिला कॉलेज की प्रधानाचार्या ने पढ़ाई में विघ्न पढ़ने के कारण मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रधानाचार्या सरबरी नाथ ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा हमारे संज्ञान में आया है कि किशोरियां मोबाइल फोन की आदी होती जा रही हैं और अगर अध्यापिका उनके पास से गुजर भी जाएं तो उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, यानी कि शिक्षण-अधिगम गतिविधियों को प्रभावित करने के साथ-साथ छात्रों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन जाता है। ज्यादातर विद्यार्थी पूरी तरह से फोन में व्यस्त होते जा रहे हैं, हालांकि उनके आस-पास बहुत सी चीज़ें घटित होती हैं, फिर भी वे ऊपर तक नहीं देखते जो बहुत निराशाजनक है। किशोर और किशोरियां कॉलेज आते हैं और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं लेकिन अब कॉलेज परिसर में कोई शोर नहीं है, हर कोई मोबाइल पर व्यस्त है।

एतराज पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष बोली- प्रशासन ने पुलवामा को लक्षित करके लगाए प्रतिबंध

महबूबा ने चुनाव फिक्सिंग करने का लगाया आरोप

श्रीनगर, एजेंसी

पत्रकारों को संबोधित करतीं महबूबा मुफ्ती। ● एजेंसी

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को पुलवामा जिले में धारा 144 लागू करने पर सवाल उठाया और प्रशासन पर लोकसभा चुनाव को गड़बड़ी करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। महबूबा ने कहा कि अधिकारियों ने दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत शनिवार शाम 6.30 बजे से 48 घंटे के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पुलवामा श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां पर सोमवार को मतदान होना है।

उन्होंने श्रीनगर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि यह अभूतपूर्व है और ऐसा पहले नहीं हुआ है कि जहां चुनाव होने हैं, वहां प्रतिबंध लगाए गए हैं और वह भी चुनाव प्रचार के समापन के समय में। उन्होंने कहा कि ये प्रतिबंध पुलवामा को लक्षित करके लगाए गए हैं। उधर, महबूबा के आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, पुलवामा के उपायुक्त ने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए चुनाव आयोग के पिछले 72 और 48 घंटों से संबंधित विशिष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत इसे अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि ईसीआई दिशानिर्देश पिछले 72 घंटों और पिछले 48 घंटों के लिए विशिष्ट एसओपी को अनिवार्य करते हैं। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 और धारा 130 और एसओपी संस्करण 2 पैरा 4.1.1, 4.1.2, 4.1.3 के तहत सीआरपीसी की धारा 144 लागू करने का प्रावधान है। ऐसे आदेश अन्य जिलों द्वारा भी जारी किए गए हैं जहां चुनाव हुए थे/चुनाव होने वाले हैं।

मौन अवधि होने के कारण प्रतिबंध अभियान आदि से संबंधित विशिष्ट गतिविधियों पर लागू होते हैं। पुलवामा के उपायुक्त ने एक्स पर कहा कि प्रतिबंध केवल क्रम में निर्दिष्ट बिंदुओं से संबंधित हैं, सामान्य प्रतिबंधों से नहीं वहीं, महबूबा ने कहा कि पीडीपी कार्यकर्ताओं (जो पार्टी के चुनाव अभियान में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं) पुलिस द्वारा बुलाया जा रहा है और चुनाव से पहले हिरासत में भी लिया जा रहा है। उन्होंने कहा यह केवल पुलवामा तक ही सीमित नहीं है। कुछ दिन पहले सुरनकोट पुंछ में हमला हुआ था।

उसके बाद, हमारे 50-60 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है और एक अजीब माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग को 1987 के चुनाव दोहराने हैं, तो चुनाव का यह नाटक क्यों? अगर उन्हें इख्वान (सरकार समर्थक बंदूकधारी) या इख्वानों की पार्टी बनानी है, तो उन्हें ऐसा कहना चाहिए।